सुविचार
आत्मनिर्भरता सच्ची स्वतंत्रता की कुंजी है।
-लाल बहादुर शास्त्री

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज *Published from Ranchi*

12
Alia Bhatt And Ranbir Kapoor's...

Ranchi ● Sunday, 12 January 2025 ● Year : 02 ● Issue : 350 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

SARAFA

सोना	:	7,495
चांदी	:	101.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

इरफान अंसारी की याचिका पर 24 को 'सुप्रीम' सुनवाई

RANCHI : साल 2018 में दुष्कर्म की शिकार एक बच्ची की तस्वीर अस्पताल से वायरल होने के बाद हेमंत सरकार के वर्तमान स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी के खिलाफ अदालत ने संज्ञान लिया था। इस मामले में उनके खिलाफ जामताड़ा थाना में केस दर्ज हुआ था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि विधायक इरफान अंसारी के मोबाइल से बच्ची की तस्वीर वायरल हुई है। दुमका सिविल कोर्ट ने 21 दिसंबर 2022 को इरफान अंसारी के विरुद्ध चार्जफ्रेम किया था। इसके खिलाफ इरफान अंसारी ने झारखंड हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की थी, जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया था। अब उन्होंने झारखंड हाईकोर्ट के उसे फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका डाली है। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बेंच में इरफान अंसारी की याचिका पर सुनवाई चल रही है। कोर्ट में 24 जनवरी को इस मामले की सुनवाई होगी।

नशे में वर्दी पहनकर सीओ व थानेदार से भिड़ा रिटायर्ड फौजी

PLAMU : पलामू जिले के पड़वा थाना क्षेत्र के गाड़ीखास गांव में एक रिटायर्ड फौजी नशे में वर्दी पहनकर सीओ और थाना प्रभारी से भिड़ गया। पूछताछ के बाद उसे थाना लाया गया और फिर मेडिकल जांच कराई गई। रिटायर्ड आर्मी जवान की पहचान बिहार के जहानाबाद जिले के मकदुमपुर निवासी विशाल सिंह के रूप में हुई है। उसने छतरपुर के डाली के रहने वाले रिटायर्ड आर्मी के जवान शंभू सिंह की वर्दी पहन रखी थी। जानकारी के अनुसार शनिवार को पड़वा थाना क्षेत्र के गाड़ीखास गांव में अंचलाधिकारी अमित कुमार झा और थाना प्रभारी चंद्रशेखर यादव नेशनल हाईवे की जमीन से संबंधित विवाद मामले को लेकर जांच के लिए पहुंचे थे। इसी क्रम में चारपहिया वाहन से गुजर रहे रिटायर्ड आर्मी के जवान विशाल कुमार ने भीड़ भाड़ देखकर अपनी गाड़ी रोक दी। गाड़ी से उतरकर थाना प्रभारी और अंचलाधिकारी से भिड़ गया। शराब के नशे में रहने के कारण सीओ और थाना प्रभारी ने उससे पूछताछ की।

कोंडापोचम्मा सागर बांध में डूबकर पांच युवकों की मौत

SIDDIPET : तेलंगाना के सिद्दीपेट जिले के मार्कूक मंडल के कोंडापोचम्मा सागर बांध में गिरने से हैदराबाद के पांच युवकों की शनिवारको जान चली गई। बताया गया कि शहर के सात युवक आज कोंडापोचम्मा सागर में तैराकी करने गए थे। इसी दौरान इनमें से पांच युवक सागर के पानी में डूब गए और उनकी मौत हो गई। सभी युवकों के शव बरामद कर लिए गए हैं। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि सात युवक सागर में तैराकी के लिए आए थे। इनमें से दो युवक सुरक्षित बाहर निकल आये जबकि पांच अन्य युवक डूब गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी कर बचाव अभियान चलाया। पुलिस ने सिंचाई और अन्य लोगों की मदद से सागर में डूबे हुए पांच युवकों के शव बरामद कर लिया। इन युवकों की पहचान हैदराबाद के धनुष, लोहित (17), दिनेश्वर (17), जतिन (17) और श्रीनिवास (17) के रूप में हुई है।

नौकरशाही

ब्रजेश मिश्रा

झारखंड की नौकरशाही में इन दिनों अंदरखाने बड़ी हलचल है, ठंड के मौसम में बदलाव की बयार कब चले, सबकी निगाहें बस इसी पर लगी हैं। इस बीच क्या कुछ चल रहा है सत्ता के गलियारे में, जानें हमारे चीफ एग्जीक्यूटिव एडिटर की कलम से।

न जा कहीं, अब न जा...

राजधानी की नौकरशाही वाले मुहल्ले में घूमते हुए फन्ने गुरु एक चौराहे से गुजरे। अचानक उनकी नजर किनारे की एक दीवार पर जा टिकी। बड़े-बड़े अक्षरों में कुछ लिखा हुआ दिखा। कवि हृदय भाव से भर गया। यूं ही कुछ गुनगुनाने लगे। सहचर के रूप में ज्ञानेंद्रियों को एकाग्रचित्त करते हुए समझने की कोशिश की। पता चला, गुरु मजरुह सुलतानपुरी का गीत दोहरा रहे हैं- न जा कहीं, अब न जा दिल के सिवा...। फिल्म का नाम 'मेरे हमदम, मेरे दोस्त'। संगीतकार लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल और गायक मोहम्मद रफी। मन व्यग्र हो गया, आखिर गुरु वर्ष 2025 में टहलते-टहलते, सन 1968 में कहां पहुंच गए? कुछ देर साथ चलने के बाद रहा नहीं गया, सो पूछ लिया। गुरु, कहां खो गए? पुष्पा के जमाने में आप पुराने गीत गा रहे हैं? बस सवाल पूछने भर की देर थी, गुरु मानो ज्ञान देने के लिए भरे बैठे थे। फिल्म का कनेक्शन सीधे अध्यात्म से जोड़ दिया। बोले, 'बच्चा अभी तू बहुत कच्चा है। ये संसार है, यहां सब कुछ आपस में जुड़ा है। अलग-अलग विषयों में भी परस्पर संबंध होते हैं। कई बार कुछ दिख जाता है और समझ में आ जाता है। मानव समझता है कि वह सृष्टि को समझ गया। अधिकांश बार बहुत कुछ दिखता है, लेकिन समझ नहीं आता। लिहाजा मानव उसके होने का अहसास नहीं कर पाता, लेकिन वह होता है और यही सत्य है।' गुरु का यह ज्ञान सिर के ऊपर से निकल गया, लेकिन जानने की इच्छा प्रबल थी, सो फिर प्रश्न कर दिया। गुरु, बात कुछ पल्ले नहीं पड़ी। गुरु फिर दार्शनिक टाइप, बोले- बच्चा मैंने कहा न, तू अभी कच्चा है। कुछ चीजें अनुभव से समझ में आती हैं, फिर भी तेरी जानने की इच्छा का ख्याल रखते हुए सहज भाषा में बता रहा हूं - 'इस संसार में सारा खेल गठजोड़ का है। गठजोड़, जोड़, जुगाड़, लकड़ी... जैसे इसके कई पर्यायवाची शब्द हैं। मूल भाव यह कि सारा खेल 'लकड़ी' का है। तूने पुष्पा का जिक्र किया था न, इस फिल्म की कहानी में भी 'लकड़ी' है। लाल 'चंदन की लकड़ी'। लकड़ी के बाजार में चंदन की लकड़ी बड़ी कीमती है। चंदन शीतलता प्रदान करता है। यही वजह है कि बड़े-बड़े लोग इसे अपने माथे, कंठ और हृदय से लगा कर रखते हैं। यह वर्षों पुरानी परंपरा है, आज भी इन्हीं परंपराओं का निर्वहन हो रहा है। चंदन का पेड़ जितना पुराना होता है, कंचन की तरह उतना कीमती होता जाता है। पेड़ में चाहे जितने सर्प लिपटे हों, लेकिन इससे चंदन की लकड़ी का महत्व कम नहीं होता। गुरु बात को और आगे बढ़ाते, इससे पहले हाथ जोड़े, प्रणाम किया और निकल लिया। दिमाग में गुरु के शब्द कौंध रहे थे, लकड़ी, चंदन, कंठ, कंचन ...।

अयोध्या का रामलला मंदिर हमारी संस्कृति व अध्यात्म की महान धरोहर : पीएम मोदी

NEW DELHI @ PTI : शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' जारी पोस्ट में अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ पर सभी देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। मोदी ने कहा कि सदियों के त्याग, तपस्या और संघर्ष के बाद बना यह मंदिर हमारी संस्कृति और आध्यात्म की महान धरोहर है। उन्होंने लिखा कि मुझे विश्वास है कि यह दिव्य-भव्य राम मंदिर विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि में एक बड़ी प्रेरणा बनेगा। प्रधानमंत्री ने गत वर्ष अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद दिए अपने भाषण का एक वीडियो

प्राण प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ पर प्रधानमंत्री ने देशवासियों को दी शुभकामनाएं

- अपने पोस्ट के साथ मोदी ने पहले के एक भाषण का वीडियो भी किया है शेयर
- विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि में एक बड़ी प्रेरणा बनेगा यह मंदिर

साझा किया। इसमें प्रधानमंत्री ने कहा कि ये (22 जनवरी 2024) कैलेंडर पर लिखी एक तारीख नहीं, ये एक नए कालचक्र का उद्गम है। सदियों की प्रतीक्षा के बाद हमारे अनगिनत बलिदान, त्याग और तपस्या के बाद हमारे प्रभु राम आ गए। सर्वे भवंतु सुखिनः ये संकल्प हम सदियों से दोहराते आ रहे हैं। उसी संकल्प को राम मंदिर के रूप में साक्षात आकार मिला है।

उग्रवादियों से अलग होकर बनाया था अपना आपराधिक संगठन

आलोक गिरोह के सरगना का खात्मा, मारा गया राहुल तुरी

PHOTON NEWS RAMGARH : शनिवार को जिले के कुजू थाना क्षेत्र के मुरपा में चरही पुलिस ने आलोक गिरोह के सरगना राहुल तुरी को मार गिराया। हजारीबाग और रामगढ़ पुलिस के जरिये चलाए गए ज्वाइंट ऑपरेशन में राहुल तुरी ढेर हो गया। मोस्ट वांटेड अपराधी राहुल तुरी उर्फ आलोक और उसका साथी आकाश करमाली रामगढ़ जिले में एक बड़ी वारदात को अंजाम देने पहुंचा था। जब पुलिस ने उसे गिरफ्तार करने के लिए छापामारी शुरू की, तो उन दोनों ने हवा में हथियार लतराते हुए पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। रामगढ़ एसपी अजय कुमार ने राहुल के मारे जाने की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि दोपहर में ही राहुल और आकाश के कुजू क्षेत्र में छिपे होने की सूचना मिली थी। जब उसे गिरफ्तार करने के लिए हजारीबाग की पुलिस की सहायता से छापेमारी शुरू की गई, तो दोनों ने पुलिस पर ही गोलियां चला दी। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई शुरू की तो वे लोग मुरपा बस्ती के जंगलों में जाकर छुप गए। इसी दौरान दोनों तरफ से गोलियां चलीं। पुलिस की गोली से राहुल मारा गया।

हजारीबाग-रामगढ़ पुलिस के ज्वाइंट ऑपरेशन में कर दिया गया ढेर

- अपने साथी के साथ पहुंचा था किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने
- छापेमारी करने पहुंची पुलिस पर फायरिंग करने लगे राहुल और आकाश
- राहुल के मारे जाने के बाद आकाश को पुलिस ने कर लिया अरेस्ट
- एसपी अजय कुमार को कुजू क्षेत्र में छिपे होने की मिली थी सूचना
- पुलिस ने बरामद किए दो पिस्तौल, गोलियां और दर्जनों मोबाइल

पहले टीएसपीसी के लिए करता था काम

रामगढ़ में मारा गया कुख्यात अपराधी राहुल तुरी रांची पुलिस का भी वांटेड था। उग्रवादी संगठन टीएसपीसी से अलग होकर राहुल ने आलोक गिरोह नाम का संगठन खड़ा किया था। रांची के बुढ़मू और खलारी इलाके में आगजनी और गोलीबारी की कई वारदात को राहुल तुरी के द्वारा अंजाम दिया गया था। बुढ़मू में जब राहुल के द्वारा छप्पर बालू घाट पर हमला किया गया, उसके बाद उसके खिलाफ इश्तहार जारी किया गया। इश्तहार जारी करने के विरोध में राहुल गिरोह के अपराधियों ने खलारी में खुलेआम तीन ट्रकों को आग के हवाले कर दिया था।

रांची-हजारीबाग-रामगढ़ जिले में कई वारदात को दिया था अंजाम

राहुल की मौत के बाद उसका साथी आकाश करमाली को गिरफ्तार कर लिया गया। मूल रूप से लातेहार जिले का रहने वाला राहुल तुरी उर्फ आलोक मोस्ट वांटेड अपराधी था। उसने रांची, हजारीबाग और रामगढ़ जिले में कई वारदात को अंजाम दिया था। रंगदारी वसूलने के लिए वह लगातार व्यापारियों और ठेकेदारों को फोन करता था। रंगदारी नहीं देने पर वह गोलियां भी चलता था। उसने कई गाड़ियों को भी खलारी थाना क्षेत्र में जलाया था। दो दिन पहले ही हजारीबाग जिले के उरिमरी थाना क्षेत्र में उसने विस्थापित नेता संतोष सिंह को गोली मारी थी।

आतंकी को ट्रांजिट रिमांड पर लोहरदगा से अपने साथ ले गई दिल्ली पुलिस

शाहबाज से 3 दिनों तक पूछताछ करेगी स्पेशल सेल

PHOTON NEWS RANCHI : दिल्ली पुलिस की स्पेशल से लोहरदगा से पकड़े गए अलकायदा मॉड्यूल के संदिग्ध आतंकी शाहबाज अंसारी से पूछताछ करेगी। शनिवार को तीन दिनों की ट्रांजिट रिमांड पर दिल्ली पुलिस शाहबाज को अपने साथ लेकर दिल्ली चली गई। इससे पहले कड़ी सुरक्षा के बीच उसे लोहरदगा कोर्ट में पेश किया गया। बता दें कि शुक्रवार को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल और झारखंड एटीएस की टीम ने संयुक्त रूप से झारखंड के लोहरदगा जिले से शाहबाज को अरेस्ट किया था। शाहबाज अंसारी रांची के चान्हो थाना क्षेत्र का रहने वाला है। राज्य से अब तक 11 संदिग्धों को अरेस्ट किया गया है। इन 11 में आधे से अधिक झारखंड से हैं।

रांची के चान्हो थाना क्षेत्र का रहने वाला है शाहबाज अंसारी

- स्पेशल सेल और एटीएस की टीम ने संयुक्त रूप से लोहरदगा से किया था अरेस्ट

पिछले 20 सालों से झारखंड से आतंकी संगठनों का है कनेक्शन

ऐसा नहीं है कि झारखंड में आतंकी संगठनों का कनेक्शन नया है। यह लगभग 20 साल पुराना है। झारखंड में न केवल अलकायदा इन इंडियन सबकान्टिनेंट मॉड्यूल की एक्टिविटी रही है, बल्कि यहां से लश्कर-ए-तोएबा, आईएसआईएस, अलकायदा, सिम्मी, इंडियन मुजाहिद्दीन जैसे अंतरराष्ट्रीय स्तर के आतंकी संगठनों से जुड़े लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। हजारीबाग से गिरफ्तार फैजान अहमद को मास्टर माइंड डॉ. इश्तियाक ने ट्रेनर बनाया था। उसका काम था कि सेंटर में आने वाले युवकों को वह हथियार चलाने व बम बनाने का प्रशिक्षण देना। इसके लिए मॉड्यूल से जुड़े सभी संदिग्ध कई ग्रुप से भी जुड़े थे। इनमें कुछ सदस्य पाकिस्तान, अफगानिस्तान के भी थे।

छत्तीसगढ़ में 43 लाख के इनामी नौ नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

- सरेंडर करने वाले में दो महिलाएं भी शामिल
- प्रतिबंधित संगठन के भीतर जारी अंदरूनी कलह से निराश थे सभी नक्सली

SUKMA : शनिवार को छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में सुरक्षा बलों पर हमलों में कथित रूप से शामिल नौ कुख्यात नक्सलियों ने शनिवार को आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस ने इन नक्सलियों पर कुल 43 लाख रुपये का इनाम था। सुकमा के पुलिस अधीक्षक (एसपी) किरण चव्हाण के मुताबिक, दो महिलाओं समेत नौ नक्सलियों ने पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण किया। उन्होंने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सली खोखली और अमानवीय माओवादी विचारधारा तथा प्रतिबंधित संगठन के भीतर जारी अंदरूनी कलह से निराश हैं। आत्मसमर्पित में से दो नक्सली पर 08-08 लाख, चार नक्सली पर 05-05 लाख, एक महिला नक्सली पर तीन लाख एवं एक महिला व एक पुरुष नक्सली पर दो- दो लाख का इनाम घोषित है। चव्हाण के अनुसार, नक्सलियों की प्लाटून संख्या 24 के कमांडर रनसाई उर्फ ओयम बुस्का (34) और पीएलजीए बटालियन संख्या 1 की कंपनी विंग के सदस्य प्रदीप उर्फ रव्वा राकेश (20) पर आठ-आठ लाख रुपये का इनाम था। उन्होंने बताया कि चार अन्य नक्सलियों पर पांच-पांच लाख रुपये, एक महिला नक्सली पर तीन लाख रुपये और दो अन्य नक्सलियों पर दो-दो लाख रुपये का इनाम था।

गुरुजी का नाम ही काफी आदिवासी गरीब पिछड़ों के लिए यही हैं रत्न : हेमंत

PHOTON NEWS RANCHI : शनिवार को दिशोम गुरु शिबू सोरेन 81 वसंत देख चुके यानी 81 साल के हो चुके। मोरहाबादी आवास पर पूरे परिवार और कार्यकताओं के साथ 81 पाउंड का केक काट जन्मदिन मनाया गया। शिबू सोरेन की तबीयत ठीक नहीं है, इसलिए उन्होंने खुद केक नहीं काटा, बल्कि उनके पुत्र मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने केक काटा। इस मौके पर मीडिया से मुखातिब हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि आज का दिन राज्य के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। राज्य के आंदोलनकारी आदरणीय दिशोम गुरु 82 वर्ष के पड़ाव में कदम रख रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिबू सोरेन किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं और हम लोग उनके सिपाही हैं। हर साल की तरह इस साल भी हम सब पूरे उत्साह से दिशोम गुरु का जन्मदिन पूरे हर्षोल्लास के साथ मना रहे हैं। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि आज का दिन राज्य के लिए महत्वपूर्ण है। गुरुजी का नाम काफी है, आदिवासी गरीब पिछड़ों के लिए यही रत्न हैं।

81 साल के हुए दिशोम गुरु शिबू सोरेन
81 पाउंड का कटा केक

- तबीयत ठीक नहीं होने के कारण उनके पुत्र मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने काटा केक
- मोरहाबादी आवास में मना जन्मदिन का जश्न
- रघुवर दास ने भी उनसे मिलकर दी बधाई

बधाई देने वालों का लगा रहा तांता

जन्म दिन को लेकर मोरहाबादी स्थित उनके आवास पर जश्न का माहौल रहा। उनसे मिलने और बधाई देने वालों का तांता लगा रहा। ओडिशा के राज्यपाल का पद छोड़ भाजपा में शामिल हुए रघुवर दास भी उनके आवास पर पहुंचे और उन्हें बधाई दी। इसके साथ ही विधानसभा अध्यक्ष रबींद्रनाथ महतो ने भी उनसे मिल बधाई दी। शिबू सोरेन का जन्म वर्तमान रामगढ़ जिले के गोला प्रखंड के नेमरा में 11 जनवरी 1944 को हुआ। गांव के ही स्कूल से प्रारंभिक शिक्षा लिए दिशोम गुरु का जीवन संघर्षों भरा रहा है। महज 13 साल की उम्र के थे, जब उनके पिता की हत्या महाजनों ने कर दी। इसके बाद शिबू सोरेन ने पढ़ाई छोड़ दी। पिता की हत्या के बाद पढ़ाई छोड़ कर महाजनों के खिलाफ संघर्ष का फैसला किया।

नई सोच फैसलों में पारदर्शिता को लेकर और सख्त बनाए जाएंगे नियम

जीएम फसलों की पॉलिसी में सुधार से खुलेगा विकास का नया द्वार

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK : केंद्र की मोदी सरकार ने कृषि क्षेत्र में फसलों के उत्पादन और क्वालिटी को बढ़ाने के लिए कई कदम उठाए हैं। इस संदर्भ में अपनाई गई नीति में लगातार सुधार के बारे में भी सोचा जा रहा है। अनुवांशिक रूप से संशोधित (जीएम) फसलों से जुड़ी नीति के विवाद को हल करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। इस संदर्भ में अब नियमों को और कड़ा किया जाएगा। केंद्र सरकार की ओर से 31 दिसंबर 2024 को जारी एक नई अधिसूचना के मुताबिक जेनेटिक इंजीनियरिंग मूल्यांकन समिति (जीईएसी) के सदस्यों को अब अपने व्यक्तिगत या पेशेवर हितों की जानकारी देनी होगी। नोटिफिकेशन में यह स्पष्ट किया गया है कि अगर किसी सदस्य का किसी विचाराधीन मुद्दे से सीधे या परोक्ष रूप से संबंध है, तो उन्हें इस पर बात करने या इस पर फैसला देने से बचना होगा। इन नियमों का पालन करने के लिए समिति में शामिल होने वाले सदस्यों को लिखित रूप में यह बताना होगा कि उनका कोई हितों का टकराव है या नहीं।

किसी भी विवाद के अंतिम निपटारे में सभी पक्षों के विचारों को दिया जाएगा महत्व

स्टेकहोल्डर्स को आपत्ति और सुझाव देने के लिए दिया गया है दो माह का समय

किसी सदस्य का विचाराधीन मुद्दे से संबंध है, तो इस पर फैसला देने से बचना होगा

पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए बनाए गए नियमों से नहीं होगा समझौता	जीईएसी के सदस्यों को अब अपने व्यक्तिगत या पेशेवर हितों की देनी होगी जानकारी	31 दिसंबर 2024 को केंद्र सरकार की ओर से जारी किया जा चुका है नोटिफिकेशन

दायर याचिकाओं पर सख्त निगरानी की जरूरत

पहली बार 1989 में बनाए गए ये नियम आनुवंशिक रूप से संशोधित जीवों (जीएमओ) और खतरनाक सूक्ष्मजीवों के निर्माण, उपयोग, आयात, निर्यात और भंडारण को नियमित करते हैं। ये नियम पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए बनाए गए हैं। सरकार ने इन बदलावों पर आपत्ति और सुझाव देने के लिए जनता को 60 दिन का वक्त दिया है। बता दें कि बीते साल जुलाई में सुप्रीम कोर्ट ने सरकार की जीएम सरसों को मंजूरी देने के खिलाफ दायर की गई याचिकाओं पर ऐसे मामलों में सख्त निगरानी की जरूरत पर बल दिया। जीएम फसलों की लागत अधिक होती है, क्योंकि इसके लिए हर बार नया बीज खरीदना पड़ता है।

क्या है जीएम फसल

नए वैज्ञानिक और तकनीकी युग में अब जेनेटिक इजीनियरिंग के माध्यम से किसी भी जीव या पौधे के जीन को अन्य पौधों में डालकर एक नई फसल प्रजाति विकसित की जाती। जीएम फसल उन फसलों को कहा जाता है, जिनके जीन को वैज्ञानिक तरीके से रूपांतरित किया जाता है। जीएम फसलों का बीज साधारण बीज से कहीं अधिक उत्पादकता प्रदान करता है। इससे कृषि क्षेत्र की कई समस्याएं दूर हो सकती हैं और फसल उत्पादन का स्तर सुधरेगा। जीएम फसलें सूखा-रोधी और बाढ़-रोधी होने के साथ कीट प्रतिरोधी भी होती हैं।

अब तक 11 लोगों की जा चुकी है जान

4 दिन बाद भी नहीं बुझी कैलिफोर्निया में लगी आग

AGENCY NEW DELHI : 4 दिन बाद भी शनिवार तक अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य में लगी आग नहीं बुझ सकी है। इसमें अब तक 11 लोगों की मौत हो चुकी है। राष्ट्रपति जो बाइडेन का कहना है कि अभी भी बहुत से लोग लापता हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, लॉस एंजिलिस (एलए) में लगी आग से अब तक करीब 4.30 लाख करोड़ रुपये के नुकसान का अनुमान लगाया गया है। यहां पर आग को कुछ हद तक काबू तो किया गया है, लेकिन एक्सपर्ट्स को डर है कि वीकेंड में फिर से तेज हवाएं चल सकती हैं।

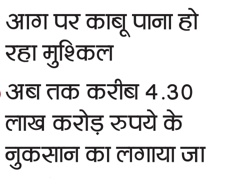

- तेज हवाओं के कारण आग पर काबू पाना हो रहा मुश्किल
- अब तक करीब 4.30 लाख करोड़ रुपये के नुकसान का लगाया जा रहा अनुमान
- कई हॉलीवुड सेलेब्रिटीज के जल गए आवास, उप-राष्ट्रपति कमला हैरिस का खाली कराया गया घर

'अरब सागर की रानी' कोच्चि की अविस्मरणीय यात्रा

घुमक्कड़ की पाती

किसी ने अपने गृह राज्य के किस्से सुनाए, तो किसी ने खाने के शौक के बारे में बात की। जैसे-जैसे ट्रेन दक्षिण भारत की ओर बढ़ रही थी, खिड़की से बाहर का दृश्य बदल रहा था। उत्तर भारत की धुंधली सर्दियों से निकलकर मैं मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र की हरियाली और अंत में कर्नाटक के घने जंगलों के करीब पहुंचा। हर स्टेशन पर ट्रेन रुकती और मैंने वहाँ के स्थानीय व्यंजनों का स्वाद लिया। तीन दिन की यात्रा के बाद मैं कोच्चि के एनार्कुलम जंक्शन स्टेशन पर पहुंचा। ट्रेन से उतरते ही हवा में हल्की नमी और समुद्र की गंध का एहसास हुआ। कोच्चि का मौसम दिल्ली से बिलकुल अलग था - न अधिक गर्म, न ठंडा, बस एक आरामदायक वातावरण।

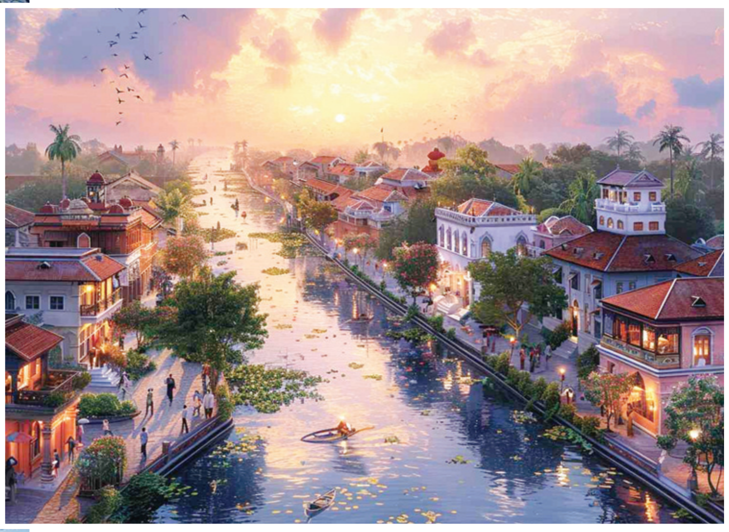

संजय शेफर्ड
नई दिल्ली

दिल्ली से कोच्चि की यात्रा ने मेरे जीवन में एक नई ऊर्जा और अनुभवों की झलक भरी। यह यात्रा केवल स्थान बदलने का साधन नहीं थी, बल्कि एक आत्मिक यात्रा भी थी। मेरी इस यात्रा की शुरूआत दिल्ली से हुई, मैं अपने सामान के साथ सुबह-सुबह नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पहुंचा। सर्दियों की हल्की ठंड और स्टेशन की हलचल ने मुझे सफर के लिए रोमांचित कर दिया। मेरा टिकट राजधानी एक्सप्रेस का था, जो दिल्ली से सीधे कोच्चि तक जाने वाली ट्रेन है। ट्रेन के डिब्बे में कदम रखते ही सफर की शुरूआत का अहसास हुआ। यह ट्रेन का सफर अपने आप में बेहद खास था। मेरे डिब्बे में कई अलग-अलग राज्यों के लोग सफर कर रहे थे। मैंने अपने सहयात्रियों से बातचीत शुरू की और जल्द ही हम सब एक परिवार की तरह महसूस करने लगे।

किसी ने अपने गृह राज्य के किस्से सुनाए, तो किसी ने खाने के शौक के बारे में बात की। जैसे-जैसे ट्रेन दक्षिण भारत की ओर बढ़ रही थी, खिड़की से बाहर का दृश्य बदल रहा था। उत्तर भारत की धुंधली सर्दियों से निकलकर मैं मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र की हरियाली और अंत में कर्नाटक के घने जंगलों के करीब पहुंचा। हर स्टेशन पर ट्रेन रुकती और मैंने वहाँ के स्थानीय व्यंजनों का स्वाद लिया। तीन दिन की यात्रा के बाद मैं कोच्चि के एनार्कुलम जंक्शन स्टेशन पर पहुंचा। ट्रेन से उतरते ही हवा में हल्की नमी और समुद्र की गंध का एहसास हुआ। कोच्चि का मौसम दिल्ली से बिलकुल अलग था - न अधिक गर्म, न ठंडा, बस एक आरामदायक वातावरण।

स्टेशन से बाहर निकलते ही मैंने ऑटो लिया और फोर्ट कोच्चि की ओर निकल पड़ा। रास्ते में नारियल के पेड़, साफ-सुथरी सड़कें और जगह-जगह बैकवाटर के दृश्य मुझे मंत्रमुग्ध कर रहे थे। फोर्ट कोच्चि पहुंचकर मैंने सबसे पहले वहाँ के प्रसिद्ध चीनी मछली जाल देखे। स्थानीय मछुआरों को मछली पकड़ते देखना अपने आप में एक अद्भुत अनुभव था। मैंने एक होमस्टे में ठहरने का निर्णय लिया, जहाँ मुझे कोच्चि की संस्कृति को करीब से जानने का मौका मिला। कोच्चि में मेरे अनुभवों में सबसे खास थे यहूदी सिंनागॉग, सेंट फ्रांसिस चर्च और डच पैलेस की यात्राएँ।

यहूदी सिंनागॉग, जिसे परदेशी सिनेगॉग भी कहा जाता है कोच्चि की सबसे पुरानी धार्मिक संरचनाओं में से एक है। 1568 में निर्मित यह स्थल यहूदी समुदाय की प्राचीन संस्कृति का प्रतीक है। सिंनागॉग पहुँचने पर मुझे सबसे पहले इसके शांत वातावरण ने आकर्षित किया। अंदरूनी भाग में प्रवेश करते ही मैंने चारों ओर खूबसूरत चीनी टाइल्स देखीं, जो हाथ से बनाई गई थीं और हर टाइल अनोखी थी। छत पर लगे झूमर और दीवारों पर लिखी हिब्रू लिपियाँ इस स्थान को ऐतिहासिक और आध्यात्मिक रूप से समृद्ध बनाती हैं। यहाँ की पवित्रता और इतिहास को महसूस करते हुए मैंने इस समुदाय की संघर्ष और सफलता की कहानियों को समझा। यह यात्रा सचमुच मेरे लिए बहुत ही लाजवाब थी।

यहूदी सिंनागॉग देखने के बाद मेरा मन सेंट फ्रांसिस चर्च देखने का था, जो कोच्चि के सबसे पुराने यूरोपीय चर्चों में से एक है। यह चर्च भारत में पुर्तगाली प्रभाव का एक प्रमुख उदाहरण है। चर्च के अंदर प्रवेश करते ही मुझे लकड़ी की पुरानी छत और दीवारों पर पुर्तगाली सैनिकों की कब्रें देखने को मिलीं। इस चर्च की सबसे खास बात यह है कि यह वास्को डी गामा की पहली समाधि स्थल भी था। चर्च के शांत और आध्यात्मिक वातावरण ने मुझे अंदर तक प्रभावित किया। मैंने वास्को डी गामा की समाधि स्थल पर कुछ समय बिताया और डच पैलेस की तरफ रुख किया, जो मेरी यात्रा का अगला गंतव्य था।

डच पैलेस, जिसे मट्टनचेरी पैलेस के नाम से भी जाना जाता है, कोच्चि के शाही इतिहास का प्रतीक है। यह पैलेस कोचीन के राजा द्वारा पुर्तगालियों से प्राप्त किया गया था और बाद में डचों ने इसे पुनर्निर्मित किया। पैलेस के अंदर मैंने वहाँ के भित्तिचित्रों को देखा, जो रामायण और महाभारत के दृश्यों को चित्रित करते हैं। यहाँ का हर कोना कला और इतिहास की अद्भुत प्रस्तुति करता है। मैंने वहाँ संग्रहालय भी देखा, जिसमें पुराने हथियार, वस्त्र और राजाओं के उपयोग की वस्तुएँ प्रदर्शित थीं।

इन सबके अलावा मेरे पास दो दिन का समय शेष था, जिसमें मैंने मराइना ड्राइव, वायपीन द्वीप, केरल बैकवाटर, लुलु मॉल और चेराई द्वीप देखने का प्लान बनाया। मराइना ड्राइव भी कोच्चि का एक प्रसिद्ध स्थल है, जहाँ स्थानीय लोग और पर्यटक सैर करने आते हैं। अरब सागर के किनारे स्थित यह स्थान सूरज ढलने के समय विशेष रूप से खूबसूरत लगता है। यहाँ मैंने समुद्र की लहरों की आवाज का आनंद लिया और नारियल पानी पीते हुए कुछ समय बिताया। मराइना ड्राइव का शांत माहौल और समुद्री हवा ने मुझे इस स्थान से जोड़ दिया।

हाउसबोट और लजीज व्यंजन

कोच्चि के पास स्थित बैकवाटर का अनुभव मेरे सफर का मुख्य आकर्षण था। मैंने एक हाउसबोट किराए पर ली और वहाँ के शांत पानी और हरे-भरे नजारों का आनंद लिया। हाउसबोट की धीमी गति से चलते हुए मैं बैकवाटर के किनारे बसे छोटे-छोटे घरों और धान के खेतों को देखता रहा। रास्ते में मैंने पक्षियों को करीब से देखा और कुछ स्थानीय व्यंजन भी चखे। बैकवाटर की सवारी ने मुझे प्रकृति के साथ जुड़ने का अवसर दिया।

केरल के मसाले

`लुलु मॉल भारत के सबसे बड़े मॉल्स में से एक होने के नाते कोच्चि का प्रमुख आकर्षण है। यहाँ खरीदारी करना और विभिन्न व्यंजनों का स्वाद लेना अपने आप में एक अनोखा अनुभव था। मैंने यहाँ से कुछ स्थानीय हस्तशिल्प खरीदे और केरला के खास मसालों का भी संग्रह किया। मॉल में मौजूद आधुनिक सुविधाएँ और मनोरंजन के साधन इसे एक परफेक्ट स्थान बनाते हैं।

वायपीन द्वीप में फेरी की सवारी

वायपीन द्वीप कोच्चि से थोड़ी दूरी पर स्थित एक सुंदर द्वीप है। मैंने यहाँ तक पहुँचने के लिए मैंने फेरी की सवारी की, जो अपने आप में एक अलग अनुभव था। फेरी से यात्रा करते समय समुद्र के नीले पानी और नारियल के पेड़ों के झुरमुट ने मन को ताजगी दी। द्वीप पर मौजूद छोटे-छोटे गाँव, समुद्र तट और शांत वातावरण ने मुझे बहुत प्रभावित किया। इसकी स्मृति अभी भी मेरे पास है।

समुद्र की रेत पर चलने का आनंद

इतना कुछ देखने और जानने के बाद हमें थोड़ा सकून चाहिए था, जो हमें चेराई बीच पर जाकर मिला। यह कोच्चि से थोड़ी दूरी पर स्थित एक अद्भुत समुद्र तट है। मैंने यहाँ समुद्र की लहरों का आनंद लिया और शाम के समय सूरज डूबने का दृश्य देखा। सूरज की सुनहरी किरणें जब पानी पर पड़ती हैं तो वह दृश्य बेहद मनमोहक लगता है। समुद्र तट की रेत पर चलने का अनुभव और स्थानीय मछुआरों से बातचीत करना मेरे लिए खास रहा।

समुद्री भोजन का भी उठाया लुत्फ

मैंने वहाँ के ताजे समुद्री भोजन का भी लुत्फ उठाया और देर रात को ट्रेन पकड़कर वापस दिल्ली आ गया। लेकिन, कोच्चि अभी भी हमारी स्मृतियों में बसा है, यह आगे भी हमारी स्मृतियों में ही रहेगा। इस जगह की यात्रा करना सचमुच बहुत ही खूबसूरत और खास अनुभव है।

सविता सिंह मीरा
जमशेदपुर

मेरी साँसों में तुम

बसूँ साँसों में तेरी सदा राधा जैसी,
हरे तू विघ्न मेरा दीवानी मीरा सम,
है ये चाहत की रुक्मणी ही बनूँ तेरी,
नहीं चाहूँ कभी मैं वर छलिया मोहन
सम।

मेरे नागर तुझ पर ही सब है वार
दिया,
मोहन तुमने तो कितनों को है तार
दिया,
माना धरती सम गोविन्द मुझ में है
धैर्य बड़ा
और काया से तुमने मुझको इक नार
किया।

तेरी साँसों में कोई और बसे कैसे
सहूँ,
तू किसी और को बाँहों में कसे कैसे
सहूँ,
इससे बेहतर है कि बन जाऊँ जोगन
मीरा,
और दुनिया की गरल यूँ सदा पीती
रहूँ।

SCAN ME

1. हमें अपना फीडबैक, सुझाव या टिप्पणियां देने के लिए दिए गए बार कोड को स्कैन करें या मेल करें।
2. आप हमें अपनी रचनाएं, कविता या आलेख भी भेज सकते हैं। जिसे हम अपने आने वाले अंक पर प्रकाशित करेंगे।

Email- thephotonnewsjharkhand@gmail.com

व्यंग्य ■ बर्बरीक

'प्रयोगशाला से प्रेमपत्र'

दिलीप कुमार

तो देवियों और सज्जनों। मसला-ए-खास यह है कि हिंदी माध्यम से पढ़े विद्यार्थी को विज्ञान संकाय में साथ पढ़ रही एक लड़की से प्रयोगशाला में ही प्रेम हो जाता है। प्रेम जाति-धर्म, स्थान और भाषा की वर्जनाएं नहीं मानता। तो प्रेम में आतुर विज्ञान के होनहार छात्र ने अपनी प्रेयसी को पत्र लिखा जो कि यूँ शाया हुआ है।

हे मेरे हृदय के प्रयोगशाला की मैडम क्यूरी.....। मेरे मन और जीवन का सबसे बड़ा नोबेल पुरस्कार तो तुम्ही हो। तुमसे मिलना मेरे लिये 'रॉयल साइंटिफिक सोसाइटी' की मानद सदस्यता प्राप्त करने जैसा है। ये प्रेम पत्र नहीं, बल्कि मेरे बरसों की कठिन अध्ययन, अन्वेषण एवं विज्ञान साधना के पश्चात लिखी प्रेम की पीयचडी के थीसिस के समान है। जिस प्रकार मरुस्थलीय भूमि पर कहीं-कहीं हरियाली पाए जाने पर वह जगह नखलिस्तान कही जाती है उसी प्रकार तुम्हारी एंजाइम की भांति उपस्थिति से मेरे नीरस और न्यूट्रॉन की भांति उदासीन जीवन में आइंस्टीन का सापेक्षवाद प्रेम बनकर भर गया है और तुम्हारे आकर्षण के जाइलम से मैं प्रेम वेदना से भर गया हूँ। तुम्हारे सापेक्ष मैं उसी भांति आकर्षित हूँ जिस प्रकार चुम्बक सदैव लौह धातु पर आकर्षित रहता है। डार्विन की खोज की तरह अगणित वर्षों से जिस मृगनयनी का मैं अन्वेषण कर रहा था, वह मुझे मिली भी तो प्रयोगशाला में। मेरे डीएनए में मौजूद एक्स गुणसूत्र ने कितने वाई गुणसूत्र पर प्रेम विकिरण प्रसारित करने के अगणित प्रयास किये। परन्तु केकुले के बेंजीन संरचना की स्वप्न वाली सर्पनुमा परिकल्पना मेरे जीवन में यथार्थ रूप से तब उतरी, जब तुम्हारे नागिन जैसे केशों ने अनजाने में मेरे वस्त्रों को छुआ। जिस तरह पेड़ से गिरते हुए सेब को देखकर न्यूटन को कालजयी विचार सूझे थे, उसी तरह कंधे से नीचे झूल कर गिर रहे केशों ने जब मेरी कमीज को स्पर्श किया तो मेरे आवेश रहित न्यूट्रॉन टाइप जीवन में अल्फा, बीटा एवं गामा के विकिरण का संचार हो उठा। तब मेरे शरीर के करीब 6 लीटर खून में तुम्हारे सौंदर्य का आकर्षण शिराओं से होकर मन मस्तिष्क में विराजमान हो गया। हे चित्तहरणी, बस तभी से ही तुम्हारे लंबे केशों, मोहक नेत्रों के सम्मोहक विकिरण से मेरे रक्त का चाप बहुत बढ़ा रहता है। मेरे नेत्र तुम्हारी हरियाली भरी उपस्थिति को तब तक अवशोषित करते रहते हैं, जब तक मेरे मन में प्रेम के प्रकाश संश्लेषण से सब हरा-भरा और बाग-बाग यानी ग्रीन और गार्डन-गार्डन नहीं हो जाता। यह मन के मिलन की उर्वरा भूमि पर प्रेम के संश्लेषण की प्रक्रिया तब से शुरू हुई, जब से मैंने रसायन शास्त्र की वास्तविक प्रयोगशाला में स्वतः स्फूर्त शारीरिक क्रिया की असली प्रयोगशाला में अनजाने में तुम्हारी परखनली जैसी पतली नाजुक उंगलियों को स्पर्श भी कर लिया था, परखनली माँगने के बहाने। बस तभी से तुम्हारे दी गई खाली परखनली को अपनी किताबों के बीच गुलाब के फूलों की तरह सहेज कर रखा है। उसी खाली और सूनी परखनली की तरह मेरे दिन और रात सूनेपन से भर गए हैं। मेरे हृदय के दो आलिंद और एक निलय में लगातार बहुत सी रासायनिक और भौतिक प्रक्रियाएं हो रही हैं। बस तभी से तुम्हारे प्रेम के सृजन का रसायन निरन्तर द्रवित होता रहता है। तुम्हारे प्रेम से जुड़ी मेरी भौतिक क्रियाएं यह हैं कि मैं जीवित हूँ और रासायनिक क्रिया यह है कि मैं तुम्हारे बिना जी नहीं सकता। यानी मेरी करीब 1600 क्यूबिक सेमी की क्षमता और 130 आईक्यू वाले दिमाग ने प्रेम के रसायन के स्थायी परिवर्तन को ग्रहण कर लिया है। तुमसे प्रेम एक ऐसी रासायनिक प्रक्रिया है, जिसमें मेरा मन पूर्व की भांति भौतिक अवस्था में वापस नहीं आ सकता। तुम्हारी कार्बन जैसी काली आंखें, लाल लिटमस पत्र जैसे होंठ, शंकु के आकार की नाक और कैल्शियम जैसी दांतों के चुम्बकीय प्रभाव से मेरे आसपास प्रेम व आकर्षण का एक वृहत विद्युत क्षेत्र बन गया है, जिससे मेरे शरीर की इश्क रूपी कोशिकायें तुम्हारे प्रति जबरदस्त रूप से आवेशित हो गई हैं।

सो हे प्राण प्रिये, विपरीत ध्रुव तो वैसे भी एक-दूसरे को आकर्षित करते ही रहे हैं। इसीलिये तुम्हारे शरीर से निकलने वाली सुगंधित असमांगी मिश्रण वाली गैसें मेरे मन मस्तिष्क में प्रेम रूपी द्रव्य का संचार करती हैं और यही एक ठोस वजह है, जिससे मेरे हृदय की धमनियों में प्यार की ध्वनि तरंगें प्रवाहित होकर द्रव के समान तरल हो रही हैं। तथापि कभी-कभार तुम्हारे विरह की वेदना मेरी आँखों की रेटिना से सोडियम के साल्ट युक्त द्रव का भी रिसाव करती है, जो प्रेम की विरह वेदना के मेरे मस्तिष्क में संघनित होने के परिणामस्वरूप होती है। न्यूटन का तीसरा नियम, जो क्रिया के प्रतिक्रिया पर आधारित है। क्या वह मेरे एक्शन पर बराबर रिएक्शन नहीं कर रहा है? क्या तुम्हारे मन की पीरियोडिक टेबल में मेरे नाम का कोई भी रासायनिक पदार्थ नहीं है। हे प्राणप्रिये, प्रत्येक क्रिया के बराबर एक विपरीत प्रतिक्रिया तो होती ही है। फिर आर्किमिडीज के सिद्धांत की भांति मेरे प्रेम की नाव आगे क्यों नहीं बढ़ रही है?

मेरा मतलब है कि एक दिन तुम्हारें इन न्यूट्रॉन की भांति उदासीन प्रेम के अणुओं को मेरे प्रेम से आवेशित परमाणु अवश्य ही प्रेम का बल लगाकर अल्प समय में ही हमारे तुम्हारे बीच की लंबी प्रकाश वर्ष के भांति की दूरी को कम कर लेंगे। मेरा यही प्रेम तुम्हें कठोरता से द्रव्यता की ओर विस्थापित करेगा और हम एक दिन हम अवश्य ही दो जिप्सम एक सॉलिड जान बनेंगें।

हे विज्ञान की छात्रा, मैं हर हाल में तुम्हारे मन मस्तिष्क के सफेद लिटमस पत्र को अपने प्रेम के प्रकाश के परावर्तन से नीला करके ही दम लूंगा, भले ही मेरे जीवन की प्रकाश संश्लेषण क्रिया बंद हो जाए। सिर्फ तुम्हारे दिल के केन्द्रक का ऊर्जा का केंद्र तुम्हारा....आइंस्टीन प्रसाद (कक्षा में तुम्हारी सीट के ठीक दो सीट पीछे बैठने वाला)

BRIEF NEWS

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने केक काटकर मनाया जन्मदिन

RANCHI : भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने शनिवार को पार्टी कार्यकताओं और परिवार के साथ केक काटकर जन्मदिन मनाया। मरांडी ने समर्थकों और पार्टी नेताओं की शुभकामनाएं स्वीकार करते हुए सभी के प्रति आभार जताया। मरांडी को सोशल मीडिया पर कई नेताओं ने जन्मदिन की बधाई दी है। साथ ही बैनर पोस्टर के जरिये भी जगह-जगह उन्हें बधाई दी गयी है। उल्लेखनीय है कि गिरिडीह के कोदाईबांक गांव में 11 जनवरी, 1958 को जन्मे बाबूलाल मरांडी वर्तमान में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हैं और राजधनवार से विधायक हैं।

डीसी ने गणतंत्र दिवस की तैयारियों को ले की मीटिंग

RANCHI : उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने मोरहाबादी मैदान में गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर शनिवार को समाहरणालय सभागार में बैठक की। इस दौरान उन्होंने गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों और सफल संचालन को लेकर विचार-विमर्श किया। साथ ही संबंधित पदाधिकारियों को कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उपायुक्त ने कार्यपालक अभियंता भवन प्रमंडल-1 को मैदान के दोनों ओर वाटरप्रूफ पण्डाल, गैलरी, कुर्सी की व्यवस्था, मैदान समतलीकरण, बैरिकेडिंग, स्टेज एवं साउंड बॉक्स के लिए टॉवर निर्माण की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने जिला नजारत उपसमाहर्त्ता को मंच के दोनों तरफ वाटरप्रूफ पंडाल, मंच पर वीवीआईपी के बैठने की व्यवस्था, मिनट-टू-मिनट कार्यक्रम, परेड में शामिल कैडेटों के लिए अल्पाहार एवं पुष्प सज्जा की व्यवस्था आदि से संबंधित तैयारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

देश के इतिहास में महिलाओं का योगदान अद्वितीय : गवर्नर

RANCHI : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि देश के इतिहास में महिलाओं का योगदान अद्वितीय और प्रेरणादायक रहा है। उन्होंने कहा कि सावित्रीबाई फुले, रानी लक्ष्मीबाई और झारखंड की वीर नायिकाएं, जैसे फूलो-झानो, इस बात के प्रतीक हैं कि महिलाओं ने हमेशा समाज को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। राज्यपाल शनिवार को रांची विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में आयोजित भारतीय इतिहास लेखन में महिला विमर्श विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन का शुभारंभ करने के बाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल ने कहा कि इन महान महिलाओं के योगदान को इतिहास में उचित स्थान दिलाना हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने यह भी कहा कि आधुनिक महिला इतिहासकार इस दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास कर रही हैं और महिलाओं की भूमिका को नए दृष्टिकोण के साथ प्रस्तुत कर रही हैं। यह न केवल इतिहास लेखन को समृद्ध करता है, बल्कि समाज के समग्र विकास में सहायक भी है।

अलबर्ट एक्का चौक पर 100 डेसिबल से अधिक रिकार्ड किया गया साउंड

शहर में हॉस्पिटलों के पास लगातार हो रहा सर्वाधिक शोर, कोई नहीं देखने वाला

VIVEK SHARMA@RANCHI : वायु प्रदूषण और जल प्रदूषण की समस्या तो दिन पर दिन बढ़ती ही जा रही है, इस बीच शहर में साउंड पॉल्यूशन का संकट भी गहराता जा रहा है। इसका असर लोगों की सेहत पर पड़ रहा है। यह शोर अब हॉस्पिटल में इलाज कराने वाले मरीजों के लिए परेशानी बनता जा रहा है। आस-पास का शोर से मरीजों के सामने गंभीर समस्याएं खड़ी हो गई हैं। इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि सदर हॉस्पिटल के पास ही सबसे ज्यादा साउंड पॉल्यूशन हो रहा है। लेकिन, इसकी मॉनिटरिंग करने वाले जिम्मेदारों को यह दिखाई नहीं दे रहा है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि शहर में साउंड पॉल्यूशन पर रोक कौन लगाएगा। हाईकोर्ट ने इसे सख्ती से शहर में लागू कराने का भी आदेश दिया था। इसके बावजूद धड़ल्ले से हाई बेस वाले लाउड स्पीकर का इस्तेमाल किया जा रहा है। राजधानी के अल्बर्ट एक्का चौक पर शनिवार को साउंड पॉल्यूशन का लेवल 100 डेसिबल से ज्यादा था, जो कि निर्धारित मानक से कई गुना अधिक है। सरकारी नियमों के अनुसार, हॉस्पिटलों और शैक्षणिक संस्थानों के आसपास 50 डेसिबल से ज्यादा साउंड नहीं होना चाहिए। लेकिन, वर्तमान स्थिति यह है कि अगर यह समस्या समय रहते हल नहीं हुई, तो आने वाले दिनों में यह और भी गंभीर हो सकती है।

मॉनिटरिंग करने वाले जिम्मेदारों की नाक के नीचे हो रहे कार्यक्रम

अस्पतालों और शैक्षणिक संस्थानों के पास मानक

हाई कोर्ट, डिस्ट्रिक्ट कोर्ट, शैक्षणिक संस्थानों, हॉस्पिटल, प्रोजेक्ट भवन, नेपाल हाउस और अन्य संवेदनशील क्षेत्रों की 100 मीटर परिधि में ध्वनि उत्सर्जन के मानक निर्धारित किए गए हैं। इसके तहत सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक 50 डेसीबल और रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक 40 डेसिबल तक निर्धारित हैं। इसके अलावा औद्योगिक क्षेत्र में ध्वनि उत्सर्जन मानक सुबह 6 बजे से रात्रि 10 बजे तक 75 डेसीबेल रहेगा और रात्रि 10 बजे से सुबह 6 बजे तक 70 डेसिबल निर्धारित है। वहीं व्यावसायिक क्षेत्र में ध्वनि उत्सर्जन सुबह 6 बजे से रात्रि 10 बजे तक 65 डेसिबल और रात्रि 10 बजे से सुबह 6 बजे तक 55 डेसिबल निर्धारित है। आवासीय क्षेत्र में ध्वनि उत्सर्जन का मानक 6 बजे से रात्रि 10 बजे तक 55 डेसिबल और रात्रि 10 बजे से सुबह 6 बजे तक 45 डेसिबल निर्धारित है।

- साउंड पॉल्यूशन कम करने के लिए जल्द से जल्द कारगर कदम उठाना जरूरी
- ध्वनि प्रदूषण से हार्ट अटैक और उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियों का बढ़ जाता खतरा

सड़कों के किनारे हैं बड़े हॉस्पिटल

शहर में अधिकतर बड़े हॉस्पिटल सड़कों के किनारे स्थित हैं, जहां गाड़ियों का शोर मरीजों के लिए परेशानी का कारण बन रहा है। इसके अलावा त्योहारों के दौरान लाउड स्पीकर से होने वाला शोर और भी ज्यादा कष्टकारी हो जाता है, जिससे मरीजों की हालत और भी खराब हो जाती है। कई मरीज विशेषकर दिल की बीमारियों से ग्रस्त तेज आवाज से बहुत ज्यादा प्रभावित होते हैं। कार्डियोलॉजिस्ट की मानें तो मरीजों को और अधिक मानसिक व शारीरिक तनाव का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा साउंड पॉल्यूशन से हार्ट अटैक और उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियों का खतरा भी बढ़ सकता है।

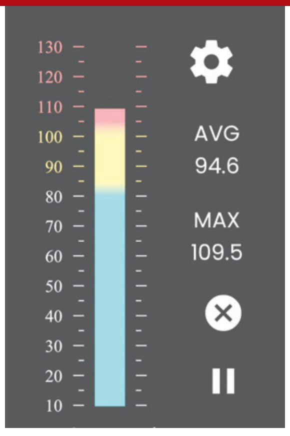

साइलेंट जोन बनाने का था आदेश

तत्कालीन हेल्थ सेक्रेटरी डॉ. नितिन मदन कुलकर्णी ने झारखंड स्टेट पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड को पत्र लिखकर हॉस्पिटलों के आसपास साइलेंट जोन बनाने का आदेश दिया था। इस आदेश के तहत हॉस्पिटलों के 200 मीटर के दायरे में किसी भी प्रकार के लाउड स्पीकर के उपयोग पर रोक लगाने को कहा था। इसके साथ ही गाड़ियों के शोर को भी नियंत्रित करने के लिए उपाय करने का निर्देश दिया था। लेकिन, आज तक इसपर गंभीरता से काम नहीं किया गया।

एक्ट के तहत कार्रवाई का है प्रावधान

साउंड पॉल्यूशन को अपराध माना जाता है और इसके उल्लंघन पर सजा के साथ जुमार्ना हो सकता है। इसके अतिरिक्त पर्यावरण सुरक्षा नियम के तहत भी हॉस्पिटल और शैक्षणिक संस्थानों के आसपास अधिक साउंड पॉल्यूशन पर कड़ी सजा का प्रावधान है। इसे लेकर 2019 में अपर बाजार के सोशल एक्टिविस्ट ज्योति शर्मा ने उपायुक्त से शिकायत की थी। इसमें उन्होंने सदर हॉस्पिटल के बाहर एक्टिविटी को लेकर भी सवाल उठाए थे। उन्होंने बताया था कि अलबर्ट एक्का चौक पर आए दिन कल्चरल और पॉलिटिकल एक्टिविटी का आयोजन किया जाता रहता है। इससे हमेशा साउंड पॉल्ययूशन होता है। इस पर गंभीरता से एक्शन लेने की जरूरत है। इसके बावजूद आज तक वहां पर बड़े आयोजन किए जाते है। वहीं लाउड स्पीकर का शोर कम ही नहीं हो रहा है।

श्याम बाबा को श्रद्धालुओं ने लगाया चूरमा का भोग

RANCHI : शनिवार को श्री श्याम मंडल रांची ने अग्रसेन पथ स्थित श्री श्याम मंदिर में कार्तिक द्वादशी के अवसर पर खीर चूरमा का भोग अर्पित किया। भोग के मुख्य यजमान वेद प्रकाश बागला ने परिवार के साथ बाबा को भोग अर्पित किया। कार्यक्रम में मंडल के अध्यक्ष चंद्रप्रकाश बागला, मंत्री धीरज बंका के साथ बागला परिवार ने गणेश पूजन और वीर बजरंगबली, शिव परिवार का पूजन किया। इस दौरान भक्तगण कतारबद्ध होकर भोग प्राप्त कर रहे थे। वहीं मंडल के कार्यकताओं ने शुद्ध जल वितरण किया। 300 से अधिक भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। अयोध्या राम मंदिर के पहले स्थापना दिवस पर दीपोत्सव भी मनाया गया। इसके साथ ही सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ और संकीर्तन का आयोजन हुआ। कार्यक्रम को सफल बनाने में सदस्यों का योगदान रहा।

झारखंड में मकर संक्रांति के बाद ही मिलेगी ठंड से कुछ राहत

PHOTON NEWS RANCHI : शनिवार को भी राजधानी रांची सहित झारखंड के अन्य इलाकों में ठंड का सितम जारी रहा। अब मकर संक्रांति के बाद ही कड़ाके की ठंड से राहत मिलने की उम्मीद है। मौसम विभाग की मानें तो इस स्थिति से फिलहाल राहत नहीं मिलेगी। सुबह में कोहरा और दिन में कनकनी का एहसास जारी रहेगा। अगले कुछ दिनों तक सुबह में कोहरा छाया रहेगा। इसके बाद दिन में आंशिक बादल छाए रहेंगे। इससे ज्यादा ठंड महसूस होगी। अगले चार दिनों तक सुबह में कोहरा छाया रहेगा। 12, 13 और 14 जनवरी को आसमान में बादल छाए रहने की संभावना जताई गई है। 16 जनवरी से

कंपाने वाली ठंड से राहत मिलने की उम्मीद है। इस बीच राज्य के गुमला में न्यूनतम तापमान 3.7 डिग्री दर्ज किया गया। उच्चतम तापमान में सरायकेला में 27.6 डिग्री रहा। राजधानी रांची की बात करें तो यहां का न्यूनतम तापमान 7.6 डिग्री रिकार्ड किया गया। अधिकतम तापमान 23.0 डिग्री रहा। मौसम केंद्र के अनुसार, राज्य में अगले कुछ दिनों में न्यूनतम तापमान में 2-4 डिग्री की बढ़ोतरी होने की संभावना है। इस दौरान ठंडी हवाओं का सामना लोगों को करना पड़ेगा।

जनजीवन अस्त-व्यस्त

ठंडी हवाएं लोगों की परेशानी बढ़ा रही है। ठंड के कारण जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। शाम ढलते ही लोग घरों में दुबक जा रहे है। सड़कों पर सन्नाटा पसरा है। वहीं डॉक्टर भी लोगों को इस ठंड में बचने की सलाह दे रहे है। चूंकि दोपहर में अचानक से लोगों को गर्मी का एहसास हो रहा है। कुछ पल के लिए इस गर्मी के कारण लोग गर्म कपड़ों का इस्तेमाल नहीं कर रहे है। इसके बाद कनकनी वाली हवा चल रही है।

पेट्रोलियम पदार्थों के अवैध भंडारण के खिलाफ दर्ज की गई एफआईआर

RANCHI : शनिवार को जिला प्रशासन ने पेट्रोलियम पदार्थों में मिलावट और अवैध भंडारण के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई की है। उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री के निर्देश पर जिला प्रशासन की टीम ने बालालौंग क्षेत्र में छापा मारा। उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि यहां पेट्रोलियम पदार्थों की चोरी की जा रही है और मिलावट के साथ ही अवैध भंडारण किया जा रहा है। इसके बाद टीम ने जांच करते हुए कार्रवाई में 4200 लीटर पेट्रोल, 250 लीटर डीजल और लगभग 13 लीटर स्प्रिट बरामद किया गया। इस दौरान जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रदीप भगत और प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी नगड़ी विवेक कुमार भी मौजूद थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपियों मोसाहिद मंसूरी और तौसिफ रजा के खिलाफ विधानसभा थाने में एफआईआर दर्ज की गई है।

राज्य में स्वास्थ्य क्षेत्र को बेहतर बनाने में सहयोग करें डॉक्टर : इरफान अंसारी

PHOTON NEWS RANCHI : शनिवार को झारखंड में पहली बार राज्यस्तरीय दंत सम्मेलन का आयोजन आईएमए हॉल में किया गया। इसमें स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। इस सम्मेलन में करीब 150 दंत चिकित्सा पदाधिकारी और 20 डेंटल हाइजेनिस्ट्स ने भाग लिया। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में स्वास्थ्य क्षेत्र में व्यापक बदलाव देखने को मिलेगा। जल्द ही रिम्स-2 का निर्माण होगा। उन्होंने स्वास्थ्य क्षेत्र को बेहतर बनाने के लिए डॉक्टरों का समर्थन और सहयोग मांगा। उन्होंने यह भी कहा कि झारखंड के हर नागरिक तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना

दंत चिकित्सकों के साथ स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी। ● फोटोन न्यूज

हमारी प्राथमिकता है। साथ ही कहा कि दंत चिकित्सकों की भूमिका इसमें अहम है। मंत्री ने कहा कि सभी सरकारी डेंटल सेटअप को आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित किया जाएगा। ड्यूटी पर डॉक्टरों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। एनएचएम के तहत कार्यरत डेंटल सर्जनों का वेतन बढ़ाया जाएगा। डेंटल प्रक्रियाओं को आयुष्मान भारत योजना में शामिल किया जाएगा। डीएसीपी प्रावधान, एमडीएस विशेषज्ञ कैडर और डेंटल स्टाफ की नई भर्तियां की जाएंगी। 1,000 नए पीएचसी की स्थापना होगी, जिसमें डेंटल सेवाएं भी उपलब्ध होंगी।

समर्पित भाव से राष्ट्र और संगठन के लिए करें काम : वीके चतुर्वेदी

PHOTON NEWS RANCHI : शनिवार को अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद, झारखंड प्रदेश का दो दिवसीय सैन्य महासम्मेलन रांची में शुरू हुआ। इसमें झारखंड के लगभग 10 जिलों के 800 पूर्व सैनिक और मातृशक्ति शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन और भारत माता को पुष्पांजलि अर्पित करने से हुई। राष्ट्रीय अध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल वीके चतुर्वेदी ने संगठन की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह संगठन देश की सुरक्षा और समाज की सेवा के लिए समर्पित है। उन्होंने

राष्ट्र विरोधी ताकतों से सतर्क रहने का आह्वान किया। प्रदेश अध्यक्ष कर्नल अखौरी रंजन सिंह ने संगठन के महत्व पर जोर दिया और राज्य में इसके विस्तार की जरूरत बताई। सम्मेलन में सैनिक कल्याण और पुनर्वास योजनाओं पर चर्चा की गई। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार और केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ रविवार को समापन समारोह में शामिल होंगे।

सीएस ने सभी विभागों को राज्यकर्मियों का आभा कार्ड बनाने का दिया निर्देश

RANCHI : मुख्य सचिव अलका तिवारी ने राज्य के सभी विभागों के प्रमुख को पत्र लिखा है। उन्होंने राज्यकर्मियों को आभा कार्ड बनाने का निर्देश दिया या है। पत्र में उन्होंने ये भी लिखा है कि सरकार द्वारा शुरू किए गए आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के अंतर्गत सभी नागरिकों के लिए आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट बनवाना अनिवार्य किया गया है। इस पहल का उद्देश्य देशभर में स्वास्थ्य सेवाओं की दक्षता, सुगमता, समावेशिता और पारदर्शिता को बढ़ाना है।

बिड़ला हनुमान मंदिर में 24 घंटे का शुरू हुआ अखंड हरि कीर्तन

PHOTON NEWS RANCHI : शनिवार को बरियातू के जोड़ा तालाब रोड रानी बगान स्थित बिड़ला हनुमान मंदिर में 24 घंटे का अखंड कीर्तन शुरू हो गया। अयोध्या राम जन्म भूमि पर मंदिर में श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की प्रथम वर्षगांठ पूर्ण होने के अवसर पर अखंड कीर्तन मंडली द्वारा कीर्तन किया जा रहा है। निवारणपुर तपोवन मंदिर के महंत जी द्वारा बजरंगबली का ध्वजारोहण सुबह 10.30 बजे किया गया। इसके बाद

अखंड कीर्तन प्रारंभ किया गया। 12 जनवरी को दिन में 12 बजे से हवन होगा। इसके बाद प्रसाद का वितरण किया जाएगा। मंदिर समिति ने बताया कि देशभर के मंदिरों में अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की वर्षगांठ पर कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। मौके पर पूरे कॉलोनी को महावीर झंडा से सजाया गया है। वहीं कई जगहों पर तोरण द्वार भी बनाया गया है। इसके अलावा इंद्रप्रस्थ कॉलोनी जोड़ा तालाब, श्री महावीर मंदिर, श्री पंचमुखी मंदिर को आकर्षित ढंग से सजाया गया है। मौके पर संजीत सिंह, रमाकांत आंनद, रामाशीष सिंह, ओम पांडे, प्रकाश चंद्र सिन्हा, राजीव रंजन, ब्रज किशोर शर्मा, हरिनंदन शर्मा, भूषण तिवारी, बिजेंद्र सिंह, सुरेंद्र सिंह, रवि पाठक समेत अन्य मौजूद थे।

पहाड़ी मंदिर की दानपेटी से निकले 3 लाख से अधिक रुपये, तीन विदेशी मुद्राएं भी

RANCHI : शनिवार को पहाड़ी मंदिर परिसर में रखे गए 11 दान पात्रों के ताले खोले गए। इसमें से श्रद्धालुओं द्वारा दान की गई राशि की गणना की गई। गणना में कुल 3,02,525 रुपये की राशि प्राप्त हुई। इसमें 2,42,305 रुपये के नोट और 60,220 रुपये के सिक्के शामिल थे। सदर एसडीओ उत्कर्ष कुमार के आदेश पर कार्यपालक दंडाधिकारी शाइनी तिग्गा की मौजूदगी में दानपेटी से निकले पैसों की गिनती की गई। इस दौरान पहाड़ी मंदिर विकास समिति के कोषाध्यक्ष कृष्ण कन्हैया, सदस्य राजेश गाड़ोदिया उपस्थित रहे।

कारगर पहल : सड़क सुरक्षा जागरूकता रथ को डीसी मंजूनाथ भजंत्री ने किया रवाना, यातायात के नियमों की दी जाएगी जानकारी

दुर्घटनाओं से बचने के लिए खुद भी सबको सर्तक रहना जरूरी

PHOTON NEWS RANCHI : शनिवार को डीसी मंजूनाथ भजंत्री ने समाहरणालय से सड़क सुरक्षा जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। इसके माध्यमसे लोगों को सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों की जानकारी दी जाएगी। लोगों से नियमों का पालन करने की अपील भी जिला प्रशासन करेगा। बता दें कि 36वां राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 1 जनवरी से 31 जनवरी 2025 तक मनाया जा रहा है। इस दौरान अनुमंडल पदाधिकारी सदर रांची उत्कर्ष कुमार, पुलिस अधीक्षक ट्रैफिक रांची, जिला परिवहन पदाधिकारी रांची अखिलेश कुमार, सड़क सुरक्षा से जुड़े सभी अधिकारी और पदाधिकारी के अलावा सम्बंधित सभी अधिकारी मौजूद थे। डीसी ने रथ रवाना करने के दौरान कहा कि शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क सुरक्षा जागरूकता रथ चलेगा जो लोगों को यातायात के नियमों की जानकारी देते हुए जागरूक करेगा। उन्होंने कहा की सड़क सुरक्षा को नियमित रूप से मनाने का निर्णय लिया गया है। दुर्घटना ना हो इसको लेकर यातायात नियमों का पालन करें। आज सड़कों पर वाहन की संख्या बढ़ चुकी है। इस कारण दुर्घटना हो रही है। दोपहिया वाहनों से दुर्घटना में 86 प्रतिशत मृत्यु हो रही है, चार पहिया वाहन से 80 प्रतिशत की मृत्यु सीट बेल्ट नहीं लगाने के कारण हो रही है। इसलिए कुछ सावधानियां आपको बड़े शारीरिक नुकसान से बचा सकती हैं। इसलिए दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट जरूर लगाएं, चार पहिया चलाते वक्त सीट बेल्ट जरूर लगाएं।

सीट बेल्ट नहीं लगाने के कारण चार पहिया वाहनों से 80% की हो रही मौत

हरी झंडी दिखाकर जागरूकता रथ को रवाना करते डीसी मंजूनाथ भजंत्री व अन्य। ● फोटोन न्यूज

नाटक के माध्यम से किया जागरूक

जिला परिवहन कार्यालय द्वारा लोगों को जागरूक करने के लिए कला दल के सदस्य नृत्य और नाटक के माध्यम से लोगों को जागरूक कर रहे हैं। प्रस्तुति लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रही है। लोग रुक कर इनका प्रदर्शन देख रहें है। परिवहन विभाग की अधिसूचना के अनुसार, सड़क दुर्घटना में हिट एंड रन (वाहन द्वारा दुर्घटना कर भाग जाने के परिस्थिति में) मामलों में पीड़ित पक्ष को मुआवजा दिलाने का प्रावधान है। सड़क दुर्घटना से मृत्यु होने पर यह 2,00,000 रुपये तथा गंभीर रूप से घायल होने पर यह 50,000 रुपए निर्धारित किया गया है।

इस पॉलिसी को जरूर करें फॉलो

- सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को गोल्डेन आवर यानी एक घंटे के भीतर अस्पताल पहुंचाने पर गुड सेमिरिटन को 2000 पुरस्कार राशि दी जाएगी।
- यदि दो गुड सेमिरिटन किसी सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को गोल्डन आवर में अस्पताल पहुंचाने में सहायता करते है, तो दोनों गुड सेमिरिटन को 2000–?2000 पुरस्कार राशि दी जाएगी।
- यदि दो से अधिक गुड सेमिरिटन घायल व्यक्ति को गोल्डेन आवर में अस्पताल पहुंचाते है, तो सरकार द्वारा 5000 पुरस्कार राशि, उन सभी के बीच समान रूप से बांटी जाएगी।
- यदि गुड सेमिरिटन को पुलिस या अदालत द्वारा जांच के लिए बुलाया जाता है, तो प्रति दिन 1000 की दर से गुड सेमिरिटन के बैंक खाते में हस्तांतरित किये जाएंगे ।

सड़क दुर्घटना होने पर क्या करें

- एंबुलेंस को कॉल करें
- पुलिस को सूचित करें।
- जख्मी व्यक्ति को नजदीकी अस्पताल ले जाएं।
- पीड़ित के फोन में सेव आपातकालीन संपर्क नंबर पर कॉल करें।
- टॉल फ्री नं. 108 पर कॉल कर एंबुलेंस सेवा का लाभ उठाएं।
- पीड़ित को अस्पताल में पहुंचाने के बाद गुड सेमेरिटन को रोका नहीं जाएगा।

शिबू सोरेन के जन्मदिन पर केक काटकर बांटे 500 कंबल

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष, दिशुम गुरु शिबू सोरेन के जन्मदिन पर अल्बर्ट एक्का चौक पर उनके 81वें जन्मदिन केक काटकर रांची जिला जेएमएम अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष फरीद खान के नेतृत्व में मनाया गया। मौके पर अल्बर्ट एक्का चौक और इकरा मस्जिद चौक मेन रोड में गरीबों में 500 कंबल का वितरण किया गया। फरीद खान ने कहा कि हमारा नारा ही है सियासत से खिदमते खल्क। उन्होंने ने कहा कि शिबू सोरेन ने अपना पूरा जीवन झारखंड के आदिवासी मूलवासी के उत्थान में लगाया। मौके पर अमन खान, बब्बन, सद्दाम, सोनू, प्रिंस, गुड्डू, फहद खान, शहबाज, फारुक, शाहनवाज, नौशाद, कामरान, कैफ, अब्दुल्ला, जावेद, अशफाक, राधा मुंडा, तबारक, जोहेब आलम समेत कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

BRIEF NEWS

जय बापू, जय भीम के नारे संग कांग्रेसियों ने की पदयात्रा

JAMSHEDPUR : अखिल भारतीय व झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस कमेटी ने शनिवार को बिष्टुपुर में पदयात्रा की, जिसमें जय बापू, जय भीम, जय संविधान के नारे भी लगे। जिलाध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे के नेतृत्व में कार्यकताओं ने कांग्रेस कार्यालय (तिलक पुस्तकालय) से बिष्टुपुर बाजार क्षेत्र में भ्रमण किया। इस दौरान कांग्रेसियों ने महात्मा गांधी का ये बलिदान याद रखेगा हिंदुस्तान..., जय संविधान..., जय भीम-जय भीम, सरदार बल्लभ भाई पटेल अमर रहे..., लालबहादुर शास्त्री अमर रहे..., जय बापू, सुभाष चंद्र बोस, जवाहरलाल नेहरु अमर रहे, बिरसा मुंडा अमर रहे, भारत के तमाम शहीद अमर रहे... का नारा लगाया। वहां से लौटकर जिला कार्यालय में देश के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की पुण्यतिथि मनाई गई।

गोमिया में दर्जनों कौवों की मौत, लोग भयभीत

GOMIA : बोकारो जिले के गोमिया प्रखंड के आईईपीएल ओरिका बारूद कारखाना मेन गेट के पास एक दर्जन से ज्यादा कौवे मृत पाए गए हैं। एक ही जगह पर इतने कौवों की मौत की खबर से आसपास के ग्रामीणों में दहशत का माहौल बन गया है। सूचना पर पहुंची प्रखंड पशुपालन विभाग की टीम ने मृत कौवों का सैंपल लेकर जांच के लिए भेज दिया है। घटनास्थल से सटे सब्जी बाजार में जिस स्थान पर कौवे मृत पाए गए, उस स्थान पर लग रही भीड़ को मृत कौवों से दूर रहने का निर्देश दिया गया है। मौके पर पहुंचे प्रखंड पशुपालन पदाधिकारी डॉ. सुरेश प्रसाद ने मृत कौवे का सैंपल लेते हुए चेतावनी जारी की है। उन्होंने बताया कि मौत का कारण ठंड भी हो सकता है। फोरेंसिक सैंपल को वरीय पदाधिकारी को सूचित करते हुए बोकारो भेजा जा रहा है।

पुण्यतिथि पर याद किए गए भारत रत्न लाल बहादुर शास्त्री

CHAIBASA : जिला कांग्रेस भवन में शनिवार को भारत रत्न लाल बहादुर शास्त्री की पुण्यतिथि मनाई गई। कांग्रेसियों ने उनके चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर दो मिनट का मौन धारण किया। इस मौके पर जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर दास, प्रदेश महासचिव त्रिशानु राय, जिला महासचिव कैरा बिरुवा, लियोनार्ड बोदरा, अल्पसंख्यक जिला उपाध्यक्ष जहांगीर आलम, प्रखंड अध्यक्ष दिकु सवैयां, साकारी दोंगो, आरजू शबाना, उषा बैठा, सुशील पाड़ेया, जयकिशन सालबुनियां, जुम्बल सुंडी, मानकी गोड़सोरा, बचन खान, सिंगराय गोप, सुशील दास सहित अन्य मौजूद थे।

विवेकानंद जयंती पर हुई भाषण प्रतियोगिता

GHATSHILA : घाटशिला कॉलेज में शनिवार से स्वामी विवेकानंद की जयंती को तीन दिवसीय राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। आयोजन की शुरूआत शनिवार को भाषण प्रतियोगिता से हुई, जिसमें 30 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। भाषण प्रतियोगिता में इंटर से प्रिया अधिकारी व अनामिका भक्त, यूजी सेमेस्टर-2 टू से अनुष्का दत्ता, उत्पल प्रधान व रंजीता हेम्ब्रम क्रमशः श्रेष्ठ रहे। प्राचार्य डॉ. आरके चौधरी ने विवेकानंद के चित्र पर पुष्प अर्पित कर कहा कि स्वामी विवेकानंद भारत के आध्यात्मिक राजदूत थे। उन्होंने अपने अल्पकालीन जीवन में मानव कल्याणार्थ जिस अध्यात्मवाद तथा भारतीय दर्शन के मौलिक सिद्धांतों का प्रतिपादन किया और प्राणीमात्र के कल्याण का मार्ग प्रशस्त किया, वह संसार के इतिहास में सदैव स्मरणीय रहेगा।

शिबू सोरेन के जन्मदिन पर हुआ 276 यूनिट रक्तदान

JAMSHEDPUR : झामुमो सुप्रीमो दिशोम गुरु शिबू सोरेन के जन्मदिन और शहीद सांसद सुनील महतो की जयंती पर शनिवार को रक्तदान शिविर लगा, जिसमें 276 यूनिट रक्तदान हुआ। झामुमो नेता महावीर मुर्मू के नेतृत्व में बमामाईंस क्लब हाउस में लगे शिविर का उद्घाटन शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन, अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष हिदायतुल्लाह खान, राज्य गोसेवा आयोग के उपाध्यक्ष राजू गिरी, संजय पलसानिया, पूर्व विधायक कुणाल षाड़ंगी, पूर्व सांसद सुमन महतो , जिला परिषद के उपाध्यक्ष पंकज सिन्हा, 20 सूत्री उपाध्यक्ष मोहन कर्मकार, झामुमो नेता प्रमोद लाल, शेख बदरुदीन और गणेश चौधरी ने संयुक्त रूप से किया। शिविर को सफल बनाने में आनंद श्रीवास्तव, रूपेश आहूजा, मनोज शर्मा, मिथुन चक्रवर्ती, जितेंद्र सिंह, डॉ. संजय गिरी, लालतू महतो, प्रतीक सिंह, दिनकर, बबलू टुडू, प्रधान देवगम, करण कालिंदी, सुनील गुप्ता समेत अन्य लोग मौजूद थे।

आक्रोशित परिजनों ने डीसी से की मुलाकात, जांच का आदेश

स्कूल में पेन डे पर छात्राओं की शर्ट उतरवाने का लगा आरोप

PHOTON NEWS DHANBAD : कोयलांचल धनबाद से एक शर्मसार कर देने वाला मामला शनिवार को प्रकाश में आया है। दरअसल प्री बोर्ड के अंतिम दिन पेन डे मना रही डिगवाडीह कार्मेल स्कूल की छात्राओं का स्कूल प्रबंधन के जरिये न सिर्फ शर्ट उतरवा लिया गया, बल्कि छात्राओं को इनरवियर और ब्लेजर में ही घर जाने को मजबूर कर दिया गया। अब मामला जिलाधिकारी के पास है और मामले में जांच के आदेश दे दिए गए है। एक वीडियो उन्हीं छात्राओं की तरफ से सोशल मीडिया पर पोस्ट किया गया है, जिन्हें उस मानसिक ड्रामा से गुजरना पड़ा, अब वो वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें छात्राओं ने पेन डे को 'ट्रामेटिक डे' बताया है। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि

उपायुक्त माधवी मिश्रा से मिलने पहुंचे परिजन। • फोटोन न्यूज

गुरुवार को धनबाद के डिगवाडीह स्थित कार्मेल स्कूल में छत्राएं प्री बोर्ड एग्जाम के अंतिम दिन पेन डे मना रही थी। पेन डे के बारे में कहे तो स्टूडेंट परीक्षा समाप्ति के बाद अपने दोस्तों के शर्ट पर उनके भविष्य को लेकर शुभकामनाएं लिखते है और ऑटोग्राफ देते है। यही सब कुछ उस दिन डिगवाडीह कार्मेल स्कूल की छात्राएं अपने साथी छात्राओं के साथ कर रही थी। जिसपर नाराज स्कूल प्रशासन ने स्कूल परिसर में ही मेल टीचर स्टाफ और गार्ड के सामने छात्राओं के बिना अनुमति के जबरन न सिर्फ उनके शर्ट उतरवाए, बल्कि उन छात्राओं को सिर्फ इनरवियर और ब्लेजर पर ही घर भेज दिया गया। इस शर्मसार कर देने वाली घटना से आक्रोशित छात्राओं के परिजन शनिवार को धनबाद उपायुक्त माधवी मिश्रा से मुलाकात कर उन्हें उस घटना से अवगत कराया। इस दौरान छात्राओं के परिजन घटना को लेकर काफी आक्रोशित दिखे। उन्होंने स्कूल प्रशासन पर उनकी बच्चियों के साथ मानसिक दुष्कर्म करने का आरोप लगाते हुए कहा कि उनकी बच्चियां इस घटना से इतनी मानसिक तनाव में है कि वो कोई भी गलत कदम भी उठा सकती थी। उन्होंने स्कूल की प्रिंसिपल के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने और उनके इस्तीफे की मांग की है। वहीं घटना की सूचना पर झरिया विधायक रागिनी सिंह भी उपायुक्त से मुलाकात कर मामले में कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने बताया कि वह सभी छात्राओं के साथ खड़ी है। जरूरत पड़ी तो इस मामले को लेकर वो राज्य के मुख्यमंत्री से भी मुलाकात करेंगी।

जांच टीम गठित

इस मामले के संज्ञान में आते ही धनबाद उपायुक्त ने मामले को गंभीरता से लेते हुए इसमे जांच टीम गठित कर दिया है। इस जांच टीम में अनुमंडल पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, समाज कल्याण पदाधिकारी, एसडीपीओ और स्थानीय थाना प्रभारी को शामिल किया गया है। जो स्कूल जाकर मामले की जांच करेंगे। साथ ही स्कूल में लगे सीसीटीवी कैमरा फुटेज को भी खंगालेंगे। क्योंकि घटना के वक्त स्कूल प्रबंधन के जरिये सभी छात्राओं का मोबाइल फोन जब्त कर लिया गया था, ताकि कोई इसका वीडियो न बना सके। उपायुक्त ने बताया कि आने वाले बोर्ड एग्जाम में भी इन छात्राओं को स्कूल प्रशासन की तरफ से कोई दिक्कत ना हो इसका भी ध्यान रखा जाएगा। साथ ही मामला सही पाए जाने पर स्कूल प्रबंधन पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सड़क दुर्घटना में एक की मौत, विरोध में जाम

LATEHAR : जिले के बालूमाथ थाना क्षेत्र के बालूमाथ-खलारी मुख्य पथ पर बसिया गांव के पास शनिवार को एक अनियंत्रित हाइवा ने बाइक सवार दादा और पोता को अपनी चपेट में ले लिया । इस घटना में दादा प्रयाग यादव (60) की मौत हो गई । घटना के विरोध में स्थानीय लोगों ने भगिया गांव के पास सड़क जाम कर दिया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रयाग यादव और सुमित यादव एक मोटरसाइकिल पर सवार होकर मैक्लुस्कीगंज की ओर जा रहे थे । इसी दौरान भगिया गांव के पास तेज रफ्तार गाड़ी ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। दुर्घटना में मोटरसाइकिल पर सवार दोनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों के सहयोग से दोनों घायलो को बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया ।जहां चिकित्सकों ने प्रयाग यादव को जांचोपरांत मृत घोषित कर दिया ।वहीं सुमित यादव को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रांची रिम्स रेफर कर दिया। वहीं घटना के विरोध में स्थानीय लोगों ने सड़क जाम कर दिया है।

भगवान कृष्ण व सुदामा मिलाप से हुआ भागवत कथा का विराम

PHOTON NEWS JSR : जुगसलाई में एमई स्कूल रोड स्थित संकल्प रेसिडेंसी में आयोजित सप्ताहव्यापी श्रीमद्भागवत कथा को शनिवार विराम दिया गया। व्यासपीठ पर आसीन आचार्य पं. शिवशंकर त्रिपाठी ने शनिवार को कृष्ण-सुदामा मिलाप की कथा सुनाई। प्रथम दिवस श्रीमद्भभागवत कथा श्रवण के माहात्म्य, राजा परिक्षित व श्रीकृष्ण जन्म कथा से लेकर उन्होंने अन्य प्रसंगों का वाचन किया। इस दौरान कथा विराम से एक दिन पूर्व शुक्रवार को रुक्मिणी हरण व श्रीकृष्ण-रुक्मिणी विवाह की कथा सुनाई। पूरी कथा के दौरान संबंधित प्रसंगों की जीवंत झांकियां भी प्रस्तुत की गईं, जिसे देख श्रद्धालु श्रीमद्भागवत के

झांकी में शामिल श्रद्धालु। • फोटोन न्यूज

अथाह सागर में गोते लगाते रहे। श्रीकृष्ण-रुक्मिणी विवाह की कथा व जीवंत झांकी के साथ भजन व ढोल नगाड़ों ने श्रद्धालुओं को थिरकने पर मजबूर कर दिया। वहीं शनिवार को श्रीकृष्ण व सुदामा मिलाप की कथा में श्रद्धालु भाव विभोर नजर आये। पूजन व हवन के साथ कथा विराम हुआ। तत्पश्चात भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस आयोजन में समाजसेवी शिवजी सिंह उर्फ गुड्डू सिंह, मुन्ना अग्रवाल समेत संकल्प रेसिडेंसी के सभी निवासियों का सराहनीय सहयोग रहा।

राम मंदिर की पहली वर्षगांठ पर हुआ सुंदरकांड पाठ

JAMSHEDPUR : अयोध्या के राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा के पहली वर्षगांठ के शुभ अवसर पर हनुमान सेवा दल द्वारा मानगो के डिमना रोड स्थित आशीर्वाद नगर न्यू शर्मा लाइन में सामूहिक सुंदरकांड का पाठ किया गया। पाठ शुरू होने से पहले पांच ब्राह्मणों द्वारा स्वस्तिवाचन, गणेश गौरी, वरुण, नवग्रह, षोडश मात्रिका, राम दरबार सहित हनुमान व शिव पूजन से हुआ। संस्था के संयोजक पं. विपिन झा ने कहा कि आज प्रत्येक देशवासियों को राम के चरित्र का अनुसरण करना चाहिए, जिससे भारत पुनः विश्व गुरु बन सके। सामूहिक पाठ में संस्था के अध्यक्ष एके गिरी, सचिव रामशंकर झा, सहसचिव रामशंकर सिंह, कोषाध्यक्ष तरुण चौधरी के अलावा सुधीर झा, नीरज झा, केदार गोस्वामी, सतीश चंद्र गोराई, प्रेमचंद्र झा, अमर सिंह आदि भी उपस्थित थे।

बालू की तस्करी करते सात ट्रैक्टर हुए जब्त, प्राथमिकी दर्ज

PHOTON NEWS RAMGADH : रामगढ़ जिले में अवैध खनन, खनिजों के परिवहन पर पूरी तरह से रोक लगाने और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करने के उद्देश्य से डीसी चंदन कुमार जरिये अधिकारियों को योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने का निर्देश दिया गया है। इसी क्रम में शुक्रवार की रात सिरका क्षेत्र में दामोदर नदी घाट से अवैध बालू के उठाव के मामले में एसडीओ अनुराग कुमार तिवारी ने कार्रवाई की। जांच अभियान के दौरान सिरका दामोदर नदी घाट से सात ट्रैक्टर वाहनों को अवैध रूप से बालू का उठाव करने का दोषी पाया गया। किसी भी ट्रैक्टर पर रजिस्ट्रेशन नंबर नहीं था। इसलिए उनके इंजन नंबर के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई है।

अवैध बालू का परिवहन करते पांच वाहन जब्त

JSR : उपायुक्त अनन्य मित्तल के निदेर्शानुसार जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण की रोकथाम को लेकर खनन टास्क फोर्स द्वारा नियमित छामेपारी की जा रही है। इसी क्रम में शनिवार को अनुमंडल पदाधिकारी, धालभूम शताब्दी मजूमदार ने अवैध बालू लदे 5 वाहन जब्त किए। इसमें आजादनगर थाना क्षेत्र से दो छोटे मालवाहक व एक ट्रक तथा मानगो थाना क्षेत्र से दो छोटे मालवाहक शामिल हैं।

अफीम की अवैध खेती पर सख्ती से नजर रखें ग्राम प्रधान : वंदना

बैठक को संबोधित करतीं सीओ वंदना भारती व अन्य। • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS KHUNTI : उपायुक्त लोकेश मिश्रा के निर्देश पर शनिवार को कर्रा अंचल कार्यालय के सभागार में अंचल अधिकारी वंदना भारती की अध्यक्षता में ग्राम प्रधानों और चौकीदारों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में अवैध अफीम की खेती को रोकने एवं इसके विनष्टीकरण के प्रभावी उपायों पर चर्चा करना था। अंचल अधिकारी ने उपस्थित ग्राम प्रधानों एवं चौकीदारों को अवैध अफीम की खेती पर सख्ती से नजर रखने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना देने का निर्देश दिया। उन्होंने बताया कि अफीम की अवैध खेती न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि समाज के लिए भी हानिकारक है। इस पर रोक लगाने के लिए प्रशासन पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। बैठक में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जागरूकता अभियान चलाने, गुप्त सूचना तंत्र को मजबूत करने और आवश्यकतानुसार सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। अंचल अधिकारी ने कहा कि ग्राम स्तर पर समुदाय की सहभागिता से ही इस समस्या का समाधान संभव है। बैठक में थाना प्रभारी, ग्राम प्रधान और चौकीदार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर क्षेत्र को नशा मुक्त बनाने के लिए सामूहिक प्रयास करने का संकल्प लिया।

गोइलकेरा में आज से क्रिकेट का महाकुंभ

GOELKERA : वीर शहीद देवेंद्र माझी मेमोरियल पांचवां गोइलकेरा क्रिकेट लीग जीसीएल का उद्घाटन 12 जनवरी को होगा। हाई स्कूल मैदान में करीब 20 दिनों तक चलने वाले क्रिकेट लीग में 8 टीमें हिस्सा ले रही हैं। इसमें फॉरेस्ट फाइटर, किंग स्टार कोयल, पोड़ाहाट पैंथर्स, सिंहभूम स्टार्स, कारो किंगडम, कोल्हान किंग्स, हिरणी हरिकेन, सारंडा स्ट्राइकर्स हैं। उद्घाटन मैच गत वर्ष के विजेता पोड़ाहाट पैंथर्स और उपविजेता किंग स्टार कोयल के बीच खेला जाएगा। जीसीएल के लिए पिछले दिनों फ्रेंचाइजी के बीच खिलाड़ियों की मेगा ऑक्शन आयोजित की गई थी। इसमें 112 खिलाड़ियों को बुक किया गया था। लीग में प्रत्येक टीम 7-7 मैच खेलेगी। विजेता टीम को नकद 31 हजार के साथ ट्रॉफी व उपविजेता को 25 हजार और ट्रॉफी दी जाएगी।

झरिया विधायक कार्यालय के बाहर फायरिंग रागिनी सिंह ने लगाया विरोधियों पर आरोप

PHOTON NEWS DHANBAD : झरिया थाना क्षेत्र के कतरास मोड़ स्थित विधायक रागिनी सिंह के कार्यालय के समीप गोलीबारी की घटना घटी है। घटना सुबह 5 बजे के आसपास की बताई जा रही है। वहीं इस पूरे मामले पर झरिया विधायक रागिनी सिंह ने कहा कि फायरिंग की घटना की सूचना मिली है। उन्होंने कहा कि कुछ आपराधिक तत्व के लोगों ने मेरे कार्यालय में तोड़फोड़ और जानलेवा हमला करने का प्रयास किया है। यह जांच का विषय है। सीसीटीवी फुटेज निकलवा रहे हैं। विधायक ने बताया कि कार्यलय में फायरिंग की गई है। विधायक ने लोकल पुलिस को संज्ञान में दिया है कि कार्यालय के बाहर स्टाफ के साथ मारपीट की गई है। कुछ कंप्यूटर और समान चोरी कर ले गए हैं। उन्होंने कहा कि मुझे संदेह है, पहले सीसीटीवी

फुटेज देखेंगे उसके बाद मामले की लिखित शिकायत करेंगे। विधायक ने कहा कि विरोधियों के द्वारा ऐसा किया जा रहा है, विरोधी घबरा गए हैं। इसलिए उल-जुलूल हरकत कर रहे हैं। वहीं झरिया थाना के इंस्पेक्टर शशि रंजन सिंह ने कहा कि मुझे फायरिंग की घटना की सूचना नहीं है। फायरिंग के संबंध में अभी तक किसी ने शिकायत नहीं की है। उन्होंने कहा कि आपके द्वारा पहली बार कॉल के माध्यम से जानकारी दी गई है। मामले को लेकर मौके पर जाकर जांच पड़ताल करेंगे। झरिया के कतरास मोड़ स्थित सिंह मेंशन व विधायक रागिनी सिंह के कार्यालय के दूसरी तरफ फायरिंग की घटना घटी है। जहां फायरिंग के निशान भी देखे जा सकते हैं। फिलहाल फायरिंग की घटना पर जांच पड़ताल के बाद ही यह मामला साफ हो सकेगा।

आयोजन : झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायाधीश ने किया राज्यस्तरीय विधिक सेवा-सह-सशक्तीकरण शिविर का उद्घाटन

स्थानीय भाषा में लोगों को कानूनी रूप से करें जागरूक : जज सुजीत नारायण

PHOTON NEWS GHATSHILA : झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार के तत्वाधान में जिला विधिक सेवा प्राधिकार, पूर्वी सिंहभूम की ओर से राज्य स्तरीय विधिक सेवा सह सशक्तीकरण शिविर शनिवार को हुआ, जिसमें झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायाधीश सह कार्यपालक अध्यक्ष झालसा सुजीत नारायण प्रसाद ने घाटशिला व्यवहार न्यायालय परिसर में नव निर्मित हाजत भवन का उद्घाटन किया।

इससे पूर्व उन्होंने कोर्ट परिसर में शिविर को संबोधित करते हुए कहा कि झालसा की ओर से 90 दिवसीय जागरुकता एवं आउटरिच अभियान चलाया जा रहा है, जिसके माध्यम से लोगों को सरल तरीके से कानूनी जानकारी देने के साथ-साथ उनके हक एवं अधिकारों के बारे में भी सचेत किया जा रहा है। झालसा के संगीत का थीम अहसास, विश्वास व उल्लास है, हम लोगों के मन में भी इसी भावना के साथ जागरूकता फैला रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोग अपने अधिकार को जानें और सरकार की ओर से जिन योजनाओं का संचालन किया जा रहा है, उसका समुचित लाभ लें। न्यायाधीश ने कहा कि अब झालसा के जहां कहीं भी कार्यक्रम होंगे, उसमें स्थानीय भाषाओं को प्राथमिकता दी जाएगी, ताकि लोग सरल तरीके से समझ सकें कि वह ऐसे कार्यक्रम में क्यों और किसलिए भाग ले रहे हैं।

समारोह को संबोधित करते हुए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, पूर्वी सिंहभूम अनिल मिश्रा ने झालसा के 90 दिवसीय

शिविर में चेक प्रदान करते जज सुजीत नारायण प्रसाद । • फोटोन न्यूज

अभियान के तहत चलने वाली गतिविधियों की जानकारी दी। समारोह को संबोधित करते हुए उपायुक्त अन्नय मित्तल ने कहा कि सरकार की ओर से कई योजनाओं का संचालन किया जा रहा है, उसका लाभ सभी लोग लें। उन्होंने कहा कि झालसा अपने अभियान के तहत लोगों को उनके हक एवं अधिकार के बार में विस्तार से जानकारी दे रही है। लोगों को इसका फायदा भी मिल रहा है। समारोह को सीनियर एसपी किशोर कौशल, झालसा की सदस्य सचिव रंजना अस्थाना, घाटशिला बार एसोशिएसन के अध्यक्ष राकेश शर्मा आदि ने भी संबोधित किया। समारोह के दौरान विभिन्न योजना से संबंधित लगभग 3 करोड़ की परिसंपत्ति का वितरण न्यायाधीश सुजीत नारायण प्रसाद ने किया।

व्यवहार न्यायालय परिसर में लगे थे कई स्टॉल

राज्य स्तरीय विधिक सेवा सह सशक्तीकरण शिविर के दौरान घाटशिला व्यवहार न्यायालय परिसर में केंद्रीय कारा, घाघीडीह के बंदियों द्वारा बनाए गए कपड़े, चादर, पावरोटी, बिस्कुट समेत अन्य सामग्रियों के स्टॉल लगाने के साथ–साथ सरकार की ओर से संचालित लगभग सभी योजनाओ के स्टॉल लगे थे। जिसमें लोगों को उस विभाग से संबंधित योजनाओं की जानकारी दी जा रही थी। अतिथियों द्वारा लगाए गए स्टॉल का भी निरीक्षण किया।

न्यायाधीश ने किया उपकारा का निरीक्षण

घाटशिला के दौरे पर पहली बार पहुंचे झारखंड हाईकोर्ट के न्यायाधीश सुजीत नारायण प्रसाद ने कार्यक्रम के पूर्व लगभग एक घंटे से भी ज्यादा समय तक उपकारा का निरीक्षण किया। इस दौरान बताया जाता है कि हर कैदी वार्ड में जाकर कैदियों से रहन–सहन, खानपान, जेल की ओर से दी जाने वाली सुविधाओ के संबंध में विस्तार से जानकारी ली। इस दौरान जेलर से भी बात कर सरकार की ओर से दि जाने वाली सुविधाओं को कैदियों तक पहुंचाने का आदेश दिया।

गवाह को नहीं देख पाएंगे आरोपी

न्यायाधीश सुजीत नारायण प्रसाद घाटशिला से जमशेदपुर सिविल कोर्ट भी आए, जहां उन्होंने वल्नरेबल विटनेस वेटिंग रूम का उद्घाटन किया। बताया जाता है कि इसे इस तरह बनाया गया है कि आरोपी गवाह को नहीं देख पाएंगे, जबकि गवाह आरोपी को देख सकेंगे। उन्होंने विधि व्यवस्था को चुस्त–दुरुस्त बनाए रखने पर भी दिशा–निर्देश दिए।

चाकुलिया की कुपन नदी में मिला वृद्ध का शव

CHAKULIA : पूर्वी सिंहभूम जिले के चाकुलिया थाना क्षेत्र के सिमदी पंचायत के पंचायत सचिवालय के पीछे कुपन नदी में शनिवार को अज्ञात वृद्ध व्यक्ति का शव पुलिस ने बरामद किया। नदी में शव मिलने की सूचना पर काफी भीड़ जुट गई। पुलिस ने ग्रामीणों के सहयोग से नदी के बीच में उतराते शव को बांस के सहारे किनारे लाया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पानी में रहने के कारण शव काफी फूल गया था, जिसके कारण मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। अनुमान लगाया जा रहा है कि शव 5-6 दिन पुराना होगा। शनिवार को गांव के लोग शौच करने नदी किनारे गए तो वे नदी में शव उतराते देख ग्राम प्रधान को सूचना दी। इसके बाद ग्राम प्रधान ने इसकी सूचना मुखिया और पुलिस को दी। नदी के पास उपस्थित लोगों ने कहा कि मृतक आसपास के गांव का नहीं है।

ये दोस्ती है कमाल की!

बाघ के बच्चे के साथ अंजना

अमेरिका के एक अभयारण्य में रहने वाली चिम्पैंजी है अंजना। वह इतनी दयालु है कि उसने बहुत से जानवरों के बहुत से अनाथ बच्चों को अपनाया है। अब वह मां की तरह एक बाघ के बच्चे की देखरेख कर रही है और उसकी अठखेलियों में खुश भी हो रही है। वैसे चिम्पैंजी काफी बुद्धिमान और समझदार होते हैं और वे अपने साथ रहने वालों का भी ख्याल रखते हैं।

थेंबा का साथी एल्बर्ट

मां के मर जाने से नन्हा थेंबा (हाथी) बहुत दुखी हुआ और कई दिनों तक इसका शोक मनाता रहा। दक्षिण अफ्रीका के एक अभयारण्य में लाए जाने के बाद भी उसने खाना-पीना छोड़ रखा था। इसी दौरान उसे एल्बर्ट नाम की भेड़ के रूप में एक अच्छा दोस्त मिला। जल्द ही दोनों में गहरी दोस्ती हो गई। खेलने के साथ दोनों झपकियां भी साथ ही लेते। नए दोस्त ने इतनी खुशियां दीं कि थेंबा अपने दुख भूल गया और फिर से खाना-पीना शुरू कर दिया।

बालू-लियो और शेर खान की तिकड़ी

शेर खान दरअसल शेर नहीं, बल्कि एक बाघ है और उसके साथ बालू नाम का भालू और लियो नाम का शेर है। इन तीनों के साथ इनके मालिक ने बुरा सलूक किया था, जिस कारण बालू को चोट भी लग गई। इस मुश्किल की घड़ी में ये एक-दूसरे का सहारा बन गये और अब अमेरिका के एक अभयारण्य में ये अपना सारा वक्त साथ ही गुजारते हैं।

दुश्मन के भी दोस्त बनो

अमित लगातार कोशिश करता था कि किसी भी तरह करण को नीचा दिखा सके और दूसरे बच्चों के सामने उसकी खिल्ली उड़ा सके। लेकिन उसकी लाख कोशिशों के बावजूद करण अपनी पढ़ाई में और बेहतर होता जा रहा था। चाहे बात पढ़ाई की हो या खेल की, करण हर किसी में बाजी मारता और हर जगह उसकी खूब तारीफ होती। फिर आखिर ऐसा क्या हुआ जो अमित को नीचा देखना पड़ा और वह बदल गया।

बहुत पहले की बात है। एक गांव था राजनगर। वहां पर करण नाम का एक लड़का रहता था। वह लड़का स्वभाव का बहुत अच्छा था। पढ़ाई में भी होशियार था। वह बहुत आज्ञाकारी और अपने मां-बाप का कहना मानता था। स्कूल में वह ज्यादातर बच्चों की तुलना में होशियार था। स्वभाव से वह विनम्र था और सभी के साथ अच्छा व्यवहार करता था। उसके स्कूल में चाहे उससे बड़े लड़के हों या फिर छोटे, सभी उसे पसंद करते थे। लेकिन इस कारण बहुत से लड़के करण से जलते भी थे। करण की ही क्लास में एक लड़का पढ़ता था, जिसका नाम था अमित। अमित पढ़ाई में तेज नहीं था। उसका स्कूल में खेलने में बहुत मन लगता था। वह अपने माता-पिता की बात नहीं सुनता था और उनसे रूखे तरीके से बात करता था। अपनी क्लास के लड़कों को वह चिढ़ाया करता था। यहां तक कि करण को भी वह खूब परेशान करता था। वह लगातार कोशिश करता था कि किसी भी तरह करण को नीचा दिखा सके और दूसरे बच्चों के सामने उसकी खिल्ली उड़ा सके। लेकिन उसकी लाख कोशिशों के बावजूद करण अपनी पढ़ाई में और बेहतर होता जा रहा था। चाहे बात पढ़ाई की हो या खेल की, करण हर किसी में बाजी मारता और हर जगह उसकी खूब तारीफ होती।

अपने आठवें जन्मदिन पर करण को अपने पिता की तरफ से गिफ्ट के तौर पर एक सुंदर सा पेन मिला। करण स्कूल में नोट्स लिखने के लिए वह पेन ले जाने लगा। वह पेन दिखने में तो सुंदर था ही, लिखता भी तेज था। जब अमित ने करण का पेन देखा तो उसे बहुत जलन हुई। अमित ने नजरें तिरछी करके करण से पूछा, 'यह पेन तुम्हें कहां से मिला? क्या तुमने इसे खरीदा है?'

'नहीं, मुझे यह पेन मेरे मम्मी-पापा ने बर्थ डे गिफ्ट में दिया है।' करण ने जवाब दिया।

इस बात से अमित का गुस्सा और भी ज्यादा भड़क गया। अपने माता-पिता से वह खुद इतना बुरा सलूक करता था कि अब तक उसे उनसे शायद ही कोई गिफ्ट मिला हो। जब लंच का वक्त हुआ, तो उसने करण का पेन चुराने का फैसला कर लिया। जब हर कोई लंच के लिए बाहर निकल गया, तो अमित ने चुपके से करण के बैग से पेन चुरा लिया। इसके बाद उसने पेन अपने बैग में छिपा लिया और लंच करने बाहर चला गया।

जब करण वापस लौटा तो उसे बैग में अपना पेन नहीं मिला। उसने अपने टीचर को इस बारे में बताया। इसके बाद पूरी क्लास में पेन खोजा गया, लेकिन वह नहीं मिला। तब टीचर ने क्लास के मॉनीटर से कहा कि वह सबके बैग की तलाशी ले। जल्द ही अमित के बैग से पेन मिल गया। उसे गुस्से से देखते हुए टीचर ने पूछा, 'अमित, पेन तुम्हारे बैग से निकला है, इस बारे में तुम्हें कुछ कहना है?'

अमित की आंखों में आंसू आ गए। वह कुछ नहीं बोला।

जब करण ने अमित को रोते हुए देखा, तो उसे अमित पर दया आ गई। उसके दिल में अमित के लिए कोई गिला-शिकवा नहीं था। उसने टीचर से कहा कि उसका खोया हुआ पेन वापस मिल गया है, अब वे अमित को सजा न दें। करण के इन शब्दों ने अमित की आंखें खोल दीं। वह हमेशा करण को परेशान करता था, लेकिन करण ने हमेशा उससे अच्छा व्यवहार किया। इस समय उसे एहसास हो रहा था कि करण कितना अच्छा लड़का है। उसने तुरंत करण और क्लास टीचर से माफी मांगी। इसके बाद करण और अमित दोस्त बन गए। फिर तो अमित का व्यवहार बदल गया और सभी उसे पसंद करने लगे। करण को अपने नए दोस्त पर नाज था।

हंसने वाला कोका

साथियों, क्या तुमने ऑस्ट्रेलिया के हंसने वाले कोका के बारे में सुना है? आजकल ऑस्ट्रेलिया में यह खूब चर्चित हो रहा है। हंसने वाले कोका का दरअसल राज यह है कि इसका मुंह इस तरह का बना होता है, मानो खुशी से हंस रहा हो। छोटे चूहे जैसा यह जानवर आजकल ऑस्ट्रेलिया में पर्यटकों के बीच खूब लोकप्रिय हो रहा है। ऐसा इसलिए, क्योंकि यह बेहद सेल्फी फ्रेंडली जानवर है। इसके साथ सेल्फी आती भी बड़ी मस्त है। इसकी स्माइलिंग वाले जबड़े की बनावट के कारण कुछ समय पहले इसे दुनिया के सबसे खुश जानवर की उपाधि भी मिल चुकी है। कोका वैसे तो एक साथ रहना पसंद करते हैं। आमतौर पर ये पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के दलदली इलाकों और जंगलों में रहते हैं। ऑस्ट्रेलिया के रॉटनेस्ट आइलैंड पर ये खूब पाए जाते हैं।

एक है कैट आइलैंड

तुमने वह कहानी तो सुनी ही होगी, जिसमें एक राजा ने मक्खियों को उड़ाने की नौकरी एक बंदर को दी थी। एक दिन राजा की नाक पर बैठी मक्खी को उस बंदर ने डंडे से ऐसा भगाया कि राजा की नाक ही टूट गई। उसके बाद राजा ने ऐसे दोस्तों से तौबा कर ली थी। कुछ ऐसा ही माजरा हुआ है दक्षिण जापान के एक दूर के द्वीप पर। वहां पर अधिकतर मछुआरे रहते हैं। बेचारों ने काफी समय पहले एक ऐसे दोस्त से दोस्ती कर ली, जो अब उनकी जान की मुसीबत बन गया है। दक्षिणी जापान के आओशिमा नामक द्वीप पर मछुआरों की दोस्त बनकर आई बिल्लियां अब संख्या में इतनी ज्यादा हो गई हैं कि जिधर नजर घुमाओ, बिल्लियां ही बिल्लियां नजर आती हैं। ये इतनी ज्यादा हो गई हैं कि यहां हर एक आदमी पर छह बिल्लियों का अनुपात बन गया है। बेचारे इस द्वीप के रहने वाले। हर वक्त उन्हें भगाते ही रहते हैं। कुछ उन्हें खाना भी खिलाते हैं। कुछ वर्षों पहले जब यहां चूहे बहुत ज्यादा हो गए थे और वे आए दिन मछुआरों की नाव काटने लगे, तो बिल्लियों को इस द्वीप पर लाया गया। अब चूहे तो नहीं रहे, लेकिन चारों तरफ बिल्लियां ही बिल्लियां हैं। इस द्वीप पर कुछ बुजुर्ग और युवा ही रहते हैं। बाकी सभी बड़े शहर चले गए हैं। अब यहां इतनी बिल्लियां हैं कि कोई रेस्टोरेंट या खोमचा नहीं खोला जा सकता। यहां केवल इस 'कैट आइलैंड' को देखने आने वालों को लाने-ले जाने वाली मोटरबोट ही ज्यादा दिखती हैं। हालांकि कुछ लोगों को इस द्वीप पर बिल्लियों को देखने में खूब मजा आता है।

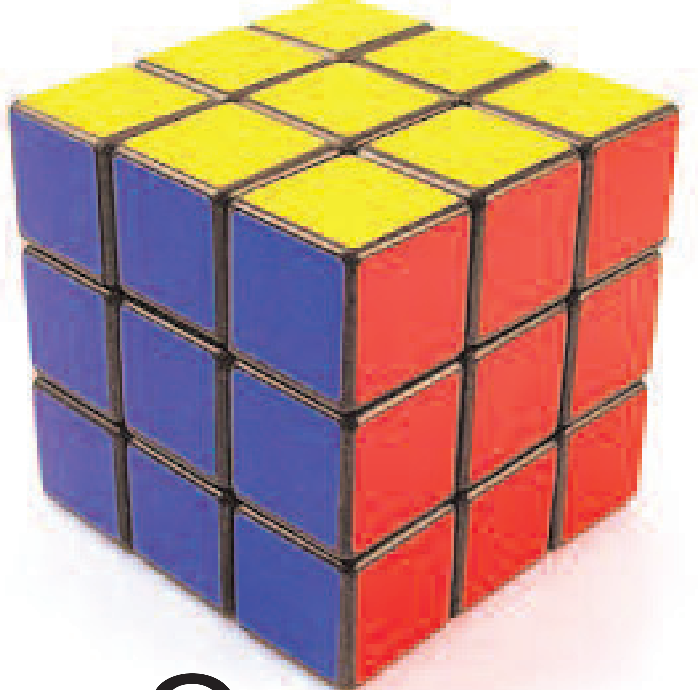

रूबिक क्यूब्स का तोड़ा रिकॉर्ड

अगर इंटेलिजेंट होने की बात आती है, तो रूबिक क्यूब्स में महारत की बात भी जरूर उठती है। आपको पता है कि रूबिक क्यूब्स क्या होते हैं?

दोस्तों, तुम सभी ने आकार में चौकोर कई रंग-बिरंगे खानों वाला यह क्यूब कभी न कभी खेला जरूर होगा। उसे हल करना आमतौर पर लोगों के लिए बहुत कठिन होता है। इसीलिए उसे जो सही-सही खेल ले, वह बड़ा बुद्धिमान माना जाता है। इस क्यूब को पसंद करने वालों में बहुत से ऐसे भी हैं, जो इसे सबसे जल्दी हल करने की प्रतियोगिता भी करते हैं। उन्हें 'स्पीड क्यूबर्स' के नाम से जाना जाता है। बहुत से लोग इसके लिए प्रसिद्ध हैं, जैसे कि भारत के भार्गव नरसिम्हन। वह एक जाने-माने स्पीड क्यूबर हैं। उनके नाम रूबिक क्यूब के दो नेशनल रिकॉर्ड हैं और अब खबर है कि उन्होंने 5 रूबीस क्यूब का वर्ल्ड रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया है। यह उन्होंने एक मिनट के अंदर हल कर दिया। यह काम उन्होंने केवल एक हाथ से ही कर दिखाया। वैसे भार्गव केवल 22 साल के हैं और अभी पढ़ाई कर रहे हैं। इनसे प्रेरणा लेकर तुम भी रूबिक क्यूब्स को जल्द से जल्द हल करने का मुकाबला रख सकते हो। तुम्हें बहुत मजा आएगा।

क्यों भारत को चाहिए सैकड़ों डॉ. तितियाल और दर्जनों एम्स

अभी बीते कुछ दिन पहले सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा था, जिसमें अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के राजेंद्र प्रसाद आई सेंटर के अध्यक्ष डॉ. जीवन सिंह तितियाल अपनी सरकारी सेवा से रिटायर होने के बाद साथियों और रोगियों से घिरे हुए हैं। उनकी आंखें नम हैं। दरअसल, प्रख्यात नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ.तितियाल नेत्र चिकित्सा में अपनी विशेषज्ञता और समर्पण भाव से मरीजों की देखभाल के लिए जाने जाते रहे। वे लगभग साढ़े चार दशकों तक एम्स से जुड़े रहे। इस दौरान उन्होंने हजारों रोगियों का इलाज किया और वे लगभग इतने ही छात्रों के गुरु भी रहे। अगर एम्स को देश का सबसे बेहतर अस्पताल माना जाता है, तो उसे इस मुकाम पर लेकर जाने में डॉ. तितियाल जैसे डॉक्टरों का भी अहम रोल रहा है। डॉ. तितियाल के मार्गदर्शन में कई युवा नेत्र रोग विशेषज्ञों ने उच्च स्तर की सफलता हासिल की है। देखिए, किसी भी सफल डॉक्टर को अपने क्षेत्र में हो रहे नए अनुसंधानों को लेकर अपडेट तो होना ही चाहिए। उन्हें नवीनतम चिकित्सा अनुसंधान, उपचार और तकनीकों के बारे में अच्छी तरह पता होना चाहिए। इस लिहाज से डॉ. तितियाल बेजोड़ रहे। डॉ.तितियाल सही ढंग से रोग का निदान करने और उपयुक्त उपचार योजना बनाने में भी सक्षम हैं। इसमें रोगी के लक्षणों, चिकित्सा इतिहास और परीक्षण परिणामों का विश्लेषण करना शामिल है। डॉक्टर को मरीजों को उनकी बीमारी और उपचार विकल्पों को स्पष्ट और सरल तरीके से समझाने में सक्षम होना चाहिए। डॉ. तितियाल एम्स के मरीजों को ध्यान से सुनते थे और उनकी चिंताओं और सवालों को गहराई से समझते थे। उनसे मिलकर रोगी आश्वस्त महसूस करता था। वे सभी मरीजों के साथ सम्मान और गरिमापूर्ण व्यवहार रखते थे, चाहे उनकी पृष्ठभूमि कुछ भी हो। डॉ. तितियाल मोतियाबिंद सर्जरी में विशेषज्ञ हैं, जिसमें फेकोइमल्सीफिकेशन और इंट्राओकुलर लेंस प्रत्यारोपण जैसी आधुनिक तकनीकें शामिल हैं। उन्होंने कई जटिल मोतियाबिंद सर्जरी सफलतापूर्वक की। वे कॉर्निया प्रत्यारोपण, टेरिगियम सर्जरी और अपवर्तक सर्जरी (जैसे लेसिक) में भी कुशल हैं। उनकी विशेषज्ञता कॉर्निया से संबंधित विभिन्न बीमारियों के इलाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। डॉ. तितियाल ग्लूकोमा के निदान और उपचार में भी अनुभवी हैं, जिसमें दवाओं, लेजर उपचार और सर्जरी का उपयोग शामिल है। इसके अलावा वे सामान्य नेत्र रोगों जैसे कि कंजंक्टिवाइटिस, ड्राई आई सिंड्रोम और अन्य नेत्र संक्रमणों का इलाज करने में भी सक्षम हैं। वे नेत्र विज्ञान के क्षेत्र में अनुसंधान में भी सक्रिय रूप से शामिल हैं। उनके शोध प्रकाशन अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित होते हैं, जो उनके वैज्ञानिक योगदान को दशार्ते हैं। वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय नेत्र विज्ञान सम्मेलनों में नियमित रूप से भाग लेते हैं और अपने ज्ञान और अनुभव को साझा करते हैं। डॉ. तितियाल अपने मरीजों के प्रति समर्पित हैं और उनकी हर समस्या को ध्यान से सुनते हैं। वे व्यक्तिगत देखभाल प्रदान करने में विश्वास रखते हैं। वे मरीजों के साथ सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार करते रहे। वे नवीनतम तकनीकों और उपचार विधियों का उपयोग करके मरीजों को सर्वोत्तम संभव देखभाल प्रदान करते रहे। उम्मीद करनी चाहिए कि वे आगे भी अपनी सेवाएं देते रहेंगे। डॉ. तितियाल ने जटिल मोतियाबिंद के मामलों के प्रबंधन पर भी महत्वपूर्ण शोध किया है, जैसे कि वे मामले जिनमें पुतली सिकुड़ी हुई है या लेंस का विस्थापन हुआ है। उनके शोध ने ऐसे रोगियों के लिए बेहतर उपचार विकल्प प्रदान किए हैं। डॉ. तितियाल ने ग्लूकोमा के शुरूआती निदान के लिए नई तकनीकों का अध्ययन किया है। उन्होंने ऑप्टिकल कोहेरेंस टोमोग्राफी और अन्य इमेजिंग तकनीकों का उपयोग कर-के ग्लूकोमा से प्रभावित तंत्रिका फाइबर परत में होने वाले सूक्ष्म परिवर्तनों का अध्ययन किया है। उन्होंने ग्लूकोमा के इलाज के लिए नए चिकित्सीय तरीकों की खोज में भी योगदान दिया है। उनके शोध में विभिन्न प्रकार की दवाइयों और शल्य चिकित्सा विकल्पों की प्रभावशीलता का मूल्यांकन किया गया है। उन्होंने ग्लूकोमा की प्रगति की निगरानी के लिए नए तरीकों का अध्ययन किया है। उनके शोध से चिकित्सकों को ग्लूकोमा के रोगियों में दृष्टि हानि को रोकने में मदद मिली है। डॉ. तितियाल ने कॉर्निया प्रत्यारोपण में उपयोग की जाने वाली नवीन तकनीकों का विकास किया है। उन्होंने एंडोथेलियल केराटोप्लास्टी जैसी तकनीकों का अध्ययन किया है, जो कॉर्निया प्रत्यारोपण के बाद जटिलताओं को कम करने में मदद करती हैं। उन्होंने सूखी आंख के कारणों और उपचार पर भी शोध किया है। उनके शोध ने सूखी आंख से पीड़ित रोगियों के लिए बेहतर उपचार विकल्प प्रदान किए हैं। डॉ. तितियाल ने कॉर्नियल संक्रमणों के प्रबंधन पर भी शोध किया है। उनके शोध ने इन संक्रमणों के लिए प्रभावी एंटीबायोटिक दवाओं और अन्य उपचारों की पहचान करने में मदद की है। डॉ. तितियाल का शोध नेत्र विज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण रहा है। उनके शोध ने मोतियाबिंद सर्जरी को अधिक सुरक्षित और प्रभावी बनाने में मदद की है, ग्लूकोमा के शुरूआती निदान और उपचार को बेहतर बनाया है और कॉर्नियल बीमारियों के इलाज के लिए नए विकल्प प्रदान किए हैं। उन्होंने रेटिना रोगों के प्रबंधन में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। डॉ. तितियाल की तरह एम्स से ना जाने कितने डॉक्टर एमबीबीएस,एमएस,एमडी वगैरह करने के बाद दुनिया के सर्वश्रेष्ठ डॉक्टर के रूप में स्थापित हुए।

महाकुंभ : भारतीय चिंतन की वैज्ञानिकता का प्रतीक

ANALYSIS

✍ रमेश शर्मा

> एक स्थान से दूसरे स्थान पर आयोजित होने वाले कुंभ के बीच तीन वर्षों का अंतर होता है, जबकि एक ही स्थान पर दोबारा कुंभ आयोजन में बारह वर्ष का अंतर होता है। इस प्रकार प्रयागराज में यह कुंभ बारह वर्ष बाद आयोजित हो रहा है। पूजन अनुष्ठान के बाद औपचारिक शुभारंभ 14 जनवरी मकर संक्रांति से होगा, पर संत समाज और अखाड़े समय से पहले पहुंच गए हैं। उनके पंडाल सज गए हैं। भारत के प्रत्येक क्षेत्र और परंपरा के संत प्रयागराज पहुंच गए हैं। प्रयागराज में पिछला महाकुंभ 2013 में हुआ था। इस बार पिछली बार की तुलना में कम-से-कम चार गुना अधिक तीर्थ यात्रियों के आने की संभावना है। तैयारी इसी संभावना को ध्यान में रखकर की जा रही है। तीर्थ यात्रियों की यह संख्या बढ़ने का कारण अयोध्या में रामलला के अपने जन्मस्थान पर विराजमान होना माना जा रहा है। इसके बाद भारत के सभी धार्मिक स्थलों में श्रद्धालुओं की बढ़ी है। अनुमान प्रतिदिन एक करोड़ श्रद्धालु प्रयागराज महाकुंभ में आ सकते हैं। यह महाकुंभ पूरे विश्व में विशेष आकर्षण का केंद्र है। इसमें भारत के अतिरिक्त विदेश से भी बड़ी संख्या में श्रद्धा अथवा कौतूहल से आते हैं।

प्रयागराज में विश्व का सबसे बड़ा मेला महाकुंभ आरंभ हो रहा है। मेले में भारतीय समाज जीवन के उस मूलतत्व के दर्शन होते हैं, जो सामाजिक समरसता और संपूर्ण भारत राष्ट्र की एक सूत्रबद्धता में निहित है। इसके साथ तिथि निर्धारण में भारत की समृद्ध विज्ञान परंपरा की स्पष्ट झलक मिलती है। प्रयागराज में इस वर्ष यह महाकुंभ 14 जनवरी से आरंभ हो रहा है और 26 फरवरी तक 45 दिन चलेगा। कुंभ मेला प्रयागराज के अतिरिक्त हरिद्वार, नासिक और उज्जैन में भी आयोजित होता है। एक स्थान से दूसरे स्थान पर आयोजित होने वाले कुंभ के बीच तीन वर्षों का अंतर होता है, जबकि एक ही स्थान पर दोबारा कुंभ आयोजन में बारह वर्ष का अंतर होता है। इस प्रकार प्रयागराज में यह कुंभ बारह वर्ष बाद आयोजित हो रहा है। पूजन अनुष्ठान के बाद औपचारिक शुभारंभ 14 जनवरी मकर संक्रांति से होगा, पर संत समाज और अखाड़े समय से पहले पहुंच गए हैं। उनके पंडाल सज गए हैं। भारत के प्रत्येक क्षेत्र और परंपरा के संत प्रयागराज पहुंच गए हैं। प्रयागराज में पिछला महाकुंभ 2013 में हुआ था। इस बार पिछली बार की तुलना में कम-से-कम चार गुना अधिक तीर्थ यात्रियों के आने की संभावना है। तैयारी इसी संभावना को ध्यान में रखकर की जा रही है। तीर्थ यात्रियों की यह संख्या बढ़ने का कारण अयोध्या में रामलला के अपने जन्मस्थान पर विराजमान होना माना जा रहा है। इसके बाद भारत के सभी धार्मिक स्थलों में श्रद्धालुओं की बढ़ी है। अनुमान प्रतिदिन एक करोड़ श्रद्धालु प्रयागराज महाकुंभ में आ सकते हैं। यह महाकुंभ पूरे विश्व में विशेष आकर्षण का केंद्र है। इसमें भारत के अतिरिक्त विदेश से भी बड़ी संख्या में श्रद्धा अथवा कौतूहल से आते हैं। इनमें समाज के प्रत्येक वर्ग से होते हैं। सामान्य जन, एवं साधु-संत के अतिरिक्त नृत्य, संगीत, साहित्यिक और शोधकर्ता भी होते हैं। सभी वर्गों की सभाएं भी होती हैं, सैकड़ों पांडाल तो कथा एवं प्रवचन के होते हैं। हजारों दुकानें लगती हैं। इसी सबको ध्यान में रखकर संगम के किनारे तैयारी की गई है। लगभग चार हजार हेक्टेयर से भी अधिक क्षेत्र मेले के लिए सुरक्षित किया गया है। इस वर्ष मेला तैयारी के लिए 6,382 करोड़ रुपये का बजट है। पूरे क्षेत्र में पाइपलाइन बिछाकर पेयजल की व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था तथा तंबू आदि पर व्यय होना है। गुप्तचर विभाग के संकेत के बाद इस वर्ष महाकुंभ सुरक्षा के लिए अतिरिक्त और अत्याधुनिक व्यवस्था भी गई है। तीर्थ यात्रियों की सुविधा का भी पिछली बार की तुलना में अधिक साधन उपलब्ध कराये जा रहे हैं। इसे मेले के लिए की गई पेयजल आपूर्ति व्यवस्था से समझा जा सकता है। पेयजल आपूर्ति के लिए मेला क्षेत्र में 1249 किलोमीटर पाइपलाइन बिछाई गई है। 200 वाटर एटीएम और 85 वाटर पंप इसके अतिरिक्त हैं। राजमार्गों पर सात हजार बसें चलाई जा रही हैं। मेले के भीतर भी 550 शटल बसों की व्यवस्था की गई है। प्रयागराज विमानतल का भी नवीनीकरण हुआ है। एक नई टर्मिनल बिल्डिंग और विमानों के पार्क होने वाले परिक्षेत्र का भी विस्तार हुआ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मेले की व्यवस्था में व्यक्तिगत रुचि ले रहे हैं। लगभग दो वर्षों से मेला क्षेत्र में व्यवस्था बनाना आरंभ कर दिया गया था। जैसे-जैसे तिथियां समीप आईं, वैसे-वैसे उनकी प्रयागराज यात्रा बढ़ी। अभी हाल ही बीते दिसंबर माह में ही मुख्यमंत्री ने चार यात्राएं की। प्रयागराज सहित चारों स्थानों पर होने वाले कुंभ की तिथियों का निर्धारण यूं ही नहीं होता। यह अंतरिक्ष में सूर्य, चंद्र, गुरु और शनि की स्थिति के अनुसार होता है। गुरु जब कुंभ राशि में और सूर्य मेष राशि में प्रवेश करते हैं, तब हरिद्वार (उत्तराखंड) में, सूर्य एवं गुरु जब सिंह राशि में होते हैं तब नासिक (महाराष्ट्र) में, गुरु जब कुंभ राशि में प्रवेश करते है, तब उज्जैन (मध्यप्रदेश) में और जब गुरु मेष राशि में हों, एवं चंद्रमा के साथ सूर्य मकर राशि में प्रवेश करें, तब प्रयागराज (उत्तर प्रदेश) में कुंभ का आयोजन होता है। भारत के इतिहास में जहां तक दृष्टि जाती है, कुंभ के आयोजन का संदर्भ मिलता है। मौर्यकाल में भी और शुंग काल में भी। गुप्तकाल में तो कुंभ का बहुत विस्तार से वर्णन मिलता है। गुप्तकाल के इस विवरण में ग्रहों की स्थिति के अनुसार कुंभ के आयोजन का उल्लेख है। यदि गुप्तकाल को ग्रह नक्षत्र के अनुसार कुंभ का आरंभ मान लिया जाए तो यह अपने आप प्रमाणित है कि लगभग डेढ़ हजार वर्ष पूर्व भी भारत मनीषियों का अंतरिक्ष विज्ञान बहुत उन्नत और व्यापक था। भारतीय चिंतकों द्वारा डेढ़ हजार पूर्व ग्रहों की गति और तिथि गणना कितनी सटीक थी, वह आज के आधुनिक विज्ञान के निष्कर्ष से मेल खाती है। जबकि सोलहवीं शताब्दी तक पूरी दुनिया ग्रहों के ज्ञान से अपरिचित थी। यदि गैलीलियो और ब्रूनों ने अंतरिक्ष विज्ञान के बारे में कुछ शोधपरक बात बताई तो गैलीलियो को जेल और ब्रूनों को मौत की सजा दी गई थी, जबकि भारत में अंतरिक्ष विज्ञान की झलक वेदों में भी मिलती है। उसका ध्यान समाज जीवन में कितना व्यापक था, इसे कुंभ की तिथियों के निर्धारण की गणना से समझा जा सकता है। बृहस्पति एक राशि लगभग एक वर्ष रहते हैं। सभी राशियों में भ्रमण करते हुए उन्हें पुनः उसी राशि में लौटने में 12 वर्ष लगते हैं। इसलिए एक स्थान पर कुंभ के पुनः आयोजन में बारह वर्ष लगते हैं। कुंभ तिथि निर्धारण का यह सिद्धांत स्पष्ट करता है कि भारत में केवल सूर्य, चंद्रमा या पृथ्वी का ही नहीं, अंतरिक्ष जगत के अन्य ग्रहों की सटीक जानकारी थी । भारतीय समाज रचना का मूल स्वरूप कैसा है, इसकी झलक भी कुंभ मेले में मिलती है। यद्यपि हमलावरों ने भारत पर अपनी विजय के लिए विभाजन की नीति अपनाई थी। सिकंदर के आक्रमण से सल्तनतकाल तक राज्यों के विभाजन की नीति और अंग्रेजीकाल में जाति विभाजन की नीति बनाई। अंग्रेजीकाल के इस षड्यंत्र को आज भी हम सरकारी नीतियों और राजनीति की राहों में देख सकते हैं। लेकिन, भारतीय समाज जीवन कितना समरस है, इसका दर्शन भारत के किसी भी तीर्थस्थल और महाकुंभ में देखा जा सकता हैं। वर्ष 2013 में संपन्न प्रयागराज महाकुंभ में लगभग बारह करोड़ श्रद्धालुओं ने गंगाजी और संगम में स्नान किया था। इनमें भारत के प्रत्येक समाज वर्ग के लोग थे। इसमें धनी लोग भी थे और निर्धन भी, वनवासी भी थे और ग्रामवासी भी। नगरवासी भी थे और विदेशी भी, सबने एक दूसरे का सहयोग करके डुबकी लगाई थी। ऐसे सैकड़ों-हजारों लोग थे, जिन्होंने अपरिचित का हाथ पकड़ कर उसे डुबकी लगवाई थी। किसी ने किसी से जाति नहीं पूछी, नाम-पता नहीं पूछा। किसी की झलकती अमीरी या गरीबी देखकर मुंह न फेरा। सबने हंसते-हंसाते भजन गाते या हर-हर गंगे का उद्घोष करते डुबकी लगाई थी। विशेष पर्व के दिनों जब घाटों पर भीड़ बढ़ जाती है, तब किनारे पर पंक्ति बनाकर श्रद्धालुओं को रोका जाता है। सब एक पंक्ति में होते हैं। कोई किसी से उसकी जाति नहीं पूछता। कुंभ मेले में सैकड़ों-हजारों दुकानें लगती हैं। आधी से अधिक तो खाने-पीने और प्रसाद की वस्तुओं की होती हैं, पर भोजन सामग्री भी बिना किसी पूछताछ के प्रसाद खरीदकर भगवान को अर्पण होती है और अपने घर लाकर पड़ोसियों और शुभचिंतकों में वितरित की जाती है। भारतीय समाज जीवन का यही समरस स्वरूप उसकी वास्तविकता है, जो महाकुंभ में इस बार भी साक्षात हो रहा है।

विपक्ष की राजनीति में बड़ा बदलाव

आम आदमी पार्टी और कांग्रेस दिल्ली विधानसभा चुनाव अलग-अलग लड़ रही हैं। इसके पीछे सामान्य तर्क यह है कि गठबंधन लोकसभा चुनाव के लिए था। आईएनडीआईए के किसी दल ने कांग्रेस का समर्थन नहीं किया है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने आप के लिए सभाएं करने की घोषणा की है और तृणमूल कांग्रेस एवं शिवसेना-उद्धव ने केजरीवाल को समर्थन देने की बात कही है। तेजस्वी यादव ने भी कहा है कि गठबंधन तो लोकसभा चुनाव के लिए था। हालांकि बिहार के संदर्भ में उन्होंने कांग्रेस के साथ होने का संकेत दिया। इसी दौरान महाराष्ट्र में आश्चर्यजनक परिवर्तन दिखा। उद्धव ठाकरे, संजय राउत और सुप्रिया सुले ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की खुलकर प्रशंसा की। इसकी कल्पना नहीं थी। बीते दिनों शरद पवार प्रधानमंत्री मोदी से मिले और वह भी ऐसे समय, जब भाजपा वक्फ संशोधन विधेयक से लेकर समान नागरिक संहिता पर प्रतिबद्धता दिखा रही है। हाल में पवार यह भी कह चुके हैं कि संघ के स्वयंसेवकों ने मेहनत की, जिसका लाभ भाजपा को मिला। इस सबका एक संकेत यही है कि आईएनडीआईए के घटक कांग्रेस के विरुद्ध हो रहे हैं। हाल में आईएनडीआईए में नेतृत्व बदलाव की बात पर ममता बनर्जी का नाम आया और उन्होंने कहा भी कि मैं तैयार हूं। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव परिणाम के बाद आईएनडीआईए में कांग्रेस विरोधी क्षेत्रीय दलों की एकजुटता का जो स्वर निकला, वह दिल्ली विधानसभा चुनाव में सशक्त होता दिख रहा है। भविष्य की राजनीति पर इसके गहरे प्रभाव पड़ने वाले हैं। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि अरविंद केजरीवाल हिंदुत्व की राजनीति को भी आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने मंदिरों के पुजारियों और गुरुद्वारे के ग्रंथियों को वेतन देने का वादा किया है। लगता है कि आप हिंदुत्व पर भाजपा को सीधी चुनौती देने वाली पार्टी की छवि बनाना चाहती है। इसी से जुड़ा पहलू इमामों को 18 महीने से वेतन नहीं दिया जाना है। इमामों का एक संगठन लगातार प्रदर्शन कर रहा है, किंतु न केजरीवाल उससे मिल रहे हैं और न कुछ बोल रहे हैं। यह रणनीति है कि हिंदुत्व समर्थकों को संदेश दिया जाए कि हमने इमामों के वेतन की घोषणा की, पर दे नहीं रहे हैं और अब पुजारियों और ग्रंथियों को वेतन देंगे। इसके पहले उन्होंने हिंदू श्रद्धालुओं के लिए तीर्थाटन की योजना शुरू की। आईएनडीआईए में वह अकेले नेता हैं, जिन्होंने परिवार सहित अयोध्या जाकर श्रीरामलला का दर्शन किया। यह नीति आईएनडीआईए के शेष दलों के अभी तक के राजनीतिक व्यवहार के विपरीत है। केजरीवाल वंदे मातरम और भारत माता की जय का नारा लगाते हैं। आईएनडीआईए के नेता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तीखी निंदा करते हैं। इसके विपरीत केजरीवाल ने संघ प्रमुख मोहन भागवत को सम्मानजनक तरीके से पत्र लिखकर पूछा कि भाजपा जिस तरह मतदाताओं के नाम कटवा रही है, क्या आप उससे सहमत हैं। इसके पहले उन्होंने भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा द्वारा संघ की कोई आवश्यकता नहीं वाले बयान को उद्धत करते हुए पूछा था कि क्या इससे आपको दुख नहीं पहुंचा। ध्यान रहे कि केजरीवाल ने अभी तक किसी विचार के प्रति प्रतिबद्धता नहीं दिखाई है। वह अपनी राजनीति के लिए अपना रुख बदल देते हैं। आईएनडीआईए घटकों का हालिया व्यवहार बड़े बदलाव का संकेत है। इसमें संदेह है, तो थोड़ा पीछे लौटिए। 2021 विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी मंचों पर चंडी पाठ करते हुए स्वयं को निष्ठावान हिंदू साबित कर रही थीं। एक समय कांग्रेस के रणनीतिकार भी राहुल गांधी की निष्ठावान हिंदू वाली छवि बनाने की कोशिश कर रहे थे। कांग्रेस के मीडिया प्रमुख रहे रणदीप सिंह सुरजेवाला ने तो यहां तक कहा कि वह जनेऊधारी ब्राह्मण हैं। 2019 लोकसभा चुनाव के बाद कांग्रेस की रणनीति बदली और भाजपा विरोधी तथा विशेषकर मुस्लिम मतों को साथ लाने के लिए अतिवादी कवायदें चलने लगीं। पिछले विधानसभा चुनाव में स्वयं को नास्तिकवादी मानने वाली पार्टी द्रविड़ मुनेत्र कषगम ने हिंदुओं को तीर्थ यात्राएं कराने एवं मंदिरों के जीर्णोद्धार के लिए राशि देने का एलान किया था। वास्तव में हरियाणा और महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव परिणामों के बाद आईएनडीआईए के अंदर अनेक नेताओं की धारणा बनी है कि हिंदुत्व लंबे समय तक मतदान के पीछे एक प्रमुख कारक होगा। भाजपा अपने आंतरिक या अन्य कई कारणों से कोई चुनाव हार सकती है या उसकी सीटें कम हो सकती हैं, लेकिन हिंदुत्व के प्रति मुखरता तथा अपनी पहचान को लेकर जो भावनाएं पिछले वर्षों में सशक्त हुई हैं, वे जाने वाली नहीं हैं। वे यह भी समझ रहे हैं कि कट्टर मुस्लिम नेताओं के बयानों पर शांत रहने और केवल भाजपा एवं संघ को कोसने के विरुद्ध आम मतदाताओं में विपरीत प्रतिक्रिया होती है। लगता है कि केजरीवाल ने इसे सही से समझा है। आईएनडीआईए के अन्य घटकों को भी यह लग रहा है कि कांग्रेस जिस तरह खुद को मुस्लिमपरस्त पार्टी साबित कर रही है, उससे आगे क्षति ही ज्यादा होनी है। ध्यान रहे कि अधिकांश दलों को हिंदुत्व से ज्यादा परहेज नहीं रहा है। वे केवल भाजपा के विरुद्ध राजनीति के लिए सेक्युलरवाद या अल्पसंख्यकवाद की नीति अपनाते रहे हैं। शरद पवार के नेतृत्व वाली राकांपा या शिवसेना उद्धव जैसी पार्टियों के लिए इसमें कोई समस्या भी नहीं है। द्रमुक भी वाजपेयी सरकार में साझीदार रह चुकी है।

Social Media Corner

सच के हक में...

अयोध्या में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा की प्रथम वर्षगांठ पर समस्त देशवासियों को बहुत-बहुत शुभकामनाएं। सदियों के त्याग, तपस्या और संघर्ष से बना यह मंदिर हमारी संस्कृति और अध्यात्म की महान धरोहर है। मुझे विश्वास है कि यह दिव्य-भव्य राम मंदिर विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि में एक बड़ी प्रेरणा बनेगा।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

जय श्री राम! अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की प्रथम वर्षगांठ की सभी रामभक्तों को हार्दिक शुभकामनाएं। प्रभु श्री राम का जीवन मानवता और नैतिकता का अनुपम उदाहरण है। 500 वर्षों की प्रतीक्षा को समाप्त करते हुए, गत वर्ष मोदी जी ने अयोध्या में प्रभु श्री रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा कर पूरे देश में आध्यात्मिक चेतना का पुनर्जागरण किया। यह भव्य मंदिर सदियों तक देशवासियों की आस्था और आकांक्षा का प्रतीक बना रहेगा। श्री राम जन्मभूमि आंदोलन में योगदान देने वाले सभी महानुभावों का स्मरण कर उनका आभार व्यक्त करता हूँ। मोदी सरकार सांस्कृतिक विरासतों के पुनरोत्थान की दिशा में समर्पित भाव से कार्य करती रहेगी।

(गृह मंत्री अमित शाह का 'एक्स' पर पोस्ट)

क्या चीन में फैला है जानलेवा वायरस

सारी दुनिया में चर्चा है कि चीन में एक बार फिर कोरोना वायरस अथवा उसके जैसा ही खतरनाक, जानलेवा वायरस फैला है। चीन खामोश है। क्या चीन इस बार भी संक्रमण के विस्फोट और विस्तार को छिपाए रखेगा। भारत सरकार ने विश्व स्वास्थ्य संगठन से इन सवालों के स्पष्टीकरण मांगे हैं। क्या यह संगठन पुष्टि करेगा कि चीन में किस तरह का संक्रमण फैला है और वह भारत सरीखे पड़ोसी देशों के लिए कितना भयावह साबित हो सकता है। भारत का ह्यनेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल (एनसीडीसी) देश में सांस और मौसमी इन्फ्लूएंजा के मामलों पर करीबी नजर रखे है। संयुक्त निगरानी समिति जांच कर रही है कि देश पर किसी तरह के वायरस का प्रभाव शुरू हुआ है या नहीं। अलबत्ता जनता को आश्वस्त किया जा रहा है कि फिलहाल चिंता और दहशत की स्थिति नहीं है। चीन में ह्यूमन मेटापन्यूमो वायरस (एचएमपीवी) के संक्रमण फैलने की खबर की पुष्टि हुई है। यह वायरस भी कोरोना महामारी के वायरस जैसा ही बताया जा रहा है। टीवी चैनलों पर कुछ वीडियो सार्वजनिक हुए हैं, जिनमें चीन के अस्पताल खचाखच भरे दिखाई दे रहे हैं। भीड़ का सैलाब उमड़ा है। लोग मास्क पहने हुए हैं। कुछ चीख-पुकार और कुछ बदहवासी का माहौल दिख रहा है। ऐसी भी सूचनाएं सार्वजनिक हुई हैं कि चीन में वायरस से मौतों का सिलसिला भी शुरू हो चुका है, लेकिन अभी तक कोई भी आंकड़ा घोषित या सत्यापित नहीं किया गया है। चीन सरकार इस बार भी खामोश है। चीन ने अपने यहां फ्लू के बड़े प्रकोप की खबरों को खारिज किया है। उसका यह रवैया नवंबर 2019 में भी लगभग यही था, जब कोरोना वायरस का पहला केस चीन के ही वुहान शहर में सामने आया था। तब उसे रहस्यमयी निमोनिया करार दिया गया था। चीन में ही कोरोना से हुई पहली मौत भी दर्ज की गई थी। कोरोना वैश्विक महामारी दुनिया भर ने झेली और 71 लाख से अधिक मौतें हुईं। भारत में भी करीब 5.5 लाख लोग कोरोना वायरस के संक्रमण के कारण मारे गए। इस त्रासदी को अभूतपूर्व माना गया। दुनिया में गैर-सरकारी संगठनों और एजेंसियों ने मौत के आंकड़े कई गुना अधिक बताए थे। बहरहाल कोरोना संक्रमण के तनाव, भय, दंश, मौतों से लेकर आर्थिक तालाबंदी का वह दौर इतना भयावह था कि हम भूल नहीं सकते। भूलना भी नहीं चाहिए। चीन खुद को एक किले में बंद रखता आया है। वहां सामान्य मीडिया, सोशल मीडिया ही नहीं, लोगों पर भी पाबंदियां हैं कि वे किसी भी तरह की सूचना को सार्वजनिक नहीं कर सकते। जो कहना है, वह चीन सरकार ही कहेगी। वहां जो वायरस फैला है, उसके लक्षण भी कोरोना सरीखे ही हैं। लोगों में तेज बुखार देखा जा रहा है। फेफड़ों में संक्रमण और सांस लेने में परेशानी की खबरें भी आई हैं, लेकिन चीन में इस वायरस का प्रभाव कुछ अलग देखा जा रहा है कि संक्रमण 5 साल की उम्र से छोटे बच्चों में फैल रहा है। कोरोना संक्रमण से बच्चे प्रभावित नहीं हुए थे। उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता जन्म से ही मजबूत आंकी गई थी। कोरोना संक्रमण के शिकार बड़ी उम्र के लोग और अधिकतर बुजुर्ग लोग ही हुए। चीन ने अभी तक सांस संबंधी सामान्य संक्रमण को ही स्वीकार किया है। वहां के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि विदेशियों के लिए चीन की यात्रा बिलकुल सुरक्षित है। प्रवक्ता के मुताबिक, सर्दियों के मौसम में संक्रमण चरम पर होता है, लेकिन बीते वर्ष की तुलना में बीमारियां छोटे स्तर पर ही फैल रही हैं। बहरहाल, अब दायित्व विश्व स्वास्थ्य संगठन का है कि वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्पष्ट करे कि चीन में कोरोना सरीखे वायरस की मौजूदा स्थिति क्या है।

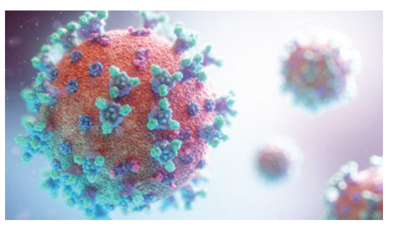

मंद होता विकास

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने 2024-25 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) से संबंधित अपने पहले अनुमान में इस साल के दौरान अर्थव्यवस्था की साफ तौर पर सुस्त रफ्तार के बारे में उभरती आशंकाओं की पुष्टि की है। जहां चुनाव केंद्रित पहली तिमाही ने सार्वजनिक पूंजीगत व्यय पर असर डाला, वहीं दूसरी तिमाही कमजोर मांग और अभी भी कम सार्वजनिक पूंजीगत व्यय के चलते प्रभावित हुई। नतीजतन, सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर लुढ़कर सात तिमाही के निचले स्तर 5.4 फीसदी पर आ गई। भारत द्वारा चौथे साल सात फीसदी से ज्यादा की वृद्धि दर्ज करने का अनुमान लगाने वाले केंद्र और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने अपनी उम्मीदों को घटाकर क्रमशः लगभग 6.5 फीसद और 6.6 प्रतिशत तक सीमित कर दिया। यह अनुमान पहली छमाही की छह फीसद की वृद्धि दर की भरपाई करने के लिए साल की दूसरी छमाही में लगभग सात फीसद की वृद्धि दर की उम्मीदों पर आधारित था। थोड़ा कम आशावादी लगने वाले एनएसओ को आशंका है कि सकल घरेलू उत्पाद 2023-24 में 8.2 फीसदी से घटकर चार साल की सबसे कम रफ्तार 6.4 फीसदी की दर से बढ़ेगा, जबकि कृषि में पिछले साल की तुलना में काफी तेज बढ़ोतरी देखी गई है। मैन्यूफैक्चरिंग और खनन क्षेत्र की वृद्धि दर लगभग आधी हो सकती है और सेवा क्षेत्र भले ही अपेक्षाकृत बेहतर हालत में दिख रहे हों, फिर भी रफ्तार में कमी को लेकर कुछ चिंताएं हैं। मैन्यूफैक्चरिंग और सेवाओं, दोनों के लिए क्रय प्रबंधकों के सूचकांक (परचेजिंग मैनेजर्स इन्डीसेस) का औसत तीसरी तिमाही के दौरान दूसरी तिमाही के मुकाबले कम रहा। एनएसओ को उम्मीद है कि इस साल निजी उपभोग पिछले साल के चार फीसदी से बढ़कर 7.3 फीसदी हो जाएगा। लेकिन, तीसरी तिमाही के रुझान शहरी मांग में किसी उल्लेखनीय वृद्धि का संकेत नहीं देते हैं।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Why China has made new units in Aksai Chin

China has just announced the creation of two new counties in Xinjiang: He'an and Hekang. These counties will cover the entire Aksai Chin plateau, including the 38,000 square km area claimed by India. Hongliu (Dahongliutan) is being announced as the capital of He'an and Xeyidula (Shahidullah) of Hekang.On December 27, 2024, Xinhua reported that the decision to create two new counties out of Hotan (Khotan) and Pishan counties had been approved by the Central Committee of the Communist Party of China and the State Council. The move comes after the Indian and Chinese troops completed the disengagement process along the LAC on October 28, 2024.The reason for Khotan's division is not clear. Gaustana or Godaniya, which translates to 'land of the cows' in Sanskrit, is Hotan's original name. It was called Ling-yul by the Ladakhis and Yu-ten by the Chinese.Before the Chinese arrived here in the ninth and tenth centuries, Khotan was an important point on the Silk Road, with a flourishing Indian culture. It was the centre of the ancient Buddhist Saka Kingdom. Khotan was ruled by Mirza Abu Bakr Dughlat before Gazi Sultan Syed Khan established the Yarkand Khanate in 1510.Khotan became a county in 1913 after the collapse of the Qing Empire. In 1919, the Karakax/Moyu county was separated from Khotan. In 1933, Muhammad Amin Bughra, a local Amir, declared Khotan an Emirate. The People's Liberation Army entered Hotan on December 22, 1949. In 2013, a Muslim uprising in Hanerik resulted in the death of hundreds of people.The greater part of Aksai Chin, which includes the picturesque Aksai Chin Lake or Amtogor Tso, will be included in the new He'an county, with Hongliu as its capital. Southeast of the Lingzi-Thang plains is Surigh Yilganing Kol, also called Salikyaili Genzhi Tso, from where Indian nomads collected salt until the 1950s to trade with other areas.India's claims line encompasses the strategically crucial Tianshuihai, which is also called by Ladakhis as the Thalda Basin or Mapothang. Tianshuihai is situated east of the Lakh-Zang range and northwest of the Aksai Chin Lake, which separates the Aksai Chin plateau from the Lingzi-Thang plains in the south and the Kunlun plains in the north.The 1962 clash between India and China took place in these locations. Tianshuihai and Tianwendian are major military sites in the PLA area, which is traversed by China's G315 and G219 highways.

The LAC is situated near Hongliu town, which is also called Dahongliutan. The place was earlier a barren stop for trucks travelling on the G219 highway. The area has become a hot spot for rare metal mining due to the abundant resources of lithium, rubidium, beryllium, tantalum and niobium. The Chinese have been developing infrastructure to make use of the abundant pegmatite resource in Dahongliutan, which is believed to have more than 2 million tonnes of lithium. It's possible that Hongliu's new administrative town is being constructed to promote mining. There are almost no villages in the region.It is inevitable that Aksai Chin, which is uninhabited, will eventually be subjected to a colonising mission. With large-scale investments by China in infrastructure and mining, Han migrants could enter the area claimed by India. China is possibly aiming to turn this deserted and prone-to-war frontier area into an economic outpost by connecting it to the global network as part of the Belt and Road Initiative.

It appears that the Hekang county, with Xeyidula (Shahidullah) as its capital, is being created from the current Pishan/Guma county. From here, the Karakash (Black Jade) river flows north into Khotan and becomes closer to Karakoram. Shahidulla in the Karakash Valley was a vital point of entry and location for the British, Russian, Chinese and Kashmiri empires during the Great Game.The Hindu Tash region in the Kunlun range was the extent of India's dominance at that time. Sumgal (meaning "three fords" in Ladakhi), which used to be the main route between Karakash and Khotan, is located between the Hindu-Tash mountain and the Aksai Chin plains.

Women defence officers are not cosmetic appendages

Now the real battle for women officers is to be prepared for gender-neutral norms, where they will be called on to deliver equal performance in all aspects of military service

When the annals are compiled of how women entered the forbidding portals of the Indian armed forces, at first hesitantly, then with more confidence when they found that the judiciary was prepared to call the system's bluff, the names of a handful of courageous women will be right up there. Smartly dressed women leading parades at Rajpath, flying aircraft or serving in militancy-infested areas are seen as India's pride. They are frequently brought out on display during ceremonial occasions as evidence that women do have an equal opportunity of employment as enshrined under the Constitution.

Few, however, know of the odds they have battled to reach there. They have battled gender discrimination, patriarchy, prejudice, stereotypes and humiliation only because, as an honourable judge notes, "they were women."

The recent controversy over a leaked letter by a Corps Commander to his superior officer, the Eastern Army Commander, that contained adverse comments about the performance of eight women commanding officers under him give us a rude insight into what the Army's top brass really thinks about having women working alongside them in command and other assignments. The worthy general did not feel the need to do a similar evaluation of the 40-odd male commanding officers in his command.Be that as it may, the women corps will probably dismiss the general's slights with a wry smile because it is just one among the many hurdles they have overcome.The trajectory of women's participation in the armed forces has been charted in an anthology, appropriately titled 'In Her Defence'. It tells the story through essays and commentaries by jurists and academics. Edited by military lawyer Navdeep Singh and Shivani Dasmahapatra, it also busts several myths or 'urban legends', as advocates like to call the falsehoods that have grown around the issue.Chief among the falsehoods is that women have been clamouring for entry into frontline combat arms like the infantry or the armoured corps — areas that are barred for them as a matter of policy.

They have never done so. In fact, even the Supreme Court, which has pushed for gender parity in the armed forces, has desisted from interfering in the government's decision to keep women away from combat arms because "it was "conscious of the limitations of security and policy."So, what were the fights about? They began with something as basic as a permanent commission. A government notification of January 30, 1992 first made women eligible to become officers in some cadres, like the Army Postal Service, the Judge Advocate General's Department (JAG), the Army Education Corps (AEC) and some branches of the Army Ordnance and Army Service Corps. A year later, they began to be inducted into the Signals and Intelligence Corps as well as the Corps of Engineers, the Electrical and Mechanical Engineering and the Regiment of Artillery.

They were initially commissioned for five years and later, their service was extended to 14 years under the Women Special Entry Scheme, a Short Service

Commission (SSC) scheme. There is an SSC scheme for male officers, too, and some of them get permanent commission (PC), depending on their performance.In 2003, an advocate, Babita Puniya, through a public interest litigation (PIL) in the Delhi High Court, demanded that women appointed as SSC officers should be considered for PC, like their male colleagues. During the PIL's pendency, the government announced PC prospectively to women officers in only the JAG and AEC. Those commissioned earlier were excluded. Two serving officers, Major Leena Gaurav and Major Sandhya Yadav, joined the battle. The landscape of gender equality within the armed forces was about to change.In a landmark judgement, on March 12, 2010, the Delhi High Court, while upholding the women's contention, held that if women officers were deprived of PC while male officers were granted the opportunity for the same, it would be a violation of the principle of equality protected by the Constitution. The judgement was challenged before the SC by the Central government, but the SC did not stay its operation. The government dug in its heels for nine years, till February 2019, when it granted PC to SSC women officers in eight branches, with the caveat that they will be employed only in "staff appointments".

Another obstacle still lurked around the corner.

The SC found that the government's proposal to grant PC to women officers envisaged only those who had been in service for less than 14 years. Was it the women's fault that they had finished serving for 14 years and had to go home, while the government resisted implementing the Delhi High Court's 2010 order to grant them PC? The SC again cracked the whip and said that it was the Union government's failure to comply with the high court order, which had not been stayed by the SC. This forced the reluctant government to give PC to all women who had been employed as SSC officers and also opened the doors for them to assume command assignments.

But, hold on to the slow claps.

Around the same time, 17 SSC women officers of the Navy were also fighting it out for PC. One of the objections of the government before the courts was that as officers are required to serve on ships, it could not permit women to get PC because "there is an absence of toilet facilities for women" on board Naval ships!

Now that gender parity has been achieved, the real battle for women officers is to be prepared for gender-neutral norms, where they will be called on to deliver equal performance in all aspects of military service.For all these years, women officers have largely been seen as cosmetic appendages, handled with kid gloves and kept away from hard tasks, contributing to much angst among the male colleagues. Lt Col Anila Khatri pointed out recently how she was feted for doing 89 para jumps while male officers with more than 3,000 jumps found no mention.If viewed objectively, beyond the prism of women's rights, Lt Gen Rajeev Puri — whose letter created the controversy — was pointing out just that. He has recommended that there should be a policy on gender neutrality that covers postings and selections. "Gender neutrality lays emphasis on equality in dealing and progression irrespective of gender," he said in his letter.

Politicising Vcs

Politicising Vcs

The University Grants Commission (UGC) Draft Regulations 2025, released on Monday for public feedback, herald significant changes in higher education. While touted as reforms aligned with the National Education Policy (NEP) 2020, several provisions appear to dilute academic standards and invite undue politicisation into university administration. Most troubling is the removal of restrictions on contract teaching appointments. Under the previous guidelines, such appointments were capped at 10 per cent of an institution's total faculty. The removal of this cap risks turning critical academic positions into temporary, cost-cutting measures that prioritise convenience over quality. Contract positions, while expedient, undermine long-term institutional stability and the career prospects of the faculty.Equally contentious is the restructuring of vice-chancellor (VC) appointments. By granting chancellors — often state governors — the authority to appoint search

committees, the draft centralises power in a manner that could compromise university autonomy. Moreover, opening VC positions to industry experts and public sector professionals, while potentially bringing fresh perspectives, risks sidelining academics who understand the nuances of higher education. This redefinition of eligibility dilutes the academic integrity of university leadership. While the draft abolishes the outdated quantitative Academic Performance Indicator (API) system, replacing it with qualitative assessments, the implementation remains opaque. Criteria such as innovation, societal contributions and digital content creation are commendable but lack clear evaluation mechanisms, opening the door for favouritism.

It is argued that these changes will foster flexibility and inclusivity, yet the draft's rushed timeline for feedback — 30 days — raises concerns about genuine stakeholder engagement. Such sweeping reforms demand careful deliberation to safeguard academia from being reduced to a political battleground or a marketplace for short-term contracts. India's higher education institutions are pillars of intellectual and cultural progress. The UGC must ensure that reforms strengthen, rather than erode, their academic foundations. Anything less risks undermining the very purpose of education.

Alcohol intake entwined with cancer risk

It's critical to guard against industry lobbies that try to stall health-related regulations

The new year has begun with a new health warning. America's Surgeon General Vivek Murthy has released an advisory, pointing to a direct link between alcohol consumption and increased cancer risk. Alcohol consumption is the third leading preventable cause of cancer in the US. Alcohol, the advisory says, increases risk for at least seven types of cancer (breast, colorectum, esophagus, liver, oral cavity, throat and voice box), regardless of the type of alcohol consumed. As much as 16.4 per cent of the breast cancer cases in the US are attributable to alcohol consumption. For certain cancers, such as breast, mouth and throat, the advisory warns that "the risk of developing cancer may start to increase around one or fewer drinks per day". Even small amounts of alcohol can contribute to chronic conditions like liver cirrhosis. An individual's risk of developing cancer due to alcohol consumption, however, depends on several biological, environmental and social factors.The advisory follows the 2023 statement of the World Health Organisation (WHO) on the risks and harms associated with drinking alcohol, based on a systematic evaluation of scientific evidence. Alcohol is responsible for a substantial disease burden directly, and accounts for a sizeable number of alcohol-related road accidents. The WHO statement published in The Lancet Public Health concluded, "When it comes to alcohol consumption, there is no safe amount that does not affect health."

Back in the 1980s, the International Agency for Research on Cancer classified alcohol as a 'Group 1 carcinogen'. This is the highest-risk category of cancer-causing substances that includes tobacco, radiation and asbestos. Ethanol causes cancer through biological mechanisms as it breaks down in the body. Therefore, any beverage containing alcohol (be it beer, wine or whiskey) poses a health risk. In its statement, the WHO pointed out that the risk increases substantially with the amount of alcohol going up.This evidence busts the myth that some alcoholic drinks, particularly red wine, are beneficial for health if consumed in moderation. For decades, the alcohol industry has propped up cardiologists to promote the idea that wine in moderation is good for the heart's health without any credible scientific study to back such claims.On the other hand, data from the WHO's European Region shows that half of all alcohol-attributable cancers are caused by what is generally considered 'light' and 'moderate' consumption like a bottle of wine or two bottles of beer per week. As per the WHO, there are no studies that demonstrate beneficial effects of light and moderate drinking on heart disease or diabetes or studies that outweigh the cancer risk associated with such levels of consumption. Carina Ferreira-Borges, an expert on alcohol and illicit drugs at the WHO, has said, "The only thing that we can say for sure is that the more you drink, the more harmful it is. In other words, the less you drink, the safer it is."When there is scientific evidence about the ill effects of a commonly produced and consumed commodity that also yields substantial revenue for governments, what are the available options to reduce the harm? The WHO's statement on alcohol distils available scientific evidence and also presents policy options available to governments. It is for the governments to act. One of the most obvious options to reduce alcohol consumption is to make people aware of the potential harm through warning labels on alcohol bottles. This is among the measures Murthy has suggested for the US and what some European countries are planning to do. Murthy has also called for a reassessment of the guideline limits for alcohol consumption to account for cancer risk.

The warning labels under consideration by various countries are of many types — with messages against general harm to health, harms of excessive use and abuse and those for specific groups (underage people, pregnant women, etc.). For instance, the warning Ireland plans to introduce in 2026 says, "Drinking alcohol causes liver cancer". In 2019, India mandated more generic warnings that say "Consumption of alcohol is injurious to health" for hard liquor and "Be safe, don't drink and drive" for low-alcohol beverages.Apart from warning labels, restrictions on alcohol marketing are in place in India. Alcohol advertising is banned in newspapers, radio and television, though surrogate advertising continues in many ways, taking advantage of loopholes in advertising regulations. In recent years, surreptitious advertising through social media and digital platforms is posing new challenges.Like in the case o warnings on tobacco labels, industry and pro-industry groups argue that health warning labels are of little use in reducing consumption. But available evidence — as reported in a recent review published in The Lancet — points out that warning labels on alcohol products are useful in many ways. They can enhance awareness of alcohol-related harms, contribute to the denormalisation of alcohol use and help people make informed decisions, thereby promoting public health. The effectiveness of health labels depends on their design and content. At present, there is no standardisation of health warning labels and the content is very general, which may not help people make informed decisions.India has implemented regulations on warning labels on alcohol products for about five years now. We are yet to know how effective this exercise has been. We need continuous research on the design and content of warning messages, and consumer feedback on the same. Unlike tobacco products, where health warnings occupy a good part of the packaging and are more graphic, warnings on liquor bottles occupy tiny space and are vague. Along with health warnings, additional measures like regulation of alcohol sale on highways, curbing sale to underage consumers and drunken driving need to be implemented more stringently.It is critical to guard against industry lobbies that are constantly trying to stall health-related and other regulations in India. We need more champions of public health like Murthy to reduce the healthcare burden due to alcohol. Remember, the first warning on tobacco's link with cancer, too, came from a Surgeon General in 1964.

Indian Economy Likely To Be 'A Little Weaker' In 2025: IMF MD

NEW DELHI. The Indian economy is expected to be "a little weaker" in 2025 despite steady global growth, IMF Managing Director Kristalina Georgieva has said. Georgieva also said she expects quite a lot of uncertainty in the world this year mainly around the trade policy of the US.In her annual media roundtable with a group of reporters on Friday, she said global growth is expected to be steady in 2025, but with regional divergence. Georgieva said she expects the Indian economy to be a little weaker in 2025. However, she did not explain it any further. The World Economy Outlook update week will have more details about it.

“The US is doing quite a bit better than we expected before, the EU is somewhat stalling, (and) India a little weaker," she said. Brazil was facing somewhat higher inflation, she said. In China, the world's second-largest economy, the International Monetary Fund (IMF) was seeing deflationary pressure and ongoing challenges with domestic demand, she said.

"Low-income countries, despite all the efforts they are making, are in a position when any new shock can affect them quite negatively," Georgieva said.“What we expect in 2025 is to have quite a lot of uncertainty, especially in terms of economic policies. Not surprisingly, given the size and role of the US economy, there is keen interest globally in the policy directions of the incoming administration, in particular on tariffs, taxes, deregulation and government efficiency,” Georgieva said.

Factory output growth hits 6-month high of 5.2% in November: Govt data

NEW DELHI. India's factory output, as measured by the Index of Industrial Production (IIP), rose to a six-month high of 5.2 per cent in November from 3.7 per cent in October, mainly due to a favourable base effect along with a pickup in manufacturing, capital goods, and consumer durables.

It had grown by 2.5 per cent in November 2023. Cumulatively so far in the financial year 2024-25, industrial growth has been recorded at 4.1 per cent during April-November as against 6.5 per cent in the year-ago period.Manufacturing, which accounts for 77.6 per cent of the weight of the IIP, surged to an eight-month high of 5.8 per cent in November from 4.4 per cent in October and 1.3 per cent in November 2023 primarily due to a pickup amid the festive season. "Quite clearly the needle appears to have turned during the festival season which is a good sign. The manufacturing sector in particular has fared well with growth of 5.8 per cent over 1.3 per cent last year. Besides the low base effect, there has been a revival of both capital goods and consumer durable goods," Madan Sabnavis, Chief Economist, Bank of Baroda said.

Mining output picked pace to 1.9 per cent in November from 0.9 per cent in October even though it was lower than 7.0 per cent growth in the year-ago period. Electricity output grew by 4.4 per cent in November from 2.0 per cent in October. It had grown by 5.8 per cent in the year-ago period.

On the basis of use-base classification, the primary goods output grew by 2.7 per cent in November as against 2.5 per cent in October and 8.4 per cent in the year-ago period. Capital goods segment, a key indicator of the investment sentiment, grew 9.0 per cent in November as against 3.1 per cent growth in October and a contraction of 1.1 per cent in the year-ago period.

Private insurers show 239% jump in motor commission payouts to Rs 16,578 crore

NEW DELHI. Despite concerns raised by the Insurance Regulatory and Development Authority of India (IRDAI), private sector general insurers reported a 239 per cent jump in commission expenses in the motor insurance segment in fiscal ended March 2024. Interestingly, private insurers lagged behind public sector counterparts with a low claims ratio.Private insurers shelled out a whopping `16,578 crore to motor insurance service providers (MISPs) as commission during the fiscal ended March 2024 as against `4,890 crore in FY2023 while securing fresh businesses. Interestingly, public sector insurers kept away from the ‘commission game' and reported only 31.59 per cent rise in commission expenses at `3,099 crore in FY2024 as against `2,355 crore in FY2023, according to the Annual Report of the IRDAI.

When it comes to incurred claims ratio, public sector insurers led with 99.57 per cent while private players were far behind with a figure of 73.30 per cent, according to the IRDAI report.

Incurred claim ratio refers to the total claim amount paid by the insurance company in ratio to the total premium amount collected in a financial year. For instance, if the incurred claim ratio of an insurance provider is 75 per cent, then it means that the insurer pays `75 towards claim payment for every `100 of premium collected and the remaining `25 is considered as profit for the insurance company.

Meanwhile, earlier this year, IRDAI had repealed its guidelines capping the commission for long-term motor insurance policies, aligning these policies with the standard one-year motor insurance policies. Insurers can now offer commissions within the expense of management for long-term policies. Total commission expenses incurred by private players for all categories, including health, motor, marine and fire, were at `26,235 crore in FY24 as against `10,192 crore. PSU players' expenses were at`7,359 crore (`6,340 crore).MISPs were reportedly charging high commissions of over 50 per cent for new private car insurance policies. What is significant is that high commission to MISPs will inflate the insurance premium being paid by the car buyers. If an MISP charge `45,000 insurance on a `12 lakh car, the same policy could cost just Rs 20,000 if taken from the market.

Investors lose Rs 6 lakh crore as midcap, smallcap stocks plunge

In the midcap segment, Hudco, IDBI Bank, Tata Elxsi, Paytm, and Oberoi Realty each declined over 5%. In small-caps, Aegis Logistics, Five-Star Business, IFCI, Ircon, Navin Fluorine, and others lost ground.

NEW DELHI. Investors saw their wealth eroding by Rs 6 lakh crore on Friday as selling pressure brought down the domestic equity markets, with smallcap and midcap stocks bearing the brunt. Market capitalisation of BSE-listed companies dropped to Rs 431.16 lakh crore from Rs 437 lakh crore in the previous session, a significant loss of Rs 6 lakh crore in a single trading session.

While benchmark indices BSE Sensex and NSE Nifty managed to end Friday with minor losses, supported by a more than 5% surge in index heavyweight TCS, broader indices like the Nifty Midcap 100 and Nifty Smallcap 100 tumbled up to 2.60%.

In the midcap segment, major decliners included Hudco, IDBI Bank, Tata Elxsi, Paytm, and Oberoi Realty, each shedding over 5%. In the smallcap pack, losers were Aegis Logistics, Five-Star Business, IFCI, Ircon International, Navin Fluorine, Piramal Pharma, RailTel, and Zee Entertainment.

Year-to-date in CY25, the Nifty Midcap 100 and Smallcap 100 indices have declined by 5% and 6%, respectively, reflecting a challenging period for these segments. The earnings of these entities are unable to match their premium valuation. The Sensex closed 241 points, or 0.31%, lower at 77,378.91, while the NSE Nifty50 ended the session at 23,431.50, down 95 points, or 0.40%.

“Markets continued its downward trajectory as rupee scaling new lows due to strengthening dollar has further dampened investors' sentiment. Amid concerns of subdued economic growth and expectations of a slowdown in the quarterly earnings, investors cut their bet on banking and mid & small-cap stocks," said Prashanth Tapse, Senior VP (Research), Mehta Equities.

Tapse added that with expensive valuations of Indian markets at large still a concern, investors would mostly resort to stock-specific activities. The selling pressure was so intense that 264 stocks, including blue chips such as Tata Steel, Coal India and Hero MotoCorp hit their 52-week lows during intraday trade. Of the 4,078 traded stocks, 3,239 closed down on Friday. Except for IT, all other sectors faced selling pressure, with pharma, banking, and realty leading the declines.

Low-base effect lifts industrial production to seven-month high

NEW DELHI. Industrial production increased to a seven-month high of 5.2% year-on-year in November 2024 as compared to 3.7% in October, thanks largely to a low-base effect. In November 2023, industrial production has risen by a moderate 2.5%.Production by the mining sector in November grew at 1.9% y-o-y compared to 0.9% in October. The manufacturing sector posted output growth of 5.8% in November against 4.4% in October. Electricity generation grew by 4.4% year-on-year comared to 2% in October.Though sequentially, industrial production contracted by 1.2% in November as the effect of festive season waned earlier this year. Despite the November industrial production growth largely attributed to low base effect, experts see this as a positive indicator.“November 2024 IIP adds to the recent spate of data that have

shown somewhat better growth, vis-a-vis Q2FY25. These include core industries, E-way bills, cement production, passenger vehicle sales among others, underscoring that Q2 indeed was a growth trough,” says a QuantEco note.

The Second quarter GDP growth crashed to 5.4% resulting in the government moderating the FY25 GDP growth rate to 6.4%, which is lower than the RBI's 6.6% estimate. Economists at SBI have estimated an even lower GDP growth number for FY25 at 6.3%.As per rating agency Crisil, the festive season led to a rise in production of consumer discretionary products. Consumer durables saw strongest rise in index (13.1% in Nov) among major production sectors. “The rise was seen across low and high value items including clothing, electronics, furniture and automobiles. Consumer non-durables grew much weaker (0.6%),” noted Dharmakirti Joshi, Chief Economist at Crisil.

Supreme Court relief to online gaming companies on GST issue

NEW DELHI. In a major relief to online gaming companies, the Supreme Court (SC) on Friday put a stay on GST show-cause notices amounting to Rs 1.12 lakh crore against these companies. The court has suspended all further proceedings under these notices until the matter is conclusively adjudicated.The court on Wednesday had agreed to hear the petition of these companies against GST department proceedings on notices served to them. The notices were issued against alleged tax evasion by these companies. However, the companies had moved courts against the notices disputing tax demand.As per lawyer Abhishek Rastogi, this stay not only provides immediate respite to gaming companies from potential coercive action but also safeguards the interests of revenue authorities. “By pausing proceedings, the

court ensures that the demands don't become time-barred during the course of litigation, preserving scope for legal clarity without procedural hindrance,” says Rastogi, representing some of the gaming companies.These firms had moved court pre-empting recovery actions by tax authorities based on the notices. They argued that such actions could impact their operations, given contentious nature of the GST demands.

“The court's intervention addresses these apprehensions and ensures a fair hearing,” says Rastogi. The court has directed the consolidation of cases involving a batch of gaming companies, with the next hearing scheduled for March 18, 2025. As per tax experts, this provides a timeline for stakeholders to present their arguments and for the judiciary to evaluate core issues in this controversy.

Shares of gaming companies Delta Corp and Nazara Tech surged by up to 15%. Delta Corp shares closed with a 4% gain while Narzara shares ended with a fall of 3.7%. The dispute arose over taxability prior to the October 2023 amendment, which clarified that 28% GST would be levied on the threshold deposit amount.

Explained: Why Infosys has filed counter lawsuit against Cognizant

NEW DELHI. IT giant Infosys has filed a counterclaim against Cognizant in a Texas federal court, alleging anti-competitive practices and targeted poaching of its key executives, reported news agency Reuters.The Bengaluru-based firm accused its US-based rival of contractually restricting clients from awarding IT services to competitors and withholding software training, which Infosys claims hindered its ability to compete.The lawsuit comes after Cognizant's subsidiary TriZetto sued Infosys in August last year, accusing the Indian IT giant of misappropriating trade secrets related to its healthcare insurance software.

TriZetto's Facets and QNXT platforms, widely used by healthcare insurers to automate administrative tasks, were central to the initial legal dispute.

WHY HAS INFOSYS FILED COUNTER LAWSUIT?

In its counterclaim, Infosys accused Cognizant of deliberately recruiting its senior executives, including S Ravi Kumar, who was appointed CEO of Cognizant in 2023. Infosys claims this slowed the development of its competing software, Infosys Helix.

The counterclaim seeks three times the damages incurred, along with attorney fees, though the total amount has not been disclosed.

Responding to the allegations, Cognizant stated it would take firm action, maintaining that Infosys had improperly used its intellectual property.“Cognizant encourages competition, but competitors cannot use Cognizant's IP to unfairly compete, as Infosys has done,” the company said in a statement. Infosys declined to comment when approached by news agency Reuters.The dispute escalated with TriZetto's claim that Infosys had repackaged its proprietary data into an Infosys product under the guise of “Test Cases for Facets.” Infosys countered by arguing that Cognizant's anti-competitive actions, including restrictive contract clauses, were impeding fair competition in the IT services sector.The case, filed in the US District Court for the Northern District of Texas, has drawn attention due to its potential implications for the competitive landscape of the global IT industry. With both companies accusing each other of misconduct, the legal battle is expected to intensify as it unfolds.

Union Budget 2025: High hopes as dark clouds loom over economy

NEW DELHI. Finance Minister Nirmala Sitharaman is set to present the Union Budget on February 1. While a slowdown in the ongoing financial year was anticipated, the steep downward revision in GDP growth for FY25 has surprised many.Concerns over economic growth have intensified, with India's GDP projected to slow sharply to 6.4% in FY25, according to the government's first advance estimates. This marks a significant drop from the 8.2% growth recorded in FY24 and represents the slowest expansion in four years.

INDIA INC SEEKS MAJOR REFORMS

The corporate sector is pinning its hopes on the upcoming budget. Amit Modi, director of County Group, highlighted the real estate industry's pressing needs.

“One of the most long-standing demands is granting industry status to enable easier access to low-cost financing, which directly benefits consumers. Additionally, implementing single-window clearance is crucial for timely project completion and cost efficiency,” Modi said.He further added, “Reintroducing GST input credits for residential real estate will stabilise costs. We also expect the home loan interest exemption to be increased to Rs 8 lakh annually to support first-time buyers, while Section 80C should either exclusively cover housing loan principal deductions or have its limit raised to Rs 5 lakh.”

REAL ESTATE AWAITS RELIEF

The real estate sector, grappling with challenges, anticipates significant measures to aid the middle class and the industry. Sachin Gawri, founder and CEO of RISE Infraventures, addressed the sector's expectations.“Real estate reflects India's economic progress, yet significant untapped potential remains. Budget 2025 should address high input costs by extending input tax credits and reducing GST on materials,” Gawri said.He suggested revising the affordable housing definition to Rs 80 lakh, reintroducing a 100% tax holiday for such projects, and creating new land banks to boost supply.

“Combining home loan principal and interest deductions with a Rs 5 lakh cap would ease homeownership. Additionally, reducing the long-term capital gains holding period to two years, raising Section 54EC exemptions to Rs 1 crore, and expanding REIT benefits will spur investments,” he added.

STARTUPS SEEK SUPPORT

The startup ecosystem, a critical driver of job creation, faces hurdles that need immediate attention. Sumit Singh, CEO and co-founder of DashLoc, outlined the

sector's expectations from the budget.“As the Union Budget 2025 approaches, it is crucial for the government to focus on bolstering the startup ecosystem by reducing regulatory complexities, which often hinder growth,” Singh said.

He proposed establishing dedicated IT software parks to provide essential infrastructure and foster innovation. “Simplifying access to loans through banks and government-backed schemes will ensure startups can secure funding more efficiently, enabling them to scale and contribute significantly to the economy,” Singh added.

HEALTHCARE DEMANDS INCREASED FOCUS

Although the world has largely overcome the Covid-19 pandemic, HMPV infections have raised fresh alarms. The healthcare sector is calling for increased investments and policies to address systemic gaps.Dr Pravin Gupta, principal director and chief of neurology at Fortis Hospital, stressed the need for a roadmap. “We expect a clear plan to increase public healthcare spending. Strategic investments coupled with supportive policies can bridge the rural-urban divide and ensure access to critical care, especially in underserved regions,” he said.Dr Ashish Chaudhari, managing director at Aakash Healthcare, echoed similar sentiments. “Reinstating the 150% deduction under Section 35AD of the Income Tax Act for new healthcare projects and providing tax holidays for a minimum of 15 years for new projects, alongside a 10-year tax relief for existing facilities, are key demands,” Chaudhari said.

“These measures will ease the financial burden on healthcare providers and ensure cost savings are passed on to patients, making healthcare more affordable,” he added.With stakeholders across sectors voicing their concerns and expectations, the Union Budget 2025 holds the promise of addressing critical issues and driving India's economic recovery.

Delhi government faces flak for outsourcing recruitment amid Model Code of Conduct

The order, issued on Thursday, mandates the recruitment of 701 nursing and 762 paramedical staff through outsourcing, utilizing third-party agencies.

NEW DELHI. The Health and Family Welfare Department of the Delhi government has directed the recruitment of over 1,400 nurses and paramedical staff on an outsourced basis for its public hospitals, sparking controversy over alleged violations of the Model Code of Conduct (MCC).The order, issued on Thursday, mandates the recruitment of 701 nursing and 762 paramedical staff through outsourcing, utilizing third-party agencies. This comes at a time when the MCC is in force in the city, prohibiting government departments from floating new tenders or awarding work orders without prior approval from the election authority."...the MS/MD/HOD of the departments, including hospitals/medical institutions, are directed to fill the vacant posts of nursing and paramedical staff on an outsourced basis from any Central/State PSUs

such as ICSIL, NICSI, BECIL, HLL, etc., by limited tender," the order copy accessed by this newspaper read.However, officials from the Chief Electoral Office, Delhi, flagged the move as a potential breach, citing the absence of any representation from the screening body before the order was passed.

The All India Government Nurses Federation (AIGNF) has strongly opposed the decision, criticising the government's preference for outsourcing critical healthcare positions. Anita Panwar, President of AIGNF, called the practice "dubious" and expressed concern over its long-term implications.

"The government's decision to outsource nursing roles undermines the quality of healthcare and creates instability in the workforce. Outsourcing lower-level positions disrupts the feeder cadre necessary for promoting skilled staff to higher posts, which is vital for the smooth functioning of hospitals," Panwar said.She further pointed out that the practice violates a 2016 policy by the Ministry of Health and Family Welfare, which prohibits outsourcing of nurses in hospital setups. "These outsourced nursing officers may lack essential skills, compromising patient care standards. The Delhi government is obligated to adhere to central rules on service matters," she added.

JNU fines 2 students Rs 1.79 lakh for drinking, using hookah, allowing outsiders

New Delhi. Jawaharlal Nehru University (JNU) has penalised two hostel students for allegedly allowing outsiders into their rooms, consuming alcohol, and using hookah, among other violations -- the combined fines amounting to Rs 1.79 lakh.The students have been asked to deposit the fines within five days, as per official notices issued to them on January 8.

The first notice read, "12 unknown individuals were found in your room consuming alcohol and creating a disturbance on the hostel premises in your absence. This behaviour constitutes a serious violation of hostel rules."

A fine of Rs 80,000 has been imposed on the student, including Rs 60,000 for unauthorised entry of outsiders, Rs 2,000 for drinking, Rs 6,000 for possessing an induction stove and heater, Rs 2,000 for hookah use, and Rs 10,000 for aggressive behaviour, interference in official matters and intimidation of hostel staff.The second notice alleges that on December 22 last year and January 5, several outsiders were present in another

student's room, where alcohol was consumed. It further claims, "The Warden Committee and security personnel attempted to open your room at that time, but you did not open the door."

The student was fined Rs 99,000 -- Rs 85,000 for allowing unauthorised individuals on two occasions, Rs 2,000 for drinking, Rs 2,000 for possession of a hookah, and Rs 10,000 for aggressive and disruptive behaviour.Both notices caution the students that failure to pay the fines within the stipulated time could result in further disciplinary action, including eviction from the hostel.

"Any future complaints or violations will result in your immediate eviction from the hostel without prior notice," the notices warn.Former president of Sutlej Hostel, Kunal Kumar, criticised the fines, calling them an act of extortion.

"In a university where the semester fee is onl Rs 200, students are being fined amounts ranging from Rs 1 lakh to Rs 1.5 lakh. These fines are being imposed on those who do not support the ABVP," he alleged.No immediate reaction was available from the hostel warden on the matter.

Man Dies By Suicide In Ghaziabad, Wife Kills Herself In Delhi Upon Learning

New Delhi. A man in Ghaziabad died by suicide. His wife, in Delhi following a fight with him, heard the news of her husband's death, and killed herself, police said. The couple were parents to a one-year-old girl.The incidents involve Vijay Pratap Chauhan, 32, and his wife Shivani, 28, who resided in the Loni Border area of Ghaziabad. According to the police, the couple had a history of marital discord.

Vijay and Shivani, who lived in Jawahar Nagar's G Block in Ghaziabad, had a heated argument Friday evening. Following the dispute, Shivani left their home and travelled to northeast Delhi. Vijay reportedly made a call to Shivani after she left, during which he allegedly told her that she would never see him again.Shortly after, Vijay's aunt, Meera, visited his home and discovered his body. He had hanged himself inside the house. She immediately informed Shivani of the incident. Upon hearing the news, Shivani took her own life by hanging herself from an electric pole near the Loni roundabout in northeast Delhi, approximately 8 kilometres from their residence.

Ghaziabad Police and Delhi Police are conducting parallel investigations into the incident. Both the bodies were sent for post-mortem examination. No suicide notes were recovered at either scene. A forensic team examined both locations. Police confirmed that there were no external injuries on Shivani's body apart from the marks consistent with hanging.

Delhi polls: Dip in political clout, yet Jat votes matter

NEW DELHI. As the Delhi assembly polls draw closer, AAP national convener Arvind Kejriwal has thrown down the gauntlet, accusing the BJP of betraying the Jat community for the past decade. Kejriwal's fiery allegations have sparked a political debate, underlining the significance of the Jat vote in the upcoming elections.

Kejriwal claims that Jats in Delhi have been systematically denied reservations in central government institutions, unlike their counterparts in Rajasthan. He accused Prime Minister Narendra Modi and Home Minister Amit Shah of only remembering the Jat community during election season, sidelining their needs at other times.This newspaper spoke to several Jat leaders across the city to understand the community's deeper dynamics. Rajender Panwar, Jat Mahasabha chief, underscored the importance of the Jat vote. "Out of Delhi's 364 villages, 225 are Jat-majority. This sizeable voter base is not only influential but crucial for both the AAP and BJP in the upcoming electoral battle," Panwar said.

He further elaborated on the shifting dynamics, saying. "In the 2020 elections, AAP successfully increased its share of Jat votes compared to 2015. This shift was significant, as the Jat community's support had traditionally leaned towards Congress," he said. This shift has made the Jat vote a coveted asset for both parties. The stakes are particularly high with key figures like Kailash Gehlot, a former AAP leader and a notable Jat, now contesting under the BJP banner. His switch has added complexity to the electoral landscape.

Parvesh Verma, the BJP candidate from New Delhi, who also belongs to the Jat community, adds another layer to this political drama. His candidacy sets up a direct contest with Kejriwal, further intensifying the battle for Jat's support.

"We have been advocating for the development of rural villages through various protests over the past two and a half years, presenting our demands to the AAP government, but there is no progress," said Surender Solanki, chief of the Palam Khap. One of their key demands includes securing reservations for Jats in the capital."Recently, we organised a Mahapanchayat at Jantar Mantar to express our frustration over the government's perceived neglect of rural issues, such as inadequate infrastructure, poor facilities, and lack of representation. We even issued a 15-day ultimatum for the government to address these concerns, yet nothing has changed," Solanki said.

Delhi Reported A Dip In Most Crimes In 2024, Except These...

New Delhi. Delhi recorded a slight decline in crimes including murder, robbery, rape, and molestation, last year as compared to 2023, data shared by the Delhi Police said.

According to the data, a total of 504 cases of murder were reported in the national capital - down from 506 in 2023. Incidents of robbery also witnessed a decline from 1,654 to 1,510 in 2024. There were a total of 33 incidents of riots reported in Delhi - at least 10 down from last to last year.Cases of crimes against women also witnessed a sharp decline last year.A total of 2,076 incidents of rape were reported in Delhi as compared to the previous year's 2,141 cases, 2,037 cases of molestation - at least 308 down from 2023, and 362 cases of eve-teasing were reported in 2024 compared to 281 in 2023, the data said.29 incidents of dacoity were witnessed - the same as the previous

year.

However, there was a sharp rise in some incidents such as fatal accidents and burglary. While a total of 1,504 fatal accidents were reported last year - as compared to 1,432 from 2023, at least 29,011 cases of burglary were witnessed - over 400 cases more from the previous year.

Several incidents of gambling were reported in Delhi last year (3,556 incidents in 2024).Apart from these, officials said that cases related to the Excise Act saw a sharp rise last year. At least 6,443 cases were reported as compared to 5,951 in 2023. This comes as many Aam Aadmi Party (AAP) leaders, including former Delhi Chief Minister Arvind Kejriwal, were arrested in the excise policy cases.

Over 100 criminals arrested in 2024: Delhi Police

The Delhi Police arrested a total of 114 hardened criminals in 2024, including 40 parole jumpers and wanted offenders each. The other arrested criminals included 18 interim bail jumpers, nine proclaimed offenders, four carrying a reward on their head, and three non-bailable warrant evaders, officials said.Additionally, six criminals were on the run for over 10 years, while three had evaded arrest for eight years.

Delhi polls: Atishi dares BJP to name CM face, claims Bidhuri frontrunner

NEW DELHI. Senior AAP leader and Delhi Chief Minister Atishi on Friday challenged the BJP to reveal its chief ministerial candidate, stating that the BJP's likely choice is Ramesh Bidhuri.She urged Delhiites to decide whether they want a progressive, professional leader or someone whose reputation is built on "offensive behaviour".

"Who is the chief ministerial candidate of the BJP? If you go to any street, neighborhood, colony, or park in Delhi, this is the topic of discussion," the Delhi CM said in a press conference.She further said her party has already declared its chief ministerial face, and people know that if they vote for the AAP, Arvind Kejriwal will become the chief minister of Delhi.She claimed that BJP's core committee has decided to make Ramesh Bidhuri their chief ministerial candidate, and soon an announcement could be made in this regard.Recently, the BJP MP sparked a massive controversy for remarks on Congress MP Priyanka Gandhi and Atishi's surname and background.

"So, if the people of Delhi press the lotus button, they will get Ramesh Bidhuri as their chief minister...in BJP, the person who uses the most indecent language and the most abuses progresses the fastest," she said.

Ramesh Bidhuri used abusive language in Parliament, words so indecent that no civilised person in this country would use them.

He abuses even his own party members. Everyone knows how he abused and physically assaulted Purvanchali leaders of his party, chasing them out onto the streets," the 43-year-old CM added.

"And now, as a reward for his abusive behavior, his party is about to declare him as their chief ministerial face. Reliable sources say that the decision was finalised in today's CEC meeting and will be confirmed at the party's Parliamentary Board meeting this evening," she revealed.

Comparing Kejriwal and Bidhuri, the Chief Minister said, "The people of Delhi now have two options. On one side, there is Arvind Kejriwal, an IIT Kharagpur graduate, engineer, former IRS officer, and income tax commissioner... On the other side, there is Ramesh Bidhuri, who uses abusive language. The contrast is clear: the educated leader Arvind Kejriwal versus the abusive leader Ramesh Bidhuri."

Delhi polls: Yadav says Congress men 'harassed', seeks help from election office

NEW DELHI. Delhi Congress chief Devender Yadav submitted a memorandum to the chief electoral officer (CEO) on Friday, seeking that written instructions be issued to the police to act in an unbiased manner during the electoral process and maintain discipline on polling day.

In his letter to the CEO, Yadav highlighted several issues related to the election process, focusing particularly on the lack of clear guidelines for local police regarding the display of party materials outside polling stations.He pointed out that during previous elections, Congress workers were often "harassed" by the police under the guise of enforcing the Model Code of Conduct, which he argued undermines democratic practices.The Delhi Congress chief also claimed that in the last elections that due to heavy turnout in many constituencies, long queues for casting votes due to poor management and interruption in voting for hours in casting votes were witnessed, which resulted into the harassment not only for voters but also to the elections machinery including political party workers till late night.

How toilets at home, cash in hand and literacy added 1.8 crore women voters

New Delhi. Small changes in everyday lives can provide a big boost to democracy. Implementation of women-centric social welfare schemes of sanitation, Mudra loans, literacy and housing, have helped crores of women to come out and vote in India, according to a new study.The 2024 Lok Sabha elections saw an additional 1.8 crore women voters compared to 2019, largely due to the rollout of women-focused welfare programmes, according to a report by SBI Research. The study used data from the Election Commission of India.A 1% rise in literacy contributed 45 lakh more female voters, while house ownership, particularly under the Pradhan Mantri Awas Yojana, added 20 lakh women to the voter turnout.

"We empirically establish that states have witnessed an incremental women voter turnout of 18 million (1.8 crore) in 2024 over 2019 primarily because of implementation of women-centric schemes, at least one or more, that also includes income transfer schemes, literacy, employment like Mudra Yojana, house ownership under PMAY, sanitation are significant contributing factors for increased women voting. Electricity and improved drinking water are also emerging as contributors," the SBI report, released on January 9, noted.The SBI Research compared states that implemented women-centric schemes after 2019 with those that did not. It found a significant increase in female voter turnout in the states with such initiatives.On average, female voter turnout grew by 7.8 lakh in each of the 19 states that implemented the schemes, contributing to a total increase of 1.5 crore women voters.States that did not implement the schemes saw an average increase of just 2.5 lakh voters.

HOW WOMEN WELFARE SCHEMES TRANSLATED INTO VOTER NUMBER SURGE

A 1% increase in literacy rate led to a 25% rise in female voter turnout, suggesting that of the 1.8 crore incremental female voters between the 2024 and 2019 general elections, approximately 45 lakh can be attributed to improvements in literacy.House ownership has also been linked to an increase of around 20 lakh female voters, with 74% of the houses under the Pradhan Mantri Awas Yojana being owned by women, either solely or jointly.Sanitation schemes have contributed to around 21 lakh more female voters in the 2024 elections, showing a crucial role in shaping socio-political priorities.

While electricity access and improved drinking water accessibility show a positive impact on female voter turnout, their effects are not statistically significant, the report noted.Despite the encouraging trends, the SBI Research report warned against unchecked expansion of welfare schemes. It recommended limiting welfare spending to 1% of Gross State Domestic Product (GSDP).

Additionally, it also urged the Election Commission to implement a comprehensive absentee voting system for people who were unable to vote.

NEWS BOX

Biden backs Kamala Harris for next presidential polls: Competent to run again

WASHINGTON. Vice President Kamala Harris is competent to run for presidency again in four years, outgoing US President Joe Biden said Friday, noting that the decision on this would finally be on her.

"I think that's a decision she might think she's competent to run again in four years. That'll be a decision for her to make," Biden told reporters at a news conference here. Biden made history in 2020 by appointing Harris as the first ever Indian

American, African American and woman as the Vice President of the country. In the summer of 2024, after a disastrous presidential debate with Donald Trump in Atlanta, Biden withdrew from the race and went ahead to endorse Harris for presidency. Harris soon became the Democratic Party's presidential nominee. However, Harris lost to Trump in the November 5th presidential election. Harris has not announced her future plans yet.

Rudy Giuliani held in contempt of court over 2020 Georgia election lies

World. Former New York City Mayor Rudy Giuliani has been held in contempt of court for the second time in a week after continuing to spread false claims about two Georgia election workers, Wandrea "Shaye" Moss and her mother, Ruby Freeman. The pair previously won a $148 million defamation case against him. US District Judge Beryl Howell in Washington, DC, ruled on Friday that Giuliani had violated orders prohibiting him from making defamatory remarks about Moss and Freeman. The judge ordered Giuliani to review trial evidence from the case and warned that he could face jail if he continued to flout the court's instructions.

The lawsuit stems from Giuliani's claims that Moss and Freeman engaged in election fraud during the 2020 presidential election. These accusations led to severe harassment and threats against the two women. "Mr Giuliani began lying about the plaintiffs in December 2020 and refused to stop, even after being repeatedly told his claims were baseless, malicious, and dangerous," said their lawyers, reported by Associated Press (AP).

During the hearing, Giuliani laughed and shrugged off the judge's remarks. Judge Howell, who was appointed by President Barack Obama, described his actions as "outrageous and shameful." She added, "This takes real chutzpah, Mr Giuliani."

Before the hearing, Giuliani criticised Judge Howell in a social media post, calling her "bloodthirsty" and biased. After the court session, he referred to the proceedings as a "farce" and called the judge "completely prejudiced", AP reported.

Although the judge did not impose an immediate fine, she warned Giuliani he would face daily fines of $200 if he failed to confirm compliance within 10 days. This ruling follows a December 2023 jury decision, awarding Moss and Freeman $75 million in punitive damages and an additional $73 million in other damages. The pair testified that Giuliani's false claims caused them to live in fear, with Moss saying she rarely leaves her home and suffers from panic attacks. Giuliani's legal troubles continue to mount. Earlier this week, another judge in New York held him in contempt for failing to provide evidence in a separate case involving his Palm Beach property. He is also facing criminal charges in Georgia and Arizona related to efforts to overturn the 2020 election results.

India-US relationship where it stands today a significant achievement of Biden administration: Sullivan

World. The India-US relationship as it stands today is a significant development of the Biden Administration, the outgoing National Security Advisor Jake Sullivan said on Friday, acknowledging there were bumps on the road like the alleged assassination plot of an American citizen by an Indian government official.

"I think the US-India relationship and where it stands today is a significant achievement of this administration. The US, Japan, Philippines, trilateral. The overall health and integration of the relationships among our allies and partners in the (Indo-Pacific) region. … and that is what we are passing on to the next team," Sullivan told reporters during a round table in the Roosevelt Room of the White House. Sullivan, who returned from New Delhi early this week during which he met Prime Minister Narendra Modi, External Affairs Minister S. Jaishankar, and NSA Ajit K Doval, denied any role for the US in a regime change in Bangladesh and hoped the issue of accountability concerning alleged Pannun murder case would continue during the next administration.

"We had to manage the aftermath of the fact that there was this effort to assassinate an American citizen. We have worked through that. We are continuing to work through that, and we've done that in a way that I think shows the maturity and depth of our bilateral relationship, while also standing up for our principles and our values," Sullivan said in response to a question.

Mark Zuckerberg orders removal of tampons from men's bathrooms at Meta: Report

World. Meta CEO Mark Zuckerberg has made sweeping changes to the company's policies in recent days. Among the reported shifts was the removal of tampons from men's bathrooms in the tech titan's offices, according to The New York Times (NYT).

Facilities managers across Meta's Silicon Valley, Texas, and New York offices were instructed to remove tampons and sanitary pads, which had been provided for non-binary and transgender employees who might require them, two employees told NYT.

The move is seen as part of a broader effort by Meta to reshape its internal and external policies to align with the new political regime's values, a process described in the NYT article 'Mark Zuckerberg's sprint to remake Meta for the Trump era'. Earlier this week, Zuckerberg announced the company would end its fact-checking practices and lift restrictions on speech across its platforms, including Facebook and Instagram, to "restore free expression". "Our content moderation practices have gone too far," Zuckerberg admitted.

By Friday, Meta had ended major diversity, equity, and inclusion (DEI) programmes and removed transgender and non-binary themes from its Messenger app, according to employees. The policy overhaul also loosened rules to allow posts containing statements of hatred against certain races, religions, or sexual orientations, as well as claims about mental illness based on gender or sexual orientation.

According to the NYT report, the changes have sparked internal discord. On Workplace, Meta's internal communication platform, employees in the @Pride group, which supports LGBTQ+ issues, voiced concerns. At least one employee announced their resignation, and others indicated plans to leave. Alex Schultz, Meta's chief marketing officer, reportedly defended the moves in a post to the @Pride group, saying that issues like transgender rights had become politicised.

Looser restrictions on speech in Meta's apps would allow societal debate, Schultz wrote, citing Roe v Wade, the landmark abortion rights law overturned by the US Supreme Court, as an example of issues being politicised instead of fostering public discourse.

In an interview with popular podcast host Joe Rogan, Zuckerberg denied that the changes were made to appease the incoming Trump administration but admitted that the election influenced his thinking. "We got to this point where there were these things that you couldn't say that were just mainstream discourse," the Meta boss said.

The changes have been met with approval from President-elect Donald Trump and conservatives, censure from President Joe Biden, and concerns from LGBTQ+ advocacy groups about increased harassment online and offline.

Malaysian Doctors Fined Rs 11 Crore After One Left For Drinks, Leading To Woman's Death

World. Two doctors in Malaysia have been ordered to pay 6 million ringgit (Rs 11.42 crore) to the family of a woman who bled to her death after one of them left the hospital to grab a drink, according to a report in South China Morning Post (SCMP). The High Court in Klang ruled that the two doctors, identified as Muniandi Shanmugam and Akambaram Ravi, as well as three nurses on duty were responsible for the death of Punitha Mohan, who was admitted to the Shan Clinic and Birth Centre in Klang, Selangor, in 2019, shortly after delivering her second baby. Of the Rs 11 crore in damages, Rs 95 lakh was for the dead woman's pain and suffering, Rs 1.9 crore for each of her two children, and Rs 57 lakh for each of her parents.

Delivering the verdict, Justice Norliza Othman said the two specialist doctors had failed to ensure that Ms Mohan was out of danger as she began to experience severe bleeding after her placenta was removed. Justice Othman added that although the nurses were not qualified by the health ministry, they were tasked with monitoring the patient's condition. "The deceased's mother found that her daughter was bleeding heavily, and the nurses tried to stop it by using cotton. The patient was later transferred to Hospital Tengku Ampuan Rahimah Klang (HTAR) in critical condition," read the verdict.

Justice Othman added that the "tragic incident could have been prevented" if the two doctors had acted swiftly by "transferring her to HTAR and closely monitoring the patient's condition". "Instead of leaving her in the care of nurses while Dr Ravi went out for a drink. This level of neglect is unforgivable as it contributed to the death of a healthy mother," the judge said.

The judge pointed out that the two doctors failed to consider common complications associated with childbirth, such as eclampsia and placenta-related issues leading to post-partum haemorrhage (PPH).

Joe Biden Was Asked If He "Regrets" Not Running For Re-Election? He Says...

Washington. Outgoing US President Joe Biden on Friday said that he would have defeated Republican Donald Trump in the 2024 US presidential elections, but he decided to withdraw from the race mid-way for the sake of the unity of his Democratic Party. During a press conference at the White House, he was asked by a journalist, "Mr President, do you regret your decision to not run for re-election? Do you think that that made it easier for your predecessor to now become your successor?". "I don't think so. I think I would have beaten Trump, could have beaten Trump and I think that Kamala (Harris) could have beaten Trump, would have beaten Trump," Mr Biden responded.

"It wasn't about - I thought it was important to unify the party and when the party was worried about whether or not I was going to be able to move even though I

thought I could win again, I thought it was better to unify the party," he added. He also said it was the "greatest honour" of his life to be the US president.

"But I didn't want to be the one who caused a party that wasn't unified to lose an election. And that's why I stepped aside. But I was confident she could win," he said. The 82-year-old leader withdrew from the US Presidential race against Donald Trump after his disastrous performance at the presidential debate in June. Following a lot of criticism from his own party leaders, Mr Biden decided to withdraw from the race mid-way and endorsed his running mate Vice President Kamala Harris to be the Democratic Party's presidential candidate.

Ms Harris, however, lost to Mr Trump and the November 5 elections resulted in a clean sweep for the Republican Party, which not only recaptured the White House, maintained its majority in the House of Representatives but also got a majority in the Senate.

'Kamala Harris Competent To Run Again In Four Years'

Joe Biden said Kamala Harris is "competent" to run for the presidency again in four years, adding that the decision on this would finally be on her. "I think that's a decision she might think she's competent to run again in four years. That'll be a decision for her to make," he told reporters. Mr Biden made history in 2020 by appointing Ms Harris as the first ever Indian American, African American and woman as the Vice President of the US.

Hush money case: US judge sentences President-elect Donald Trump, declines to impose jail term

NEW YORK. A judge sentenced Donald Trump to an unconditional discharge Friday for covering up hush money payments to a porn star despite the US president-elect's last-ditch efforts to avoid becoming the first felon in the White House. The judge spared Trump prison or a fine even though the 34 counts of falsifying business records on which he was convicted in May 2024 carried potential jail time.

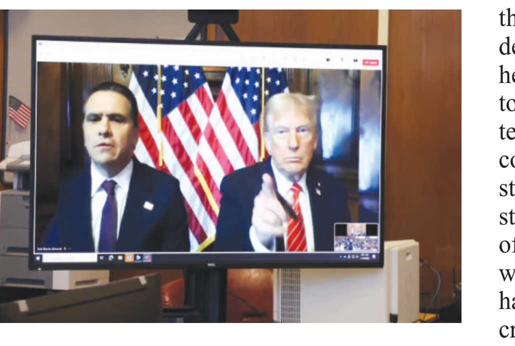

Instead New York judge Juan Merchan handed down the mildest criminal sanction available, an unconditional discharge -- a relatively uncommon measure. "Never before has this court been presented with such a unique and remarkable set of circumstances," said Merchan.

"The only lawful sentence that permits entry of a judgment of conviction without encroaching on the highest office of the land is an unconditional discharge." Trump attended his sentencing virtually, with the judge, lawyers and media packed into the scruffy Manhattan courtroom that was the backdrop to the trial's high drama, legal wrangling and vitriolic personal attacks by the divisive Republican. "This has been a very terrible experience. I think it's been a tremendous setback for New York and the New York court system," Trump said before the discharge was passed.

"It was done to damage my reputation, so I would lose the election." The former president appeared on screens in the courtroom with two large US flags behind him, wearing a red tie with white stripes and looking on impatiently as the brief proceeding unfolded.

Ahead of the sentencing, prosecutor Joshua Steinglass said Trump had been convicted of a "premeditated and continuous deception." "The verdict in this case was unanimous and decisive and it must be respected," he said. The trial saw Trump forced to look on as a string of witnesses testified that he had fraudulently covered up illicit payments to porn star Stormy Daniels in an effort to stop her disclosing their tryst ahead of the 2016 presidential election, which he ultimately won. Trump had sought a suspension of the criminal proceedings after a New York State appeals court dismissed his effort to have the hearing delayed. But the Supreme Court ruled that the sentencing could proceed. Prosecutors opposed the effort to stave off sentencing, 10 days before Trump is due to be sworn in for a second term, arguing it was wrong for the apex court to hear the case when the mogul still had avenues of appeal to pursue in New York.

First presidential conviction

An unconditional discharge is a measure without any sanctions or restriction that nonetheless upholds the jury's guilty verdict -- and Trump's infamy as the first former president to be convicted of a felony.

"We Need Answers": Los Angeles Residents Ask Cause Behind Raging Wildfires

Los Angeles, United States. Californians on Friday demanded to know who is at fault for the vast devastation caused by the raging Los Angeles wildfires, as a strict curfew went into force to prevent looting and lawlessness. At least 11 people died as flames ripped through neighborhoods and razed thousands of homes in a disaster that US President Joe Biden likened to a "war scene." While Angelenos grapple with the heart-rending ruin, anger has risen over officials' preparedness and response, particularly for a series of false evacuation alarms and after hydrants ran dry as firefighters battled the initial blazes. Governor Gavin Newsom on Friday ordered a "full independent review" of the city's utilities, describing the lack of water supplies during the initial fires as "deeply troubling."

"We need answers to how that happened," he wrote in an open letter. Residents like

Nicole Perri, whose home in the upscale Pacific Palisades burnt down, told AFP that officials "completely let us down."

"They let us, the ordinary people, burn," added Nicholas Norman, across the city in Altadena. Meanwhile, as fears of looting grow, a sunset-to-sunrise curfew took effect in evacuated areas.

Around two dozen arrests have already been made across Los Angeles, where some residents have organized street patrols and kept armed watch over their own houses. "If we see you in these areas, you will be subject to arrest," Los Angeles Police Department chief Jim McDonnell said. Violators face up to six months in prison or $1,000 fines, he said.

The National Guard has been deployed to bolster law enforcement.

'Devastating'

Five separate fires have so far burned more than 37,000 acres (15,000 hectares), destroying around 10,000 buildings, California's fire agency reported.

The Los Angeles County medical examiner's office confirmed an additional fatality on Friday, bringing the overall death count so far to 11. "It reminded me of more of a war scene, where you had certain targets that were bombarded," said Biden, as he received a briefing on the fires at the White House.

Winds calmed Friday, providing a much-needed if fleeting window of opportunity for firefighters battling blazes around the clock for a fourth consecutive day. At the biggest of the blazes, in Pacific Palisades and Malibu, firefighters said they were starting to get the fire under control, with eight percent of its perimeter contained.

"Braveheart" actor Mel Gibson was the latest celebrity to reveal his Malibu home had burned down, telling NewsNation the loss was "devastating." Meanwhile the Eaton fire in the Altadena area was three percent contained, with fire chief Jason Schillinger reporting "significant progress" in quelling the blaze. A third fire that exploded Thursday afternoon near the wealthy Hidden Hills enclave, home to celebrities like Kim Kardashian, was 50 percent surrounded. But emergency chiefs warned the situation is "still very dangerous" and reprieve from the intense gusts that spread embers will not last. "The winds have died down today, but... are going to increase again in the coming days," said Deanne Criswell, administrator of the Federal Emergency Management Agency (FEMA).

NEWS BOX

Jannik Sinner doping case hearing fixed for April: CAS

New Delhi . World number one Jannik Sinner is set to face the Court of Arbitration for Sport (CAS) in a doping case hearing scheduled for April 16-17. The hearing will address the World Anti-Doping Agency's (WADA) appeal, which seeks to impose a one-to-two-year ban on the Italian tennis star.Sinner, 23, tested positive for low levels of the anabolic steroid Clostebol in two separate tests conducted in March last year. In August, an independent tribunal cleared him after accepting his explanation of unintentional contamination. Sinner claimed the banned substance entered his system through a massage from a trainer who had used Clostebol to treat a finger injury. The tribunal ruled that the contamination was accidental, sparing him from suspension.Despite this, WADA filed an appeal with CAS in September, challenging the tribunal's decision. If the appeal is successful, Sinner could face a ban of up to two years. "No parties requested a public hearing, and it will be conducted behind closed doors," CAS said in a statement about the two-day hearing.

The CAS hearing will take place behind closed doors at its headquarters in Lausanne, Switzerland. Neither party requested a public hearing. While CAS has not provided a specific timeline for its decision, a fast-track verdict may be requested to ensure the ruling is made before the French Open begins on May 25.The doping case has cast a shadow over Sinner's remarkable 2023 season, during which he won the U.S. Open. News of his positive test, initially kept confidential, was revealed after he successfully appealed against a provisional ban.

As Sinner prepares to defend his Australian Open title in Melbourne, he has faced scepticism from fellow players. Notably, Novak Djokovic has questioned whether Sinner received preferential treatment from tennis authorities.

In a statement on Friday, Sinner expressed frustration over the uncertainty surrounding the case, saying he remains focused on his preparation for the Australian Open but is eager for clarity.WADA maintains that the presence of Clostebol in Sinner's system constitutes a doping violation, regardless of the explanation. The agency is pushing for a suspension of at least one year to uphold the integrity of anti-doping efforts.

The outcome of the CAS hearing will be pivotal not only for Sinner's career but also for broader perceptions of fairness and consistency in tennis. If banned, Sinner risks missing key tournaments, including the French Open and Wimbledon. Conversely, a verdict in his favor would vindicate his claims of accidental contamination and allow him to continue his rise in the sport.

Happy Birthday Rahul Dravid: Indian cricket's Mr. Dependable turns 52

Rahul Dravid, one of the most revered figures in Indian cricket, celebrates his 52nd birthday on January 11, Saturday. Wishes poured in for the superstar from the cricketing circles all across the world.

New Delhi . Rahul Dravid, one of the most revered figures in Indian cricket, celebrates his 52nd birthday on January 11, Saturday. Known for his resilience, impeccable technique, and calm demeanour, Dravid earned the nickname "The Wall" for his ability to anchor India's batting lineup in even the most testing conditions.Born on January 11, 1973, in Indore, India, Dravid's cricketing journey began at a young age, with his father, Sharad Dravid, being a significant influence. Dravid made his first-class debut for Karnataka in 1991 and quickly established himself as a reliable and consistent batsman. His breakthrough on the international stage came in 1996 when he debuted for India in both One-Day Internationals and Test cricket against England.

Dravid's career in Test cricket is legendary, with his immense patience and ability to occupy the crease for long durations. Over his 16-year Test career, he faced a remarkable 31,258 balls—a record that remains unmatched. His ability to weather the toughest challenges and wear down bowlers made him a central figure in India's success. His 210 catches, a record for the most catches by a non-wicketkeeper in Test cricket, further highlighted his all-around contribution to the team. Known for his unmatched concentration, Dravid spent a total of 44,152 minutes at the crease in Test cricket, a testament to his enduring commitment to the game.

In one of the most iconic innings of his career, Dravid batted for an incredible 740 minutes during his 270 against Pakistan in 2004, the longest innings by an Indian batsman. This match, along with his countless other memorable performances, solidified his status as one of the best Test cricketers in the world. He also holds the record for the most century partnerships in Test cricket, with 88, reflecting his ability to build partnerships and support his teammates.

In One-Day Internationals, Dravid was no less dependable. He scored 10,889 runs in 344 ODIs, including 12 centuries and 83 fifties,

and became one of India's most consistent middle-order batsmen. His partnership with Sachin Tendulkar in a world-record 331-run stand against New Zealand in 1999 remains one of the finest moments in ODI cricket.

Dravid's adaptability also extended to the Indian Premier League (IPL), where he played for the Royal Challengers Bangalore and Rajasthan Royals. Although his IPL career wasn't as illustrious as his international tenure, he contributed significantly to the teams he played for and continued to demonstrate his cricketing acumen in the T20 format.

Post-retirement, Dravid transitioned seamlessly into coaching and mentoring. As the coach of the India A and U-19 teams, he helped develop young talent that would go on to represent India at the highest level. Players such as Rishabh Pant, Shreyas Iyer, and Sanju Samson have credited Dravid for playing an instrumental role in their development, ensuring his influence extended far beyond his playing days.Dravid's legacy is not just defined by his records, but also by his unwavering commitment to the game and his humble nature. He was especially known for his ability to perform in overseas conditions, scoring a substantial number of runs in victories abroad. He remains the only player to score a Test century in every Test-playing nation, a testament to his versatility and adaptability in varying conditions.Even after his playing days, Dravid's influence on Indian cricket has been profound. His remarkable consistency, dedication, and leadership qualities have inspired generations of cricketers, and his contributions to the game have been invaluable. As we celebrate Rahul Dravid's 52nd birthday, we honor not just his remarkable records but also the enduring impact he has had on Indian cricket, both on and off the field.

Ravindra Jadeja's Instagram story sparks speculation around India cricketer's future

New Delhi . Star Indian all-rounder Ravindra Jadeja has sparked widespread speculation after posting a cryptic image on his Instagram account. The picture, featuring his Test jersey, quickly went viral and has ignited curiosity among fans and cricket pundits.The Instagram story has left many guessing its meaning, with some interpreting it as a hint that Jadeja might be considering retirement from Test cricket. Reactions poured in on X (formerly Twitter), where fans speculated on the significance of the post. While one user commented, "Any hint?" another wrote, "Happy Retirement Jaddu." The post comes after Jadeja retired from T20Is following India's World Cup triumph in June last year. However, the spin-bowling all-rounder continues to be active in ODIs and Test cricket.While Virat Kohli and Rohit Sharma faced criticism for their performances during India's recent tour of Australia, Ravindra Jadeja was not spared either. The all-rounder struggled to make an impact in the Test series, which India lost 1-3.

Jadeja managed to pick up only four wickets across three matches and contributed 135 runs with the bat at an average of 27. According to a report, the veteran player's performance is under scrutiny, and the BCCI selection committee is considering his future. The report further suggests that the selectors may now be inclined to move on from Jadeja as they look to rebuild the team.The timing of Jadeja's post has added to the intrigue as India gear up for a packed schedule. Starting January 22, the team will face England in five T20Is and three ODIs, followed by the Champions Trophy in Dubai under a hybrid hosting model. Squad announcements for the upcoming series are expected soon, and Jadeja's inclusion or exclusion could provide more clarity about his future.Reports suggest that the BCCI selection committee, along with head coach Gautam Gambhir, is contemplating transitioning to younger players ahead of the 2027 World Cup. According to the report, selectors are debating whether to retain Jadeja or opt for a fresh approach. "It's all about when the selectors decide the transition needs to kick in," a source stated.

ICC Cricket Committee looking to give leeway to bowlers on wides: Shaun Pollock

New Delhi . South African legend Shaun Pollock says the ICC Cricket Committee is working on giving bowlers "a bit more leeway on wides," as the current rule is "very strict on them," especially when batters make last-minute movements. Batters often make late movements across the crease to disrupt bowlers' line and length in ODIs and T20Is, which frequently results in wides."I'm working on something. As a member of the ICC Cricket Committee, we're looking to provide bowlers with a bit more flexibility on wides. I think the current rules are very strict," Pollock told PTI on the sidelines of SA20. "If a batter jumps across at the last minute, it doesn't sit well with me. A bowler needs to know, from the start of their run-up, where they can bowl."

Pollock explained that the current rule, which

bases wides on the batter's position at the moment of delivery, is problematic. "If a batter moves and the wide is judged based on where they are at that moment, it's unfair. I'd like to see that changed slightly," he added.

The 51-year-old emphasised that bowlers must have clarity on their plans before their run-up. "Bowlers need to know exactly what's expected when they're running in. How can they be expected to change their game plan at the last second? They need a clear idea of their target," he said."This is being discussed. We're working on it. It's important to give something back to the bowlers," Pollock added.Pollock also spoke about the growth of the SA20 league, comparing its rise to the IPL. "It has gone from strength to strength. This year, the Catch 2 Million competition was added, which has brought even more excitement," he said.

"I see young kids being encouraged to come to the ground, which is fantastic. With the current economic challenges, it's great to see families getting involved. The league has definitely gained momentum."He stressed the importance of the SA20 for South African cricket. "The game needed this injection- there's no doubt about it.

SA20: Durban Super Giants beat Pretoria Capitals by 2 runs in final ball thriller

New Delhi. After a terrific bowling performance in the opener of the SA20, the fans were in for some batting fireworks in the second game of the season. Playing at Kingsmead, Durban Super Giants and Pretoria Capitals produced a high-scoring final-ball thriller on Friday, January 10.Durban Super Giants held their nerve in a dramatic last-ball finish to defeat Pretoria Capitals by just two runs in an electrifying SA20 encounter at Kingsmead on Friday. Despite a blistering 89 from Rahmanullah Gurbaz and a strong 154-run opening stand with Will Jacks, the Capitals fell agonizingly short of DSG's 209/4, finishing their chase at 207/6.

Pretoria's chase got off to a flying start as Gurbaz and Jacks dominated the DSG bowlers, putting together a scorching 154-run opening partnership. Gurbaz was the standout, smashing 89 off just 43 balls,

including seven sixes. Jacks also played a key role with a quickfire 64 off 35 balls. The pair set the perfect platform for the Capitals, needing 56 runs off the final 47 balls with nine wickets still in hand.

However, the game took a dramatic turn in the 13th over when DSG spinner Noor Ahmad dismissed Gurbaz, breaking the partnership. The next over saw Chris Woakes dismiss Pretoria's skipper, Rilee Rossouw, for just 1. Noor (2 for 34) and Woakes (2 for 42) continued to build the pressure, removing Jacks and Senuran Muthusamy (8) in quick succession, reducing the Capitals to 183 for 4 in the 15.5 over.

Liam Livingstone, who was the Capitals' best hope, still had a chance to take his side home with 27 runs required from 25 balls and six wickets in hand. But a pivotal moment arrived when DSG captain Keshav Maharaj, the experienced spinner, removed Livingstone for 13. The pressure mounted further as Naveen-ul-Haq dismissed James Neesham for just 3, bringing the chase to a tense standstill.

Hero-worshipping reason behind India's generational slump in Tests: Manjrekar

New Delhi. Former India cricketer Sanjay Manjrekar has blamed the culture of hero-worshipping behind India's awful slump in Test cricket. In his recent column in Hindustan Times, Manjrekar wrote that the slump that the Indian team is facing is nothing new. The former player highlighted that India faced a similar slump back in 2011-12 as well, losing 0-8 to England and Australia under the leadership of MS Dhoni.

Manjrekar termed the current lapse in form under the captaincy of Rohit Sharma, a generational slump. India lost two back to back series under the leadership of Rohit Sharma. First India lost their first ever home series against New Zealand (0-3) at home and then fell to Australia 1-3 away. Manjrekar pointed out the reason behind the losses and said that the icon-players were dragging the Indian team."India are a sought-after cricket team that the world wants to eagerly host. They play a lot of matches in SENA (South Africa, England, New Zealand, Australia) countries, so it is fair to be judged to the highest standards.

This 'generational slump' is inevitable for all teams. It's what we know as the transition phase and among the best teams in the world, I believe it affects India the most," Manjrekar wrote in his column.

The one foremost reason behind this is the icon culture we have in India and the hero worship of certain players. Be it 2011-12 or now, it's the same scenario that gets played out -- iconic players featuring prominently doing the opposite of what they did their entire careers, thereby dragging the team down with their diminished performances," he added.Manjrekar cited the examples of Sachin Tendulkar and VVS Laxman, who had failed in the transition period of 2011-12, and compared their fortuned with Virat Kohli and Rohit Sharma, who simply have not turned up in the last 2 series for India.

"When India lost 0-8 to England and Australia, Tendulkar averaged 35, Sehwag 19.91 and Laxman 21.06. Only Dravid stood out and got runs in England (he averaged 76.83) but in Australia he too was given a harsh reality check (he averaged 24.25)," Manjrekar said.

"Thing is, when it comes to the big players, we as a country are just not able to stay rational.

Emotions run high and those in positions to take decisions on these players are influenced by this climate. Cricketing logic goes out of the window and then the selectors hope the player leaves on his own so that they don't look like the villains who brutally ended the career of a great who millions of fans worship. They just fear the backlash," the former batter concluded on the matter.

'One of a kind' Amanda Ribas says repeating Amanda Nunes feat will be a challenge

New Delhi. "One of a kind." This was the title UFC used to describe Amanda Ribas in an article as she continues her meteoric rise in the promotion. And there's good reason to give her that tagline as she has been a force to be reckoned in not just one, but two separate weightclasses.Ribas is currently the only fighter to be ranked in the top 10 in 2 divisions as well. The 31-year-old is ranked No.8 at strawweight and No.10 at flyweight and competes in both the divisions regularly. While her work inside the octagon has been incredible, what she does outside the cage makes her one of the most special talents.After securing a fight bonus for her win against Luana Pinheiro, Ribas decided to give away the money to build a facility to help rehabilitate young people who were struggling with drug abuse. The 31-year-old, who will be facing Mackenzie Dern at UFC Fight Night: Dern vs Ribas 2 on

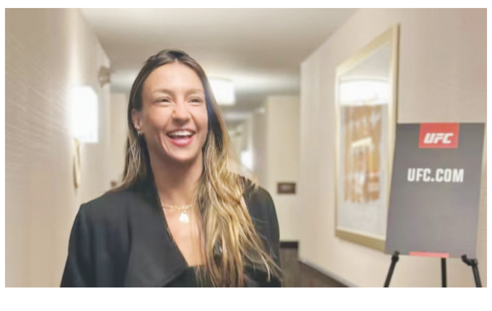

January 12, has now set her sights on getting to a title fight by 2025. While talking to Indiatoday.in exclusively, Ribas explained why it could be difficult to replicate the success of her compatriot Amanda Nunes and become a 2-division champion.

India Today: How easy is it to compete in two divisions at the same time and remain successful?

Ribas: It's awesome! At the beginning, I took the opportunity to fight at flyweight because it was a huge chance. My first fight in flyweight was against Paige VanZant in Abu Dhabi. UFC gave me a great opportunity, and I kept doing well, taking on tough fights. Strawweight is my natural division, and I'm coming off two victories there. In flyweight, I've faced fighters with big names like Paige, Rose Namajunas, Maycee Barber, and others. Competing in both divisions has been amazing, especially ranking in both.

India Today: Which is the easiest weight class for you in terms of weight? Which one do you prefer?

Ribas: I prefer strawweight because I feel hungrier, not just for food and cut a lot of weight, but also hungrier in the cage. I feel stronger at strawweight because I'm taller there. At flyweight, I feel faster, but for now, I prefer strawweight.

India Today: Like your namesake Amanda Nunes, is your aim to be a double champion?

Ribas: That part is a little hard because, in flyweight, I need to adapt my body to gain some muscle. In strawweight, I need to be careful not to lose too much muscle. I trust my team and nutritionists to manage this, but it's a challenge.

India Today: Your father was your first coach and once stopped you from quitting the sport. How does he still keep you on your toes?

Ribas: Yes, he was and still is my coach. At the beginning, it was hard to adapt to calling him coach in the gym and dad outside. Now, we've found a balance. When we're outside the gym, it's just dad and daughter. Inside, it's coach and fighter. The best part is I can trust him completely because he wants the best for me, not for himself.

Alia Bhatt

And Ranbir Kapoor's Wedding Was The 'Toughest', Even Their Neighbours Got 'Annoyed'

Yusuf Ibrahim is a security consultant who has looked after several Bollywood weddings. However, do you know which one was the toughest to handle for him? Well, it was Alia Bhatt's wedding with Ranbir Kapoor.In a recent interview, Yusuf called Alia Bhatt's wedding challenging and tough and recalled what happened when hundreds of people gathered at the couple's Pali Hill residence to catch a glimpse of their wedding. He mentioned that over 350 media personnel were stationed outside Alia's wedding venue and that it was very difficult to deal with the crowd.

The toughest ever wedding we managed was that of Alia Bhatt. There were at least 350 people from media houses. At least ten people came from each company. Additionally, their fans had assembled outside their home. Same company sent four people from each of their regional channels. People had crowded the entire Pali Hill. Both ways leading to Pali Hill was filled with media and fans. The crowd was so much that we had to attend to guests cars from down the road leading to their building. We had to run behind the cars. It got even more challenging because even the guests at the wedding were celebrities. The chaos was such that even the people residing in the building got annoyed and were immensely troubled," he told Siddharth Kannan.

Yusuf revealed how he managed his team during Alia's wedding and shared, "We were about 60 people in each shift and our shift was of eight hours each. We worked round the clock. It was crazy because the building has just one gate for both entry and exit, so everybody had to enter through the same gate. We had to escort all the relatives and friends through that crowded road. All of their guests were celebs. Press was crazy on that night."

"I had kept half of my boys in uniform and rest of them in civil dress so that they can manage it well and keep an eye on everybody without making them conscious. They would update me that media is planning to climb the wall and so, I would instruct them to cover the walls. This is how we managed," he said.Yusuf also mentioned that while he knows Alia Bhatt from her debut film Student of The Year, he started working with Ranbir Kapoor only after Yeh Jawani Hai Deewani. "They trust me with my work," he said.

Shalini Passi

On Growing Botox Trend And Cosmetic Surgeries: 'Must Love Yourself'

Shalini Passi has been dominating the headlines following her appearance in Fabulous Lives vs Bollywood Wives. Her candid views on various topics also steal the limelight. In a recent chat, Shalini also shared her concerns about the growing trend of going under the knife. She said that the surgeries and botox trend are harmful to the bodies of young girls. Addressing the issues concerning botox trends and cosmetic surgeries among girls at a young age, she told Hauterrfly that it is not right.Shalini Passi explained, "Nowadays, I watch a lot of girls panicking during hormonal changes. These changes will happen for 2 to 3 years and later settle down. I've seen that it has become a trend among 18- to 19-year-old girls getting Botox, etc. It is wrong because your body has not developed yet. Even getting things done at the age of 22 is not right."

Further highlighting the importance of self-love, Shalini Passi advocated for the need to embrace one's natural features. She remarked, "If you don't love yourself, then others cannot love you. First, you must love yourself. You should know in your heart, 'I am okay with who I am.' For example, if this is my hair colour, it will stay that way. If my hair colour is black, then it's my grandmother's hair. Or, if this is my nose, then it's my father's nose. How can you not love your mother's skin? How can you not love your grandmother's eyes?"

Continuing, Shalini Passi also urged the younger generation to acknowledge the difference between the lifestyle they see online and in reality. An art collector, philanthropist, and socialite based in Delhi, Shalini was a new addition to the cast in Fabulous Lives vs Bollywood Wives, along with Kalyani Saha Chawla and Riddhima Kapoor Sahni, the sister of Ranbir Kapoor.Besides the three entrants, the show featured Bhavana Pandey, Maheep Kapoor, Seema Sajdeh and Neelam Kothari. Despite a notable cast, Shalini captured the maximum attention for her larger-than-life personality and candid demeanour. The show is avalable for streaming on Netflix.On the personal front, Shalini Passi is married to Sanjay Passi, the multi-billionaire chairman of Pasco Group. The duo has a son, Robin Passi.

Saba Azad Wishes BF Hrithik Roshan On Birthday, Drops Unseen Loved-Up PICS: 'You Are The Light'

Bollywood star Hrithik Roshan is celebrating his 51st birthday today, and his ladylove Saba Azad has made the occasion extra-special for him! She took to her social media to share a romantic post, penning a short yet meaningful note for the actor. The highlight of her post were the unseen, mushy pictures of the couple that were an absolute treat for fans.Saba Azad took to her Instagram account to share a series of pictures with her beau Hrithik Roshan. The first picture appears to be from their vacation, and the couple is seen posing for a selfie at the beach. Saba is seen rocking a green and white striped bikini, with white-framed sunglasses over her head, while Hrithik is seen flaunting his chiselled body, with a towel wrapped around his waist. The next photo shows them enjoying a rickshaw ride, and they are all smiles in the lovely picture. Meanwhile, Saba shared some more love-soaked selfies from their dinner dates and vacations.

In her caption for her 'love' Hrithik, Saba Azad wrote, "Happy whirl around the sun my love you are the light…may joy envelop you forever and then some." Check out the post below.

Commenting on Saba's post, actress Richa Chadha wrote, "Happy birthday to Mr Ro," while Saif Ali Khan's sister Saba Pataudi commented, "Happiest Birthday to Hrikhik. And U!;) Happy memories and moments together…." Many fans showered love on the birthday boy!

Sussanne Khan Wishes Hrithik Roshan

Meanwhile, earlier today, Hrithik Roshan's ex-wife Sussanne Khan also shared a wish for him. She posted a picture from their celebration featuring her, Hrithik, Saba Azad, Zayed Khan, actress Gayatri Oberoi, Arslan Goni, and others. She wrote, "Happy happiest birthday Rye.. and huggge celebrations for 25 years of KNPH (red heart emojis) and I know the bestttt of your talent and personality starts now…".

RJ Mahvash BREAKS Silence On Yuzvendra Chahal Dating Rumours: 'Have Been Patient Since 2-3 Days…'

Recently, Yuzvendra Chahal's picture with RJ Mahvash from their Christmas celebration went viral on social media. The picture fueled speculation about them, leading people to wonder if they are dating. Now, RJ Mahvash has finally addressed the rumours, lashing out at those linking them together. She expressed her frustration over the 'baseless' dating rumours that emerged simply because she was seen with a person of the opposite gender. She slammed the mindset behind such assumptions, and said that while she has been patient for a few days, she won't let her name be dragged into this.In her note on Instagram, RJ Mahvash wrote, "Some articles and speculations have been circulating around the internet. It's literally funny to see how baseless are these rumours. If you get SEEN with an opposite gender, so you are dating that person? I am sorry what year is this? And how many people are you all dating then? I have been patient since 2-3 days now but I won't let any PR teams drag my name into this to cover up other people's image. Let people live in peace with their friends and family in tough times." Check out her story below.

Their dating rumours surfaced at a time when Yuzvendra Chahal and Dhanashree Verma's divorce rumours have been making headlines. It all started after fans noticed that the two have unfollowed each other on Instagram. Yuzvendra has also deleted all photos featuring Dhanashree from his account, while Dhanashree still has a few pictures of him on hers.Amidst all this, Yuzvendra Chahal also addressed the speculations surrounding his personal life. As rumours about his divorce with Dhanashree emerged, the cricketer asked his followers to stop speculating over "matters that may or may not be true". He requested them to not indulge in these speculations as they have caused immense pain to him and his family.

On Wednesday, Dhanashree Varma also issued a statement addressing the rumours surrounding her marriage with Yuzvendra. She wrote that the past few days have been incredibly tough for her and her family and that it is truly upsetting to see the 'baseless writing, devoid of fact checking' and 'character assassination' of her reputation by faceless trolls. "I've worked hard for years to build my name and integrity. My silence is not a sign of weakness; but of strength. While negativity spreads easily online, it takes courage and compassion to uplift others. I choose to focus on my truth and move forward, holding onto my values. The truth stands tall without the need for justification. Om Namah Shivaay," she wrote.